आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद - 12

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम : हरदीप पुरी- 12

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार- 13

टी-20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.03

सूर्यास्त 05.48

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष एकादशी 01:55 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 29 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 339, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत

पुणे के बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे से टकराया विमान, 4 अन्य की गई जान, महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक

... वो आखिरी 26 मिनट

- बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।
- इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से ' 'दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों' ' में नीचे उतरने की सलाह दी गई।
- चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।
- इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।
- चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था- फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आएगा, हम संपर्क करेंगे। कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है।
- विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।
- आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

- विजिबिलिटी कम होने पर पहली बार में पायलट नहीं करा सके थे लैंडिंग, पुन: प्रयास में हुआ हादसा, दिवंगत पवार का अंतिम संस्कार आज
- हादसे में पायलट सुमित कपूर, सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, पीएसओ विदिप जाधव व विमान परिचारिका पिंकी माली की भी गई जान

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) समेत पांच लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मौत हो गई। पवार 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विदिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। पवार के सम्मान में महाराष्ट्र ने 30 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा।

सरकार ने बताया कि विमान एटीसी ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) से गठबंधन में चुनाव लड़ा था। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और कई अन्य नेताओं ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में थोड़ा अस्थिर दिख रहा था और जैसे ही जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया और विमान में भीषण आग लग गई। (संबंधित राष्ट्रीय पेज पर)

पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट हुई विमान दुर्घटना के बाद लगी आग।

इनकी गई हादसे में जान

अजित पवार उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

सुमित कपूर पायलट

शांभवी पाठक सह-पायलट

विदीप जाधव पीएसओ

पिंकी माली फ्लाइट अटेंडेंट

एएआईबी जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए दोपहर बाद बारामति पहुंच गई। एएआईबी के अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, अधिकारी ने और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन में, एएआईबी को हादसे की जांच का जिम्मा सौंपा गया। बुधवार सुबह, 16 साल पुराना और मध्यम आकार का विमान दूसरी बार लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के उपाय भी सुझाता है।

अजित पवार की मृत्यु से स्तब्ध हूं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। मोदी पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एक अच्छा मित्र खो दिया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को इस त्रासदी की जानकारी दी।

ब्रीफ न्यूज

चाय की दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट, दो झुलसे

रुड़की। गंगनहर कोतवाली में रामपुर चुंगी स्थित एक चाय की दुकान में बुधवार तड़के 5:30 बजे गैस सिलेंडर फटने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक हुए तेज धमाके के साथ आग की लपटें उठने लगीं। इस दौरान दुकान पर चाय पीने आए दो लोग मलबे और आग की चपेट में आ गए। धमाके की गूंज सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने दोनों लोगों को मलबे से निकाला और तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत नाजुक होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण गैस रिसाव बताया जा रहा है।

सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। चांदी में तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सर्राफा बाजार में 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। (विस्तृत कारोबार पेज पर)

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण
- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन बुधवार को कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है।

उन्होंने कहा सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है। देश की रक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम हो रहा है। मुर्मू ने विकसित भारत का संकल्प, भारत की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का अभियान, एकता के लिए प्रयास, स्वच्छता, राष्ट्र से जुड़े ऐसे विषयों पर, सांसदों से एकमत होने का आह्वान करते हुए कहा, विभिन्न मतों, अलग-अलग विचारों के बीच, यह सर्वमान्य है कि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है।

जी राम जी पर विपक्ष का विरोध

राष्ट्रपति ने मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए गए कानून का जिक्र करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत - जी राम जी कानून बनाया गया है। नए सुधार से गांव में एक सौ पच्चीस दिन के रोजगार की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि अब इस योजना से गांवों के विकास को नई गति मिलेगी और किसान, पशुपालक और मछुआरे साथियों के लिए नई सुविधाएं निर्मित होंगी। इस दौरान विपक्ष के अनेक सदस्यों ने इस कानून का विरोध करते हुए नारेबाजी की और इसे वापस लेने की मांग करने लगे।

अनिल अंबानी की कंपनियों की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपये हो गया है।

ईडी ने कहा कि धन शोधन के तहत 4 अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं। आरएचएफएल, आरसीएफएल, यस बैंक धोखाधड़ी के साथ-साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में कुर्की की गई है। नए अधिरोपित शेयरों में बीएसईएस यमुना पावर, बीएसईएस राजधनी पावर व मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की शेयरधारिता शामिल है।

ईरान पर हमले की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उम्मीद है कि ईरान जल्द ही बातचीत के लिए आगे आएगा और एक निष्पक्ष एवं न्यायसंगत समझौता करेगा, एक ऐसा समझौता जो सभी पक्षों के लिए अच्छा हो। उन्होंने कहा, समय तेजी से बीत रहा है और यह वाकई बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान पर जून में हुए हमलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने लिखा, अगला हमला इससे कहीं ज्यादा खतरनाक होगा।

एनसीसी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाने का आंदोलन : मोदी

- राष्ट्रीय कैडेट कोर की रैली को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित
- कहा- एनसीसी भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ऐसा आंदोलन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में कैडेटों की संख्या में निरंतर बढ़ रही है और हाल के वर्षों में यह 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है जिसमें देश के सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोदी ने बुधवार को यहां दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह ऐसा मंच है जहां युवा अपनी विरासत को गर्व के साथ जीते हैं। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए उत्सवों का उल्लेख किया। 'परमवीर सागर यात्रा' को एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया था, और कैडेटों ने अपनी नौकायन यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों के सम्मान की इस भावना को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी ने स्मारकों से लेकर सड़कों तक इतिहास को जीवंत किया है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों से बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री बोले- पूरा विश्व भारत के युवाओं की ओर बड़े विश्वास के साथ देख रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व भारत के युवाओं की ओर बड़े विश्वास के साथ देख रहा है और इसका कारण उनके कौशल और मूल्य हैं। भारतीय युवा लोकतंत्र के मूल्यों, विविधता के सम्मान और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को अपने साथ लेकर चलते हैं, जिससे वे जहां भी जाते हैं, वहां सहजता से घुल-मिल जाते हैं और उन देशों के विकास में योगदान देते हैं। यही भारत की संस्कृति और प्रकृति है। मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ हुई अपनी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय युवा न केवल मेहनती हैं, बल्कि उत्कृष्ट पेशेवर भी हैं, दुनिया भर में उनकी मांग है। विश्व में भारत के युवाओं के योगदान के साथ-साथ देश के भीतर उनकी उपलब्धियों की सराहना हो रही है।

लखनऊ भेजे गए अलंकार समर्थकों का जबरदस्त हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अफसरों ने बाहर भेजने के मसले पर चुप्पी साधी, धक्का-मुक्की में इंस्पेक्टर गिरे, नारेबाजी

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार की दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ भेज दिया गया। बाहर भेजे जाने की सूचना पर उनके समर्थक आक्रोशित हो उठे और गाड़ी रोकने की कोशिश करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को गाड़ी में बैठाकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बाहर भेजने में सफल रही। उनके साथ कुछ करीबी मित्र भी गए हैं।

निलंबित अफसर को कहां भेजा गया है, इस अफसर मौन रहे, अलबत्ता अलंकार ने स्वयं मैसेज करके बताया है कि वह सुरक्षित हैं और लखनऊ के लिए जा रहे हैं। इससे पूर्व अलंकार को बाहर भेजने की जानकारी मिलते ही समर्थकों में

जबर्दस्त आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। समर्थकों ने अलंकार को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर दी। धक्का-मुक्की में एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया।

यूजीसी बिल को चुनौती वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई, जिसमें यह दलील दी गई है कि नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा, सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

बैठक राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 8 अहम प्रस्तावों को दी गई मंजूरी, हेल्थ वर्कर ले सकेंगे म्यूचुअल ट्रांसफर

उत्तराखंड ग्रीन हाइड्रोजन नीति को कैबिनेट की हरी झंडी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में आठ फैसलों को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट ने राज्य में हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 'उत्तराखंड ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2026' स्वीकृति दी है।

प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन नीति 2022 व राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 2023 आगामी दशक में भारत को ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक केंद्र बनाने के दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी होने के परिप्रेक्ष्य में उत्तराखंड सरकार भी ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत प्रदेश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन स्रोतों को प्रोत्साहित करेगी। ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक ईंधन होने के कारण नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। राज्य में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध जल विद्युत जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए होगा। इससे विकास व रोजगार बढ़ेगा। कार्बन उत्सर्जन रहित एवं जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों के सापेक्ष राज्य के योगदान को पूर्ण करने के साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन, बाजार निर्माण और मांग एकत्रीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

दूसरे प्रस्ताव में, कैबिनेट ने राज्य चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के ऐसे स्वास्थ्य कार्यकर्ता/स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को संपूर्ण सेवाकाल में एक बार आपसी समझ (म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग) के आधार पर जनपद परिवर्तन करने की अनुमति दे दी है जिन्होंने अपने मूल संवर्ग में न्यूनतम 5 वर्ष की सन्तोषजनक सेवा पूरी कर ली हो।

डिप्टी सीएम अजीत पवार व सहयोगियों के निधन पर शोक जताते सीएम धामी एवं सहयोगी।

भूजल पंजीकरण शुल्क 5000 रुपये तय

कैबिनेट ने राज्य में गैर कृषिकारी उपयोग के लिए भूजल निकास पर जल मूल्य/प्रभार की दरें तत्काल लागू करने के सम्बन्ध में स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, राज्य में उद्योग बढ़ाने, भूजल विकास एवं प्रबंधन विनियमित करने, भूजल का अनियन्त्रित दोहन सीमित करने के उद्देश्य से औद्योगिक इकाईयों एवं व्यावसायिक उपयोग-रेजीडेंशियल अपार्टमेंट/ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, होटल, वॉटर एम्यूजमेंट पार्क, वाहन धुलाई सेंटर, स्वीमिंग पूल आदि के लिए सुरक्षित क्षेत्र, अर्द्धगम्भीर क्षेत्र, गम्भीर क्षेत्र एवं अतिदोहित क्षेत्र की जल मूल्य/प्रभार की दरों को लागू किया जाए। ऐसे क्षेत्रों के लिए पंजीकरण शुल्क 5000 रुपये देय होगा। (कैबिनेट के अन्य फैसले-पेज 2 पर)

धामी कैबिनेट ने जताया शोक

बैठक शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट के सदस्यों ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार और उनके सहयोगियों के विमान हादसे में हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। दो मिनट का मौन रखते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि, अजीत पवार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए सदैव करुणा, संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

गैंगरेप में आरोपी को जमानत

नैनीताल : हाईकोर्ट ने खटीमा के एक चर्चित सामूहिक दुष्कर्म मामले में आरोपी जतिन को राहत देते हुए जमानत मंजूर कर ली है। न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को 25,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो स्थानीय जमानतियों आधार पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

यूट्यूबर की गिरफ्तारी पर रोक

नैनीताल : हाईकोर्ट ने देहरादून निवासी यूट्यूबर वियोम शर्मा की गिरफ्तारी पर रोक व दर्ज मुकदमे को निरस्त करने के मामले पर सुनवाई की। अवकाशकालीन न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की पीठ ने अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य में पारित आदेश के आधार पर बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए उन्हें गिरफ्तार नहीं करने के निर्देश दिया है।

दरगाह में कंबल खरीद घोटाले का आरोप

हरिद्वार : पिरान कलियर दरगाह में कंबल खरीद के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप है। स्थानीय निवासी कलीम ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वक्फ बोर्ड के सीईओ आरिफ खान ने बताया कि कंबलों का अभी तक वितरण नहीं हुआ है तथा कंबल मानकों के अनुरूप हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

28 हजार नौकरियों का आंकड़ा है युवा आत्मसम्मान की जीत: धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1035 सहायक अध्यापकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

मुख्य संवाददाता, देहरादून

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में युवाओं के साथ-युवाओं के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, राज्य में पिछले साढ़े चार वर्षों में 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारे युवाओं के आत्मसम्मान की जीत है। इन साढ़े चार वर्षों में जितनी नौकरियां युवाओं को मिली हैं, वह राज्य गठन के बाद और पूर्ववर्ती सरकारों के समय से दो गुना से भी अधिक है। सरकार युवाओं के भविष्य से किसी को खिलवाड़ नहीं करने देगी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में 1035 सहायक अध्यापक (प्राथमिक शिक्षा) को नियुक्ति पत्र प्रदान किए, जिनमें 17 विशेष शिक्षक भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने आशा जतायी कि सभी युवा शिक्षक राज्य में शिक्षा का स्तर बेहतर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कहा कि जब किसी बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारयुक्त शिक्षा मिलती है, तो वह केवल अपना जीवन ही नहीं संवारता, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अमूल्य योगदान देता है। शिक्षक देश के उज्ज्वल भविष्य के शिल्पकार हैं। आह्वान किया कि, वे बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देने के साथ-साथ उनमें समाज, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की भावना भी विकसित करें, जिससे वे शिक्षा के साथ संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक भी बनें।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि विगत साढ़े चार साल में शिक्षा विभाग में 11500 से अधिक नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। 3500 से अधिक विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान हैं। राज्य में शिक्षा में नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षा महानिदेशक दीप्ति सिंह, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल सती, निदेशक प्राथमिक शिक्षा अजय नौडियाल, निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण वंदना गर्ब्याल, अपर निदेशक कंचन देवराड़ी मौजूद रहीं।

हर स्तर पर व्यापक सुधार

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने से लेकर डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और कौशल विकास तक हर स्तर पर व्यापक सुधार किए जा रहे हैं।

हम सभी को भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा: राज्यपाल

मुख्य संवाददाता, देहरादून

लोक भवन में 'यूथ अगेंस्ट करप्शन' गोष्ठी का शुभारंभ करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने भ्रष्टाचार को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए इसके विरुद्ध निर्णायक रूप से लड़ने का आह्वान किया है।

लोक भवन में बुधवार को सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) उत्तराखंड द्वारा आयोजित 'यूथ अगेंस्ट करप्शन' भ्रष्टाचार कारण एवं निवारण विषयक गोष्ठी को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। जब तक देने और लेने वाले दोनों की सोच में बदलाव नहीं आएगा, तब तक व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है।

राज्यपाल ने विजिलेंस विभाग और पुलिस-प्रशासन द्वारा आयोजित इस गोष्ठी की सराहना करते हुए कहा कि ई-गवर्नेंस, तकनीक और डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर जैसे उपायों से पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका कम हुई है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध सजा की दर बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करना अनिवार्य है। उन्होंने भ्रष्टाचार को विकास के मार्ग में बाधक बताते हुए इसे एक ऐसी गंभीर समस्या बताया, जिसे जड़ से समाप्त करना होगा। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, निदेशक सतर्कता वी. मुरुगेशन, डीआईजी सतर्कता प्रह्लाद नारायण मीणा, धीरेन्द्र गुंज्याल मौजूद रहे।

गोष्ठी में हुई परिचर्चा में जेएस पांडेय पुलिस महानिदेशक (सेवानिवृत्त), कुमकुम रानी न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), विपिन चंद्रा मुख्य सूचना आयुक्त (सेवानिवृत्त), योगेश कुमार देव सूचना आयुक्त, जेएस विर्क डिप्टी एजे/एडवोकेट उच्च न्यायालय, डीएस मान चेयरमैन, दून इंटरनेशनल स्कूल ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने भ्रष्टाचार के कारणों, उसके सामाजिक प्रभाव तथा निवारण के उपायों पर अपने विचार साझा किए।

उत्तराखंड में करप्शन पर कठोर निर्णय

राज्यपाल ने उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि बीते वर्षों में भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं करने का संकल्प लें।

भूमि विवाद में भाजपा नेताओं में गोलीबारी

संवाददाता, हरिद्वार

- जिपं उपाध्यक्ष के भाई समेत दो को लगी गोली

अमृत विचार: कनखल थाना क्षेत्र के पंजनहेड़ी गांव में बुधवार सुबह सरकारी भूमि पर कब्जे के विवाद में भाजपा से जुड़े दो पक्षों में गोलीबारी से सनसनी फैल गयी।

जानकारी के अनुसार, गांव में प्रशासनिक अमला शिकायतों की जांच कर रहा था कि तभी गांव में मौजूद भाजपा से जुड़े दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई और फिर गोलीबारी में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद भाजपा नेता अतुल चौहान और भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री तरुण चौहान के बीच हुआ। गोलीबारी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान के भाई और प्रॉपर्टी डीलर सचिन चौहान के पेट में और उनके रिश्तेदार कृष्णपाल को गोली लगी।

दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि फायरिंग की असली वजह और आरोपी की पहचान के लिए गहन जांच चल रही है। वहीं, बताया गया कि गोलीकांड में एक आरोपी ने कनखल थाने में सरेंडर कर दिया।

अध्ययन भ्रमण पर जाएंगे रेशम बुनकर

देहरादून: उत्तराखंड को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन द्वारा प्रदेश के रेशम बुनकरों को चार राज्यों में अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाएगा ताकि वे आधुनिक तकनीक, नवीन डिज़ाइन और उन्नत रेशम उत्पादन प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकें। सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को कहा कि अध्ययन भ्रमण से रेशम बुनकरों की कार्यक्षमता और दक्षता में वृद्धि होगी तथा वे देश के अन्य राज्यों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ तकनीकों को उत्तराखंड में लागू कर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह भ्रमण कार्यक्रम पूरी तरह सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण हो, जिससे बुनकरों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। इस दौरान सहकारिता मंत्री ने रेशम बुनकरों से सीधा संवाद किया।

भू-अर्जन में आपसी समझौते से ली जाएगी जमीन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी।

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जिले के प्राग फार्म प्रकरण में जारी शासनादेश में संशोधन होगा। भू-अर्जन, पुनर्वासन आदि मामलों में अब भू-स्वामियों से आपसी समझौते के अनुसार जमीन ली जा सकेगी।

वहीं, कैबिनेट ने देहरादून में जीआरडी उत्तराखंड विश्वविद्यालय नाम से निजी विश्वविद्यालय के स्थापना की स्वीकृति दी है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने बुधवार को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की सुसंगत धाराओं की प्रक्रियान्तर्गत भूमि अर्जन हेतु लगने वाले अत्याधिक समय एवं सीधे भूमि कय करने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य परियोजनाओं के लिए भू-स्वामियों से लघु/मध्यम/वृहद परियोजनाओं के लिए भूमि की प्राप्ति करने हेतु प्रक्रिया प्रस्तावित की गई।

इस प्रक्रिया के अन्तर्गत आपसी समझौते के आधार पर भू-स्वामियों से भूमि प्राप्त करने की दशा में मुकदमेबाजी जैसे मामलों में कमी आएगी तथा लोक जनहित की परियोजनाओं की लागत भी कम होगी।

प्राग फार्म शासनादेश में यह निर्णय

जनपद ऊधमसिंह नगर स्थित प्राग फार्म की भूमि पर औद्योगिक आस्थान विकसित करने के लिए सिडकुल को हस्तान्तरित करने के संबंध में 25 मार्च 2025 को जारी शासनादेश में संशोधन करने के सम्बन्ध में कैबिनेट ने निर्णय लिया है। प्रस्ताव के अनुसार, प्राग फार्म की 1354 .14 एकड़ भूमि को औद्योगिक आस्थान विकसित करने के लिए सिडकुल को हस्तान्तरित की गयी है, शासनादेश की शर्त संख्या-च में प्रश्नगत भूमि को किसी व्यक्ति एवं संस्थान या संगठन को बेचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तान्तरित करने का अधिकार पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से 3 वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा अन्यथा आवंटन स्वत : निरस्त समझा जाएगा, परन्तु औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से राजस्व विभाग की सहमति से पट्टे पर आवंटित भूमि को समान प्रयोजन हेतु उप पट्टा (सब लीज) करने का अधिकार पट्टेदार को होगा, इस पर कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान की है।

4 पदों की संशोधित नियमावली मंजूर

कैबिनेट ने जनजाति कल्याण विभाग की योजनाओं का संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अनुसूचित जनजाति बाहुल्य जिलों-देहरादून, चमोली, ऊधमसिंह नगर एवं पिथौरागढ़ में जिला जनजाति कल्याण अधिकारियों के पद सृजित किए। ढांचे में स्वीकृत पदों का प्राविधान सेवा नियमावली में करने के उद्देश्य से उत्तराखंड जनजाति कल्याण राजपत्रित अधिकारी सेवा (संशोधन) नियमावली, 2025 को कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

राज्य की दो हवाई पट्टी रक्षा मंत्रालय को लीज पर

उत्तराखंड राज्य के जनपद उत्तरकाशी स्थित चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी एवं चमोली स्थित गौचर हवाई पट्टी को भारतीय वायु सेना, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार व उत्तराखंड सरकार के मध्य उच्च स्तरीय बैठकों में सहमति के आधार पर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हवाई पट्टियों को संयुक्त रूप से नागरिक व सैन्य संचालन के उद्देश्य से एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) लीज के आधार पर रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को हस्तान्तरित करने पर कैबिनेट ने सहमति दे दी है।

484 बहुद्देशीय शिविर, 3.89 लाख से अधिक लाभान्वित

संवाददाता, देहरादून

- जन-जन के लिए हितकारी बना सरकार का अभियान

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में 484 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से 3,89,868 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप से सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए चलाए जा रहे 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विशेष बहुद्देशीय शिविरों (कैम्प) को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। राज्य सरकार की प्रभावी कार्ययोजना और प्रशासनिक सक्रियता का ही परिणाम है कि बड़ी संख्या में आम नागरिक इन कैम्पों के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य में बुधवार को आयोजित 10 कैम्प में 12,510 व्यक्तियों ने सहभागिता की, जो सरकार की जनहितकारी नीतियों पर आम जनता के विश्वास को दर्शाता है। वहीं, अब तक की कुल अवधि में राज्य भर में 484 कैम्पों का आयोजन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से 3,89,868 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप से सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

इसके लिए प्रशासन को जनता के द्वार तक ले जाने की नीति पर कार्य किया जा रहा है। ये कैम्प शासन और जनता के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं तथा त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे इसी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में ये प्रयास राज्य के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

चार धाम यात्रा से पहले हटेगा अतिक्रमण

देहरादून: राज्य में चार धाम यात्रा के आगमन से पहले ऋषिकेश शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि शहर की सड़कों, गलियों और पैदल मार्गों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को ऋषिकेश पहुंचे जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि यदि चेतावनी और कार्रवाई के बावजूद लोग अतिक्रमण से बाज नहीं आए तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि चार धाम यात्रा में लाखों श्रद्धालु ऋषिकेश पहुंचते हैं। यह मार्ग न केवल यात्रा का प्रवेश द्वार है, बल्कि श्रद्धालु त्रिवेणी घाट, भरत मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण भी इसी रास्ते से करते हैं। ऐसे में पैदल चलने में कोई बाधा न हो।

अंतिम निस्तारण तक बेदखल नहीं होंगे वन गुर्जर

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक महरा की एकलपीठ ने राज्य सरकार और वन विभाग को आदेश दिया है कि जब तक वन गुर्जरों द्वारा प्रस्तुत वनाधिकार दावों का अंतिम रूप से निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक उन्हें उनके कब्जे वाली भूमि से बेदखल न किया जाए और न ही उनकी कृषि गतिविधियों में कोई हस्तक्षेप किया जाए।

मो. अली आदि ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' के नियमों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की। इनका तर्क था कि वन अधिकारी बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के उन्हें उनकी पारंपरिक भूमि से हटाने की धमकी दे रहे हैं और खेती करने से रोक रहे हैं। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि वन गुर्जर एक मान्यता प्राप्त वन-निवासी समुदाय है, जिनका मुख्य आधार पशुपालन और कृषि है। दलील दी कि तराई पूर्वी वन प्रभाग से संबंधित दावों के संबंध में जिलाधिकारियों और वन अधिकारियों को मई और जून 2025 में कानूनी नोटिस और प्रत्यावेदन दिए गए थे, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी शासन स्तर पर इन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

सरकारी अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि ग्राम प्रधान और अन्य संबंधित अधिकारियों की अनुपलब्धता के कारण आवेदनों पर विचार करने में देरी हुई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि फिलहाल याचिकाकर्ताओं के खिलाफ बेदखली की कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। कोर्ट ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए निर्देश दिया कि लंबित दावों का निस्तारण कानून के अनुसार यथाशीघ्र किया जाए।

अदालत ने याचिका को निस्तारित करते हुए स्पष्ट किया कि जब तक दावों पर अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक वन गुर्जर अपनी भूमि पर शांतिपूर्ण कब्जा बनाए रख सकते हैं और खेती कर सकते हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति महरा ने यह सख्त शर्त भी लगाई कि इस भूमि का उपयोग केवल कृषि कार्यों के लिए ही किया जाएगा और इसका किसी भी प्रकार के व्यावसायिक या गैर-कृषि गतिविधियों के लिए डायवर्जन नहीं होगा।

कवायद

उत्तराखंड आवास नीति की वैधता अवधि समाप्त, सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने बतायी समय की मांग

कई चुनौतियों से निपटने के लिए बनेगी नई आवास नीति

संवाददाता, देहरादून

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार।

अमृत विचार: सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि राज्य के लिए एक नई आवास नीति तैयार करना समय की मांग है क्योंकि वर्ष 2017 में जारी उत्तराखंड आवास नीति की वैधता अवधि समाप्त हो चुकी है। नई नीति में शहरीकरण की वर्तमान चुनौतियों, किफायती आवास, पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों और सतत विकास को विशेष रूप से शामिल किया जाए।

बुधवार को उत्तराखंड आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में सचिव आवास डॉ. कुमार ने मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की परियोजनाओं में लॉटिंग एवं आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। एचआरडीए द्वारा लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही सहभागिता : बैठक में विशेष सचिव आवास एवं शहरी विकास रजनीश जैन, अपर सचिव राहुल सुंदरियाल, संयुक्त मुख्य प्रशासक दिनेश प्रताप सिंह, कार्यक्रम प्रबंधक कैलाश चन्द्र पांडेय, हाउसिंग विशेषज्ञ रोहित रंजन, संस्थागत सुधार विशेषज्ञ कामना करण एंव आईटी व एमआईएस विशेषज्ञ सचिन नौटियाल ने विभागीय कार्यों की प्रगति और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की।

पीएमएवाई 1.0 के कार्य तय समय में पूरे करें

बैठक में एनपीएमसी के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा (सितम्बर 2026) के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए गए। सचिव आवास ने अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर आवंटन सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण करने के लिए औपचारिक पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए।

कैरिंग कैपेसिटी अध्ययन पर विशेष जोर

बैठक में कैरिंग कैपेसिटी असेसमेंट स्टडी के लिए तैयार ड्राफ्ट आरपीएफ पर भी चर्चा हुई। सचिव ने इसे राज्य के प्रमुख नगरों, तीर्थस्थलों, विशेषकर चारधाम क्षेत्रों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। पर्वतीय क्षेत्रों में इस अध्ययन को प्राथमिकता पर शामिल करने के निर्देश दिए।

गठित होंगी 643 पैक्स समितियां

संवाददाता, देहरादून

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत।

अमृत विचार: सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को सहकारिता विभाग की बैठक में प्रदेश में 643 नई बहुउद्देश्यीय पैक्स समितियों के गठन के साथ कई बिंदुओं पर समीक्षा की।

सचिव, सहकारिता डॉ. इकबाल अहमद ने बताया कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत 643 नई पैक्स के गठन का प्रस्ताव है, जिसके सापेक्ष 621 पैक्स का गठन पूरा हो चुका है। निबंधक कार्यालय के निर्माण के संबंध में शीघ्र ही चिह्नित भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। जिला सहकारी बैंकों में वर्ग-एक, वर्ग-दो एवं वर्ग-तीन के 177 रिक्त पदों पर आईबीपीएस के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया संपादित की जाएगी। डॉ. इकबाल ने बताया कि शीघ्र ही कैडर नियमावली में संशोधन करते हुए 350 प्रोफेशनल सचिवों की नियुक्ति की जाएगी। वहीं, सहकारी समिति अधिनियम-2003 एवं नियमावली-2004 में आवश्यक संशोधन कर अधिक पारदर्शी एवं सशक्त बनाया जाएगा। निबंधक सहकारिता डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि राज्य की भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत सभी जिलों में 95 विकासखंडों में रिक्त पड़ी भूमि पर 95 गोदाम बनाने की कार्यवाही गतिमान है जबकि तीन बहु राज्य सहकारी समिति के गठन में नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट समिति तथा भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड के साथ समझौता किया जाना है।

सिटी ब्रीफ

राज्य के लिए विशेष पैकेज घोषणा की मांग

हल्द्वानी : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के प्रवक्ता हरजीत सिंह चड्ढा व ट्रांसपोर्ट महासंघ अध्यक्ष राकेश जोशी ने आगामी बजट में केंद्र से पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने, बढ़ती महंगाई, बढ़ती टैक्स, इंश्योरेंस, जीएसटी, अथवा महंगे होते पार्ट्स, टायर ट्यूब, बैटरी, टोल प्लाजा, चालक परिचालक वेतन पर अंकुश लगाने, उत्तराखंड के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करने की मांग की है। मांग करने वालों में ललित रौतेला, उमेश पांडे, ललित पाठक भास्कर जोशी किशन कोश्यारी ट्रांसपोर्टर नेता पंडित दया किशन शर्मा आदि रहे।

नशे के इंजेक्शनों के साथ तस्कर पकड़ा

हल्द्वानी : पुलिस ने मंडी क्षेत्र में नशे में प्रयुक्त होने वाले इंजेक्शन के साथ तस्कर को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार गांधीनगर मंगलपड़ाव निवासी सोनू सागर (38) के पास से 50 इंजेक्शन मिले जो नशे में भी इस्तेमाल होते हैं। आरोपी के पास से दो अलग-अलग ब्रांड के 25-25 इंजेक्शन बरादम किए हैं। आरोपी ने बताया कि वह इन इंजेक्शनों को बेचता है।

देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस टीम ने खुशीराम पार्क के निकट से अमन आर्य निवासी हिम्मतपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 152 पाउच संतरा स्पेशल मसालेदार देशी शराब बरामद की गई।

खुलासा : 50 स्थायी निवास प्रमाण पत्रों में नहीं लगाए गए वैध दस्तावेज

जिला प्रशासन की जांच में खुल रहीं परतें, पूर्व में कागजात में छेड़छाड़ कर बनाए थे प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

500 से अधिक प्रमाण पत्रों की हो रही हैं जांच

14 नवंबर 2025 को आयुक्त ने किया था गिरोह का भंडाफोड़

98 प्रमाण पत्र अब तक हुई जांच के बाद किए गए हैं निरस्त

अमृत विचार : स्थायी निवास प्रमाण पत्रों के बनाने में हुए फर्जीवाड़े में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 50 ऐसे प्रमाण पत्र मिले हैं जिनमें वैध दस्तावेज ही नहीं पाए गए हैं। जिला प्रशासन अब इन प्रमाण पत्रों को निरस्त करने की तैयारी कर रहा है।

आयुक्त दीपक रावत ने पिछले वर्ष 14 नवंबर को बनभूलपुरा में एक अरायजनवीस फैजान मिकरानी के यहां छापेमारी की थी, उन्होंने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाने के फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया था। इसमें यह खेल हो रहा था कि किसी के नाम का बिजली-पानी का बिल होता था, उसमें छेड़छाड़ कर नाम बदल दिया जाता था। फिर इस कूटरचित दस्तावेज के आधार पर प्रमाण पत्र बनाया जाता था।

तहसीलदार कुलदीप पांडेय की शिकायत पर पुलिस ने इस प्रकरण में अरायजनवीस, बिजली कर्मी समेत तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद डीएम ललित मोहन रयाल ने पिछले पांच वर्षों में बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच के आदेश दिए थे। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने लगभग 500 से अधिक स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच शुरू की थी। तब कूटरचित दस्तावेजों 50 प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त किए गए थे। वहीं, दूसरे चरण में आधार कार्ड व मोबाइल नंबर सही नहीं देने पर 48 प्रमाण पत्र निरस्त किए गए थे। इन प्रमाण पत्रों की जांच का सिलसिला जारी है। अब एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि प्रमाण पत्रों में वैध दस्तावेज ही नहीं है, फिर भी आवेदकों को स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। ऐसे प्रमाण पत्रों की संख्या 50 से अधिक बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने इन सभी प्रमाण पत्रों को निरस्त करने की तैयारी कर ली है।

पटवारी से तहसीलदार की कार्यशैली सवालों के घेरे में

हल्द्वानी : स्थायी निवास प्रमाण पत्रों के आवेदन करने पर सर्वप्रथम पटवारी स्तर पर दस्तावेजों की जांच की जाती है। हैरानी की बात यह है कि पटवारी ने आधार कार्ड, मोबाइल नंबर तक चेक नहीं किया। यही नहीं तहसीलदार ने भी उक्त आवेदनों की जांच नहीं की और मंजूरी दे दी। जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर मिलीभगत या काम के प्रति घोर लापरवाही/उदासीनता दर्शाता है।

1111111111 मोबाइल नंबर पर जारी कर दिए गए थे स्थायी निवास प्रमाण पत्र

हल्द्वानी : प्रमाण पत्रों में फर्जीवाड़ा करने वाले की सरकारी अधिकारी-कर्मियों से ऐसी सांठगांठ थी कि सबसे जरूरी आधार कार्ड, मोबाइल नंबरों तक की जांच नहीं की गई थी। कई आधार कार्ड व मोबाइल नंबर ऐसे मिलने थे जिनके नंबर 1234567890, 1111111111 थे। हैरानी की बात इसकी ट्रैकिंग का मैसेज किस नंबर पर गया इसकी भी तस्दीक नहीं की गई।

जांच में 50 से अधिक ऐसे स्थायी निवास प्रमाण पत्र मिले हैं जिनमें अनिवार्य दस्तावेज ही नहीं या अधूरे हैं। अब इन प्रमाण पत्रों को निरस्त करने की तैयारी है। फिलहाल तहसील स्तर पर प्रमाण पत्रों की जांच जारी है। -**राहुल शाह**, एसडीएम हल्द्वानी

स्वच्छकार संघ व नगर आयुक्त की वार्ता विफल

हल्द्वानी : उत्तरांचल स्वच्छकार संघ बीते दिनों से नगर निगम में ठेका प्रथा के विरोध में निगम परिसर में धरना प्रदर्शन कर रहा है। कर्मचारी कूड़ा गाड़ियों का संचालन निजी कंपनी को दिए जाने और कर्मचारियों की आउटसोर्स नियुक्ति का विरोध कर रहे हैं। मांग को लेकर कर्मचारियों की बुधवार को नगर आयुक्त के साथ हुई वार्ता विफल रही। वार्ता के दौरान नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि यह शासन स्तर का मामला है। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थितियों में निगम नए कर्मचारियों की भर्ती नहीं कर सकता है। कर्मचारियों का कहना है कि ठेका प्रथा के कारण कर्मचारियों का शोषण होता है, जिसमें पर्याप्त मानदेय नहीं दिए जाने के साथ ही अन्य समस्याएं होती हैं। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा के कारण सरकारी धन का दुरुपयोग होने के साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। संगठन ने ठेका प्रथा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और धरने पर बैठे रहे। बता दें नगर निगम के नए कूड़ा वाहनों के संचालन के निजी कंपनी को जिम्मेदारी जा रही है, जिसके लिए निगम टेंडर जारी कर चुका है। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार राजौर, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश लाला, जिलाध्यक्ष विनय पाल, शाखा अध्यक्ष राजेंद्र चौहान, शाखा मंत्री जगदीश, शाखा सदस्य अमन, मनजीत आदि मौजूद रहे।

आदेश : अब एसटीएच में काम करेंगी 51 नर्सें

संवाददाता, हल्द्वानी

- कैंसर संस्थान में 51 नर्सों को मिली थी नियुक्ति

अमृत विचार : पिछले साल अप्रैल माह में राज्य सरकार ने 1314 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति दी थी। इनमें से 51 नर्सों को कैंसर संस्थान हल्द्वानी भेजा गया था हालांकि यहां अभी सेवाएं शुरू नहीं होने की वजह से इन नर्सों को अब मेडिकल कॉलेज में अटैच कर दिया गया है।

कैंसर संस्थान हल्द्वानी का विस्तारीकरण किया जा रहा है। अभी यहां स्टेट कैंसर संस्थान पूरी तरह से अस्तित्व में नहीं आया है लेकिन अप्रैल माह में 51 नर्सों की नियुक्ति यहां कर दी गई। उसी समय मौखिक तौर पर राज्य कैंसर संस्थान की ओर से मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी से कहा गया था कि जब तक इन नर्सों को कैंसर संस्थान में काम करने का दायित्व नहीं मिलता है तब तक इनको मेडिकल कॉलेज में लिया जाए। हालांकि तकनीकी कारणों से मेडिकल कॉलेज की ओर से मना कर दिया गया था। जनवरी माह में इसको लेकर स्टेट कैंसर संस्थान ने चिकित्सा शिक्षा विभाग को पत्र भी लिखा था। अब चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. अजय आर्या ने बीती 24 जनवरी को स्थिति को स्पष्ट करते हुए निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार, जब तक स्टेट कैंसर संस्थान में अलग से नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट पद का सृजन नहीं होता है तब तक इन नर्सों को मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग सुपरिन्टेंडेंट के अधीन किया जाता है। ऐसे में अब इन नर्सों को एसटीएच में ही फिलहाल अपनी सेवाएं देनी होंगी। यह भी गौरतलब है कि करीब 10 माह तक इन नर्सों को बिना किसी काम के ही वेतन जारी करना पड़ा है।

एमएस डॉ. अरुण जोशी ने मेडिकल कॉलेज की नर्सिंग अधीक्षक आवश्यकता के अनुसार इन नर्सों को सेवाएं में तैनात करेंगी।

पीलीभीत के काश्तकार की हल्द्वानी में सड़क हादसे में मौत

संवाददाता, हल्द्वानी

- कमलुवागांजा में बुलेट बाइक ने किसान को जोरदार टक्कर मारी, एम्स ले जाते वक्त तोड़ा दम

अमृत विचार : पीलीभीत जनपद के रहने वाले एक काश्तकार की हल्द्वानी में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। कमलुवागांजा क्षेत्र में पैदल चलते समय एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल काश्तकार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हाल निवासी देवपुर, देवका और मूल निवासी नौगांव कल्याणपुर, पीलीभीत के 55 वर्षीय इतवारी लाल पुत्र कन्हाई लाल हल्द्वानी में भतीजे के साथ रहकर कमलुवागांजा क्षेत्र में खेती-बाड़ी करते थे। पुलिस के मुताबिक मंगलवार दोपहर इतवारी लाल किसी काम से पैदल बाजार की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से बुलेट बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उन्हें कुचलते हुए मौके से फरार हो गया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल इतवारी लाल को डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया। घायल के भतीजे सर्वेश कुमार ने बताया कि हायर सेंटर ले जाते समय नगीना, बिजनौर के पास इतवारी लाल ने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को वापस हल्द्वानी लाया गया।

एसओ मुखानी सुशील जोशी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। फरार बाइक चालक की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी की मदद से आरोपी की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपी का पता चल जाएगा। तहरीर मिलने पर मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

30-31 जनवरी को बारिश व ओलावृष्टि का अलर्ट

संवाददाता, हल्द्वानी/नैनीताल

- मौसम विभाग ने दी चेतावनी, पर्वतीय जिलों में बर्फबारी के भी आसार, पहाड़ी मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह

अमृत विचार : उत्तराखंड में मौसम एक बार फिर बड़ी करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 30 और 31 जनवरी को राज्यभर में भारी बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर के अनुसार, जनवरी के अंत में एक नया सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तराखंड को प्रभावित करेगा।

इसके प्रभाव से राज्य के मैदानी इलाकों हल्द्वानी, देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर सहित अन्य क्षेत्रों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ ओले गिरने की भी आशंका है, जिससे जनजीवन और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है।

वहीं, ऊंचाई वाले पहाड़ी जिलों उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर आदि में बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है, खासकर पहाड़ी मार्गों पर यात्रा करने वालों को विशेष सतर्कता रखने की सलाह दी गई है।

शहर में टीम को ढूंढे नहीं मिल रहे कटखने कुत्ते, लोग परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर की गली-कूचों में घूम रहे कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आम जनता में डर का माहौल बना हुआ है। ताजा मामला मल्ली बमौरी का है, जहां कुत्ते ने तीन लोगों को काटा है। इस कारण एक व्यक्ति को आईसीयू में भर्ती होना पड़ा। क्षेत्र के विनीत बल्यूटिया को दो दिन पूर्व कुत्ते ने काटा। कुत्ते ने व्यक्ति की आंख के नीचे हमला किया, जिसमें वह घायल हो गया। साथ ही सोमवार को गीता पंत के हाथ और बलवंत कॉलोनी के पूरन सिंह के चेहरे पर कुत्ते ने हमला कर दिया, जिसमें दोनों को चोटें आई हैं।

कुत्तों के आतंक के कारण क्षेत्र के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। स्थानीय पार्षद मुकुल बल्यूटिया ने बताया कि नगर निगम के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को सूचना दिए जाने के बाद निगम की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन वह भी कुत्तों को नहीं पकड़ पाई। नगर निगम के अनुसार शहर में करीब 30 हजार कुत्ते हैं, जिनमें से लगभग 20 हजार से अधिक कुत्तों का बधियाकरण किया जा चुका है। इसके बावजूद कुत्तों की संख्या और उनकी आक्रामक प्रवृत्ति पर कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है। रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, सरकारी अस्पताल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लावारिस कुत्तों का जमावड़ा आम बात है। कुत्ते आए दिन राहगीरों, बुजुर्गों और बच्चों को काटते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोडवेज व रेलवे स्टेशन, सरकारी अस्पताल, सरकारी स्कूल सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को उठाकर शेल्टर में रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन हल्द्वानी नगर निगम के पास शेल्टर नहीं होने से इसमें दिक्कतें आ रही हैं। नगर निगम की ओर से राजपुरा में डॉग शेल्टर बनाया जा रहा है। यहां निगम का एनिमल बर्थ कंट्रोलसेंटर भी है।

कुत्ते के हमले से घायल गीता पंत।

अस्पताल में भर्ती विनीत बल्यूटिया।

पूरन सिंह भोज की आंख बाल-बाल बची।

> शिकायत के बाद कुत्तों को पकड़ने के लिए दो बार टीम भेजी गई, लेकिन कुत्तों को नहीं ढूंढा जा सका। गुरुवार को एक बार फिर से टीम भेजी जाएगी।
> -**डॉ. मनोज कांडपाल**, वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी (नगर निगम)

बेस अस्पताल में पहुंच रहे रोजाना 100 से ज्यादा मरीज

बेस अस्पताल में रोजाना औसतन 100 लोग एंटीरेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले कुत्तों के काटने के हैं। बेस अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार बीते दिसंबर में कुल 4065 रेबीज वैक्सीन लगाई गईं। वहीं, इस महीने अभी तक करीब 3 हजार लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। वैक्सीन लगवाने वालों में ताजा मामलों के साथ ही पूर्व में कुत्ते या अन्य जानवर के काटने पर लोग फॉलोअप डोज के लिए पहुंच रहे हैं।

पर्यटक की कार बर्फ में फिसलकर खाई में गिरी

संवाददाता, नैनीताल

- पंगोट-किलबरी मार्ग पर हुआ हादसा, एक युवक घायल

अमृत विचार: बर्फबारी देखने पहुंचे रामपुर निवासी एक पर्यटक की कार पंगोट-किलबरी मार्ग पर मंगलवार रात बर्फ में फिसलकर खाई में गिर गई।

वाहन करीब 20 फीट नीचे जाकर खाई के बीच अटक गया। गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुलने से चालक की जान बच गई। एसआई दीपक कार्की के अनुसार गंजथाना, रामपुर निवासी उमर शम्सी दोस्तों संग नैनीताल घूमने आया था। बुधवार तड़के बारिश व बर्फबारी के बाद सड़क पर जमी बर्फ के कारण वाहन फिसल गया। स्थानीयों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्रवासियों की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि फिसलन के चलते मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

किसानों से रकम ली, पॉली हाउस नहीं बनाए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर उद्यान विभाग की नियुक्त वेंडर कंपनी बेर्ध वेट एंड कंपनी पर लगा आरोप

अमृत विचार : शिव सेना ने उद्यान विभाग की पॉली हाउस बनाने के लिए चयनित वेंडर कंपनी पर किसानों की रकम हड़पने और पॉली हाउस नहीं बनाने का आरोप लगाया है। यह भी आरोप लगाया कि कंपनी पॉली हाउस बनाने के नाम पर ऐंठी रकम भी किसानों को वापस नहीं कर रही है। आयुक्त से इस प्रकरण में जांच व कार्रवाई की मांग की गई है।

शिव सेना ने बुधवार को आयुक्त दीपक रावत को सौंपे ज्ञापन में कहा कि उद्यान विभाग की ओर से पॉली हाउस बनाने के लिए बेर्ध वेट एंड कंपनी को वेंडर नियुक्त किया गया है। उद्यान विभाग की मार्फत किसानों ने पॉली हाउस बनाने के लिए इस कंपनी को रकम भी दे दी। काफी समय बीत जाने के बाद भी अब तक पॉली हाउस बनाना तो दूर काम भी शुरू नहीं किया गया और कंपनी के अधिकार-कर्मी टहला दे रहे हैं। उद्यान विभाग की ओर से किसानों को संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। आरोप लगाया कि इस बाबत उद्यान विभाग, सीएम हेल्प लाइन में शिकायत भी दर्ज की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप लगाया कि उद्यान विभाग की वेंडर कंपनी ने किसानों के साथ धोखाधड़ी की है। आयुक्त से किसानों की रकम वापस दिलाने और इस प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही कहा कि कोई भी विभाग वेंडर कंपनी बनाने से पूर्व उसकी वर्क हिस्ट्री की जांच जरूर करनी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में शिव सेना के कुमाऊं मंडल प्रमुख पूरन चंद्र भट्ट व जिला सचिव सुरेश टम्टा मौजूद रहे।

जंगल डायरी

राष्ट्रीय बाघ सरंक्षण प्राधिकरण की ओर से कराई जा रही है गणना, हर 4 साल के अंतराल में होती है गिनती

बाघों की गणना : हल्द्वानी वन डिवीजन में शुरू हुआ लाइन ट्रांजिक्ट सर्वे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जंगलात ने नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य में बाघों की गणना के लिए तीन दिवसीय लाइन ट्रांजिक्ट सर्वे बुधवार से शुरू कर दिया है। इसमें बाघों के साथ ही जैव विविधता, आहार श्रृंखला आदि का भी ब्योरा जुटाया जाएगा।

हल्द्वानी वन डिवीजन के जंगल नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और चम्पावत तीन जिलों में फैले हुए हैं। इसमें नंधौर वन्यजीव जीव अभ्यारण्य भी है। इन जंगलों में बाघों की गणना के लिए पहले चरण में लाइन ट्रांजिक्ट सर्वे शुरू हो गया है। वन डिवीजन की पांच वन रेंजों की 74 बीटों में 28 से 30 जनवरी तक होने वाले इस सर्वे में जंगलों में बाघों के मल-मूत्र, पग मार्क, अन्य गतिविधियों से बाघों की उपस्थिति का आकलन करेंगे। इसी के साथ ही काकड़, चीतल, सांभर, नील गाय आदि वन्यजीवों (जो बाघ का भोजन होत हैं) की प्रजातियों की उपलब्धता आंकी जाएगी। वन अधिकारियों का दावा है कि इन वन्यजीवों की संख्या, आवास से ही बाघों की संख्या, वास स्थल और वन गुणवत्ता का मूल्यांकन में मदद मिलती है। इसके अलावा पेड़-पौधों की विभिन्न प्रजातियों का भी ब्योरा जुटाया जाएगा ताकि इन वन्यजीवों के लिए भी आहार का पता चल सके। जब शिकार करने और शिकार होने वाले वन्यजीवों के लिए जंगलों में पर्याप्त आहार होगा तभी आहार श्रृंखला का संतुलन बनेगा। इस सर्वे के लिए 200 कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जो लाइन ट्रांजिक्ट सर्वे करेंगे। इसके बाद कैमरा ट्रैप लगाकर गणना की जाएगी।

1 हजार वर्ग मीटर में फैला है नंधौर अभ्यारण्य के जंगल

हल्द्वानी : वर्ष 2012 में नंधौर अभ्यारण्य का गठन हुआ था। यह अभ्यारण्य 1 हजार किमी में तीन जिलों नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और चंपावत में फैला हुआ है। इस में से नंधौर और लधिया नदी बहती हैं। इसके पूर्वी छोर पर शारदा नदी और पश्चिम में गौला नदी है। इन जंगलों में चैंपियन ट्री समेत कई ऐतिहासिक विरासतें भी हैं।

> हल्द्वानी वन डिवीजन व नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य में आज से लाइन ट्रांजिक्ट सर्वे शुरू हो गया है। यह सर्वे 30 जनवरी तक चलेगा। इसमें आहार श्रृंखला के वन्यजीवों के साथ ही जैवविविधता आदि का भी सर्वे किया जाएगा। -**कुंदन कुमार**, डीएफओ हल्द्वानी वन डिवीजन

पीरूमदारा में गुलदार के हमले में मजदूर घायल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीरूमदारा के कीर्ति कुंज इलाके में बुधवार को दिनदहाड़े गुलदार के हमले से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान रहीस अहमद (45) पुत्र मोहम्मद अहमद निवासी कठियापुल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रहीस खेत में गेहूं की फसल में कीटनाशक दवा डाल रहा था, तभी झाड़ियों से अचानक गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। हमले में उसके हाथ, सिर और सीने पर गहरे घाव आए।

आसपास के मजदूरों ने शोर मचाया, जिससे गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल को उसके पड़ोसी मोसिम हुसैन ने तुरंत बाइक से रामनगर स्थित रामदत्त संयुक्त अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। डॉ. सारिक ने बताया कि रहीश के हाथ, पैर और सिर पर कई घाव हैं, एहतियात के तौर पर उसे भर्ती कर निगरानी में रखा गया है। गौरतलब है कि इसी क्षेत्र में एक दिन पहले गुलदारों की गतिविधि देखी गई थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग ने तराई पश्चिमी क्षेत्र में अलर्ट जारी कर गश्त बढ़ा दी है। विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अंधेरा होने के बाद घरों से बाहर न निकलें।

डायल 112 : सुरक्षा के साथ भरोसे का माध्यम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं परिक्षेत्र में पुलिसिंग को बदलने के लिए आईजी रिद्धिम अग्रवाल की निगरानी में डायल 112 सेवा को रिस्पॉन्स सिस्टम से आगे बढ़ाकर पीड़ित-संतुष्टि आधारित मॉडल के रूप में विकसित किया गया है।

आईजी रिद्धिम अग्रवाल के निर्देशों पर अब हर सूचना का रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है। किसी भी कॉल पर पुलिस की कार्रवाई, तत्परता और पीड़ित की संतुष्टि की निगरानी की जा रही है। लापरवाही पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई तय की गई है। इससे पुलिस पर जवाबदेही बढ़ी है और जनता का भरोसा मजबूत हुआ है। फील्ड से मिले अनुभव बताते हैं कि डायल 112 अब केवल आपातकालीन नंबर नहीं, बल्कि जनता के लिए सुरक्षा और भरोसे का माध्यम बन चुका है।

मदद के लिए पुलिस को की 3432 फोन कॉल्स

हत्या, महिला अपराध, लूट, एससी/एसटी, मानव तस्करी, स्नैचिंग और वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मामलों में विशेष फीडबैक व्यवस्था लागू की गई। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गंभीर मामलों में 3432 कॉल पुलिस को की गईं। इनमें महिला अपराध से संबंधित 3016, वरिष्ठ नागरिकों की 87, तस्करी से संबंधित 216, एससी/एसटी से जुड़ीं 14, स्नैचिंग की 76, हत्या की 10, जबकि लूट की 13 कॉल पुलिस तक पहुंची हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार, 29 जनवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

अमिता भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष

नैनीताल : भाजपा जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह की सहमति से भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की ने अमिता साह को भाजपा महिला मोर्चा का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। अमिता साह ने उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने की बात कही है। उनके मनोनयन पर विधायक सरिता आर्य, दर्जा मंत्री शांति मेहरा, भाजपा महामंत्री आशीष बजाज, कविता गंगोला, प्रगति जैन, प्रेमा अधिकारी, विमला अधिकारी, दीपिका बिनवाल, रमा भट, ज्योति ढोंडियाल, मंजू रौतेला, जीवंती भट, मीनू बुधलाकोटी, तारा राणा, रीना मेहरा, भारत मेहरा, राधा खोलिया, प्रदीप कुमार, शैलेश बिष्ट ने बधाई दी है।

2023 में बाइक से टक्कर मारने के मामले में मुकदमा दर्ज

नैनीताल : वर्ष 2023 में हाईकोर्ट क्षेत्र में बाइक की टक्कर से बुजुर्ग के घायल होने के मामले में अब पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नैनीताल क्लब चौराहा निवासी 60 वर्षीय ललित जोशी ने बताया कि 30 मई 2023 को वह दुकान का कूड़ा फेंककर लौट रहे थे, तभी हाईकोर्ट की ओर से तेज गति से आ रही बाइक ने चीना बाबा के पास उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनके कंधे की हड्डी टूट गई थी। सीएम पोर्टल में शिकायत के बाद कार्रवाई हुई। पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

गैस एजेंसी की गाड़ी से बुजुर्ग को टक्कर मुकदमा दर्ज

नैनीताल : ज्योलीकोट क्षेत्र में गैस एजेंसी की गाड़ी की टक्कर से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। चोपड़ा निवासी दीपक सिंह ढैला ने बताया कि उनके पिता गंगा सिंह ढैला मंगलवार को दुकान से घर लौट रहे थे, तभी इंडियन गैस एजेंसी नैनीताल की कैंटर ट्रक संख्या यूके-06-सीबी-2845 ने गलत दिशा से आकर टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

शहर, खेत-खलिहानों को डूबने से बचाती है सुरक्षा दीवार, तटबंध को अब हेरिटेज घोषित करने की मांग, बंधा, लट्ठा, चाइना वाल के नाम से भी है विख्यात

सौ बरस का हो गया बाढ़ के थपेड़े सहकर रामनगर को बचाने वाला 'प्रहरी'

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: हर बरसात खुद भीषण बाढ के थपेड़े सहने वाला बंधा अब सौ बरस का हो चला है। यह बंधा सौ साल से बाढ़ की विभीषिका खुद अपने ऊपर झेलकर यहां के वाशिंदों की सुरक्षा करते हुए मुस्तैदी से डटा है।

हमेशा से नगर की शान कहे जाने वाला यह तटबंध आज भले रामनगर की एक ऐतिहासिक धरोहर बना हो लेकिन इसने भी कम उपेक्षा का दंश नहीं झेला है। कई स्थानों से इसकी दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। हालांकि सिंचाई विभाग इसकी मरम्मत करने के दावे करता रहता है मगर, इसकी सुरक्षा के लिए एक बड़े बजट की दरकार है। कड़वी हकीकत यह है कि गोरों ने जितनी मजबूती से इसे बनाया अपनों ने इसे इसके हाल पर ही छोड़ दिया।

बताते चले कि साल 1926 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा निर्मित यह विशाल तटबंध आज भी कोसी नदी की बाढ़ से रामनगर और आसपास के क्षेत्रों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। एक सदी का यह सफर केवल ईंट-पत्थर की कहानी नहीं बल्कि एक ऐसी सोच कहानी को यह बंधा बयां कर रहा है जिसने रामनगर की बसावट की सुरक्षा को योगदान देने के साथ ही खेती, सिंचाई और सामाजिक जीवन को नई दिशा दी।

रामनगर का सौ साल पुराना तटबंध। ● अमृत विचार

बाढ़ की त्रासदी से जन्मी योजना

नगर के पुराने लोगों की माने तो साल 1910 और 1913 में यहां भीषण बारिश हुई, जिससे कोसी नदी उफान पर आ गई। हजारों एकड़ कृषि भूमि बह गई, गांव-बस्तियां उजड़ गईं और भारी तबाही मची। उस समय की इन विनाशकारी बाढ़ों ने ब्रिटिश सरकार को माथे पर बल डाल दिए तब बनाई गई दीर्घकालीन सुरक्षा के लिए तटबंध की योजना। उसी योजना के तहत वर्ष 1926 में कोसी नदी के किनारे एक मजबूत तटबंध का निर्माण किया गया। और निर्माण के रूप बाढ सुरक्षा के लिए तटबंध बनाया गया जो आज भी एक प्रहरी के रूप में खड़ा है।

सुरक्षा को बनाएंगे मास्टर प्लान

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राजीव खनुलिया का कहना है कि कोसी लट्ठे का रखरखाव सिंचाई विभाग द्वारा लगातार किया जाता है। जहां कहीं भी क्षति होती है, वहां मरम्मत का कार्य कराया जाता है। विभाग की कोशिश है कि इस ऐतिहासिक तटबंध को सुरक्षित रखा जाए, ताकि यह आगे भी रामनगर को बाढ़ से बचाता रहे। कहते है कि इसके फिर से मजबूती देने के लिए मास्टर प्लान बनाकर शासन को भेजने का विचार है ताकि यह ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रह सके।

हेरिटेज घोषित करे सरकार

ढिकुली निवासी नेचर गाइड संजय छिम्वाल का मानना है कि कोसी लट्ठा केवल एक तटबंध नहीं, बल्कि रामनगर की ऐतिहासिक धरोहर है, वह कहते हैं कि इसे औपचारिक रूप से हेरिटेज घोषित किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसके इतिहास और महत्व को जान सकें। उनका कहना है कि रामनगर एक ऐतिहासिक शहर रहा है और यहां कई हेरिटेज इमारतें मौजूद हैं। अंग्रेजों द्वारा बनाया गया कोसी लट्ठा भी उसी विरासत का हिस्सा है।

एक नहीं कई नामों से पुकारते है लोग

लोग इसे बंधा, तटबंध, चाइना वाल, लट्ठा के नाम से भी पुकारा करते है। यह तटबंध पत्थर, चूना और सुर्खी से तैयार किया गया था, जिसकी बुनियाद इतनी मजबूत रखी गई कि यह एक सदी बाद भी अपनी जगह मजबूती से खड़ा है। असल लगभग एक किलोमीटर लंबी यह एक विशाल सुरक्षा दीवार है, जिसका उद्देश्य कोसी नदी की बाढ़ को नियंत्रित करना और रामनगर शहर, खेत-खलिहानों तथा बस्तियों को सुरक्षित रखना था। बरसात के मौसम में कोसी नदी का जलस्तर जब तेजी से बढ़ जाता है तो इसे 'लट्ठा' ही नियंत्रित कर पाता है।

रामनगर में बड़े मीट के बढ़ते दामों पर आक्रोश, ईओ का घेराव किया

मुस्लिम समाज के लोगों ने ज्ञापन सौंपकर कीमतों पर नियंत्रण लगाने की मांग की

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर में बड़े मीट के मूल्य में लगातार वृद्धि के विरोध में नगर पालिका पहुंचे मुस्लिम समाज के लोग, कांग्रेस कार्यकर्ता और नगर पालिका के सभासदों ने कार्यकारी अधिकारी (ईओ) आलोक उनियाल का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। समाजसेवी शेर खान ने कहा कि बड़े मीट की कीमत 340 रुपए प्रति किलो कर दी गई है, जबकि हल्द्वानी, कालाढूंगी, काशीपुर, जसपुर और रुद्रपुर में यही मीट 270 रुपए प्रति किलो मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रामनगर में मीट महंगा बिक रहा है जबकि आसपास के क्षेत्रों में सस्ता मिल रहा है।

शेर खान ने बताया कि पूर्व में भी मीट के दाम कम करने के लिए ज्ञापन दिया गया था, लेकिन नगर पालिका प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

उन्होंने यह भी कहा कि मीट फड़ों के संचालन में पारदर्शिता नहीं है और जिन लोगों को फड़ आवंटित किए गए हैं, उन्होंने नियमों का उल्लंघन करते हुए मीट बेचा है। मुस्लिम समाज के लोगों ने नगर पालिका अधिकारियों और कर्मचारियों पर ठेकेदारों के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया।

ज्ञापन में मीट की कीमत कम करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई। शेर खान ने चेतावनी दी कि यदि दाम कम नहीं किए गए तो समाज के लोग नगर पालिका में आत्मदाह करने पर मजबूर हो सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने तालाबंदी और धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी। ईओ आलोक उनियाल ने कहा कि मीट के दाम कम करने का प्रस्ताव बोर्ड में रखा जाएगा और फरवरी में होने वाली बोर्ड की बैठक में इसका समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी ठेकेदार ने फड़ नियमों के विरुद्ध संचालित किया है, तो इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी। मीट बेचने वाले फड़ों पर जनता की सुविधा और अनुशासन बनाए रखने के लिए जल्द ही सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक कांटा लगाया जाएगा।

इस अवसर पर समाजसेवी शेर खान, सभासद शमीम अहमद, नदीम अंसारी, राजा सलमानी, सलमान सलमानी, कांग्रेस नेता नजाकत अली, पूर्व सभासद मुजाहिद सिद्दीकी, बसपा नेता नवाब अहमद और अन्य कई स्थानीय नेता मौजूद रहे।

रामनगर में ईओ को ज्ञापन सौंपते मुस्लिम समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

मांगों को लेकर आंदोलन पर डटे रहे कर्मचारी

भीमताल : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद नैनीताल के तत्वावधान में जनपद के सबसे दूरस्थ विकासखंड ओखलकाडा में आंदोलन के प्रथम चरण के तहत गेट मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान सरकार से कर्मचारियों की 18 सूत्रीय मांगों को शीघ्र स्वीकृत करने की मांग की गई तथा समस्त कर्मचारियों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया गया।

गेट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए परिषद के जिलाध्यक्ष असलम अली ने कहा कि कर्मचारियों की पुरानी एसीपी, गोल्डन कार्ड से जुड़ी विसंगतियां तथा वेतन विसंगति जैसे महत्वपूर्ण प्रकरणों पर राज्य सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे प्रदेश भर के कर्मचारियों में व्यापक आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि गेट मीटिंग का कार्यक्रम 31 जनवरी तक जारी रहेगा। बैठक में हिमेश रावत, कृष्ण कुमार, दीप चंद्र जोशी, शाहनवाज आलम, भास्कर बिष्ट, सुनील कुमार, दिनेश जोशी, रवि कुमार, राजेंद्र कुमार, रविंद्र बोरा तथा पंकज पांडेय रहे।

2 फरवरी को हड़ताल करेंगी भोजन माताएं

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: लंबे समय से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष कर रहीं भोजन माताएं अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। मांगें पूरी न होने से नाराज़ भोजन माता संगठन ने 2 फरवरी को प्रदेशव्यापी एक दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। हड़ताल के दिन प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में भोजन माताएं किसी भी प्रकार का कार्य नहीं करेंगी।

नैनीताल में आयोजित बैठक के दौरान भोजन माता संगठन की जिलाध्यक्ष तुलसी देवी ने कहा कि भोजन माताएं कई वर्षों से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैं। सरकार को कई बार ज्ञापन सौंपे गए, पत्राचार किया गया और आंदोलन भी किए गए, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सरकार द्वारा लगातार अनदेखी किए जाने से भोजन माताओं में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि भोजन माताएं मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाने को विवश हैं। यदि सरकार ने जल्द मांगों पर विचार नहीं किया तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है। तुलसी देवी ने बताया कि भोजन माता संगठन की प्रमुख मांगों में चार लेबर कोड को वापस लेना, मानदेय बढ़ाकर 5 हजार रुपये प्रतिमाह करना, न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपये तय करना, पीएफ और ईएसआई की सुविधा लागू करना, मातृत्व अवकाश का लाभ देना, अक्षय फाउंडेशन द्वारा तैयार किए जा रहे भोजन पर रोक लगाना, भोजन माताओं को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देना तथा उनके साथ हो रहे उत्पीड़न पर रोक लगाना शामिल है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 2 फरवरी की हड़ताल के बाद भी सरकार ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो प्रदेशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। हड़ताल के ऐलान से स्कूलों में मध्याह्न भोजन व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है।

क्रॉस कंट्री के महिला वर्ग में एमबीपीजी कॉलेज विजेता

● पुरुष वर्ग में एसबीएस रुद्रपुर की टीम बनी विजेता

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता संपन्न हुई। पुरुष वर्ग में एसबीएस रुद्रपुर की टीम विजेता रही। जबकि एमबीपीजी कालेज हल्द्वानी की टीम उप विजेता रही। महिला वर्ग में विजेता का खिताब एमबीपीजी कालेज हल्द्वानी तथा डीएसबी नैनीताल की टीम उप विजेता रही।

पुरस्कार वितरण समारोह में कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, प्राचार्य प्रो. एम.सी. पांडे, पूर्व उप निदेशक खेल सुरेश चंद्र पांडेय, उत्तराखंड एथलेटिक्स चयन समिति के अध्यक्ष विजेंद्र चौधरी और महाविद्यालय क्रीड़ा प्रभारी व आयोजन सचिव डॉ. योगेश चंद्र ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। साथ ही सभी रैंक प्राप्त खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। महाविद्यालय क्रीड़ा प्रभारी एवं आयोजन सचिव डॉ. योगेश चंद्र ने प्रतिभागियों की प्रशंसा की और उनके प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित करने की अपेक्षा व्यक्त की। मंच संचालन डॉ. डीएन जोशी द्वारा किया गया।

इस दौरान डॉ. सुमन कुमार, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. दीपक खाती, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. राजेश कुमार, लोकेश पांडेय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गोविंद सिंह जंगपांगी, अजय सिंह और हुकुम सिंह भी उपस्थित रहे।

रामनगर में क्रॉस कंट्री दौड़ में भाग लेते प्रतिभागी। ● अमृत विचार

शैक्षिक भ्रमण में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप

संवददाता, कोटाबाग

अमृत विचार: राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवीपुरा, कोटाबाग में वर्ष 2024 में आयोजित शैक्षिक भ्रमण को लेकर सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप सामने आए हैं। इस संबंध में खंड शिक्षा कार्यालय कोटाबाग में शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की जांच की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता पूर्णावती देवी ने आरोप लगाया है कि विद्यालय के 72 छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों को बस के माध्यम से नैनीताल चिड़ियाघर तथा एरीज (ARIES) शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया था। भ्रमण का संपूर्ण व्यय समाजसेवी हेमंत गौनिया द्वारा वहन किए जाने के बावजूद विद्यालय द्वारा सरकारी मद में खर्च दिखाया गया है। वहीं समाजसेवी हेमंत गौनिया ने आरोपों को निराधार बताते हुए खंड शिक्षा अधिकारी को पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बस का किराया शासन से प्राप्त बजट के अंतर्गत नियमानुसार अदा किया गया था। समाजसेवी द्वारा बस किराया नहीं दिया गया।

हेमंत गौनिया ने बताया कि उनके द्वारा केवल स्वैच्छिक सामाजिक सेवा के तहत बच्चों को सूक्ष्म जलपान के रूप में फ्रूटी, बिस्किट, नमकीन एवं चॉकलेट वितरित की गई थी। इसके साथ ही नैनीताल चिड़ियाघर एवं एरीज में बच्चों का प्रवेश निशुल्क कराया गया था। उन्होंने कहा कि इस सहयोग का शासकीय बजट से कोई संबंध नहीं है और इसे गलत रूप में प्रस्तुत कर विद्यालय प्रबंधन, अध्यापकों एवं समाजसेवी की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्य शिक्षा अधिकारी पुष्कर लाल टम्टा ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नैनीताल में नगर पालिका की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ की कार्रवाई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पंत पार्क क्षेत्र में फड़ कारोबारियों द्वारा दुकानों के ऊपर अवैध रूप से तिरपाल लगाए जाने पर नगर पालिका ने बुधवार को सख्त कार्रवाई की। नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर फड़ों के ऊपर बंधी तिरपालों को हटवाया और संबंधित कारोबारियों को नियमों का पालन करने की कड़ी चेतावनी दी।

जानकारी के अनुसार फड़ कारोबारी सुबह से ही पंत पार्क क्षेत्र में अपने फड़ों के ऊपर तिरपाल बांध रहे थे। तिरपाल लगाने के लिए खींची गई रस्सियों से राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही थी, वहीं सार्वजनिक मार्ग भी बाधित हो रहा था। इससे क्षेत्र में अव्यवस्था की स्थिति बन रही थी, जिस पर नगर पालिका ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की।

पालिका अधिकारियों ने फड़ व्यवसायियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तिरपाल का उपयोग केवल बारिश या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में ही किया जाए। सामान्य मौसम में तिरपाल बांधना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियां दोहराई गईं तो संबंधित फड़ कारोबारियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई के साथ-साथ अन्य दंडात्मक कदम भी उठाए जाएंगे। नगर पालिका ने यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण और अव्यवस्था किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्रवाई के दौरान कर निरीक्षक वेद प्रकाश सैनी, हिमांशु चंद्रा सहित नगर पालिका का अन्य स्टाफ मौजूद रहा। पालिका की इस कार्रवाई से पंत पार्क क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और पैदल चलने वालों की सुविधा बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नैनीताल में फंड़ों से तिरपाल हटवाते पालिका कर्मी। ● अमृत विचार

बालिका किरण कोटवाल को सम्मानित करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

युवा कांग्रेस ने किरण कोटवाल को सम्मानित किया

रामनगर : लखनपुर निवासी 10 वर्षीय बालिका किरण कोटवाल द्वारा इनफ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में 50 वाद्य यंत्र बजाने का रिकॉर्ड दर्ज कराने पर रामनगर युवा कांग्रेस एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उसे सम्मानित किया। युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने किरण के पिता प्रकाश कोटवाल के आयुष म्यूजिक अकैडमी पहुंचकर किरण को शाल एवं सरस्वती माता की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी ने कहा कि किरण ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से रामनगर का नाम रोशन किया है। उन्होंने किरण के संगीत के प्रति लगन और जज्बे की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष अमित कुमार, जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी, विकास कुमार, सभासद सचिन कुमार आर्य, दीपक रावत, अमित लोहनी, दिनेश सत्यवली, ओम प्रकाश रोत, जगदीश तिवारी, दीपक राणा, प्रमोद कुमार एवं गणेश जोशी रहे।

43 गांवों की जनसुनवाई का कार्य पूरा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड सामाजिक अंकेक्षण, जवाबदेही एवं पारदर्शिता अभिकरण के निर्देशानुसार रामनगर ब्लॉक के 43 गांवों के मनरेगा कार्यों का सोशल ऑडिट कर जन सुनवाई आज संपन्न हुई।

सोशल ऑडिट और जन सुनवाई में मुख्य रूप से 25 बिंदुओं पर ध्यान दिया गया, जिनमें कार्य की मांग संबंधी प्रार्थना पत्र, श्रमिकों को कार्य पर भेजने की सूचनाएं, कार्यादेश की प्रतियां, रिक्त और भरे हुए मस्टर रोल का विवरण, एमआर मूवमेंट का विवरण, वार्षिक कार्य योजना की अनुमोदित प्रति, प्राक्कलन की प्रति, तकनीकी स्वीकृति, डिजाइन और प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति आदेश शामिल थे। इस अवसर पर जूरी के सदस्य के रूप में अपर सहायक अभियंता मुकेश जोशी, ढेला में प्रवक्ता नवेंदु मठपाल और धर्मानंद सती सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सोशल ऑडिट के सदस्य भुवन चंद्र जोशी, नवीन जोशी, रीता देवी, रूबी सिंह और विमलेश भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी गिरीश चंद्र पांडे, सहायक खंड विकास अधिकारी कुंवर सामंत, ग्राम विकास अधिकारी गोपाल दत जोशी, प्रकाश चंद्र मठपाल, धीरेश जोशी, भूपेंद्र गोस्वामी, ग्राम रोजगार सेवक देवकी कांडपाल, मोहन सिंह, मनोज पाल, गौरव नैलवाल, महेश थापा और करन सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उपस्थित अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ग्रामवासियों की शिकायतें सुनी और दस्तावेजों का निरीक्षण किया।

रामनगर में मनरेगा के कार्यों की जांच करते अधिकारी। ● अमृत विचार

बीईओ अंशुल बिष्ट को पदोन्नति पर विदाई दी

धानाचूली: खंड शिक्षा अधिकारी धारी अंशुल बिष्ट को पदोन्नति मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) पौड़ी के पद पर नियुक्त किया गया है।

पदोन्नति के उपलक्ष्य में खंड शिक्षा कार्यालय धारी में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी शुभम बर्मा, कार्यालय के कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अंशुल बिष्ट के कार्यकाल की सराहना की। शिक्षकों ने बताया कि उनके कार्यकाल में विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और सक्रियता बढ़ी। विदाई अवसर पर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। उपस्थित जनों ने आशा जताई कि वे पौड़ी जनपद में भी अंशुल बिष्ट शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देंगे।

आरोही संस्था ने स्कूलों को उपलब्ध कराई सामग्री

संवाददाता, धानाचूली

● 21 सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए आधुनिक उपकरण

अमृत विचार: एलआईसी एचएफएल, मुंबई के वित्तीय सहयोग से आरोही संस्था, सतोली (नैनीताल) द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में सराहनीय पहल की गई है। इस पहल के अंतर्गत नैनीताल एवं अल्मोड़ा जनपद के पांच विकासखंडों के 21 सरकारी विद्यालयों में आधुनिक एवं आवश्यक शैक्षिक तथा स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराए गए।

परियोजना के तहत विद्यालयों में 10 डिजिटल बोर्ड, 20 कंप्यूटर व प्रिंटर, 24 सोलर लाइट, 7 इन्वर्टर, 46 वॉटर टैंक, 20 वॉटर फिल्टर स्टेशन के साथ-साथ 6 सेनेटरी वेंडिंग मशीन तथा 8 इन्सिनरेटर स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित जागरुकता सत्रों का भी आयोजन किया गया, जिससे छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को इन संसाधनों के सही उपयोग तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी जा सके। विद्यालय प्रशासन ने आरोही संस्था एवं एलआईसी एचएफएल का आभार व्यक्त किया। एलआईसी एचएफएल की ओर से अभिषेक ने विद्यालयों का भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण किया। आरोही संस्था के अधिशासी निदेशक ने एलआईसी एचएफएल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में समस्याओं का रहा बोलबाला

सदस्यों ने उठाईं कई समस्याएं, छुट्टा और जंगली जानवरों का आतंक, फसल बचाने के लिए सौर ऊर्जा चालित या कंटीली तारों की हो फेंसिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला पंचायत की बोर्ड बैठक अध्यक्ष दीपा दरमवाल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित विकास योजनाओं पर चर्चा करते हुए सदस्यों ने क्षेत्रीय समस्याओं को उठाया। मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का समाधान समय से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करने और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को गति देने पर बल दिया।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित पशुओं से होने वाली क्षति एवं दुर्घटनाओं को रोकने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. डीसी जोशी ने बताया कि जनपद में रामनगर, बैलपड़ाव, मालधनचौड़, लालकुआं एवं हल्दूचौड़ में गोशालाएं संचालित हैं, यहां करीब 3100 गोवंश रखे गए हैं। प्रत्येक गोशाला को पशुपालन विभाग की ओर से प्रति पशु 80 रुपये प्रतिदिन दिया जा रहा है। जिला पंचायत की

जिला पंचायत की बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करतीं अध्यक्ष दीपा दरमवाल, साथ मौजूद सीडीओ अरविंद पांडे एवं सदस्य।

- **सीडीओ ने समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए**

ओर से रामनगर के मालधनचौड़ में नई गौशाला निर्माण के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है, वहीं जिन क्षेत्रों में गौशालाएं नहीं हैं वहां भूमि चिन्हिकरण का किया जा रहा है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने ग्राम गोसेवक योजना के बारे में बताया कि इस योजना के तहत पांच नरगोवंश पालने पर सरकार की ओर से 400 रुपये प्रतिदिन दिए जाते हैं। वर्तमान में जनपद में 31 ग्राम गोसेवक कार्यरत हैं, अधिक लोगों को इस योजना से जुड़ने का आह्वान किया गया। जंगली जानवरों से फसलों और जान-माल को हो रहे नुकसान को लेकर सदस्यों ने वन विभाग से संवेदनशील क्षेत्रों में सौर ऊर्जा चालित या कंटीली तारों की फेंसिंग कराने की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी ने वन एवं कृषि विभाग को प्राथमिकता से फेंसिंग, नियमित पेट्रोलिंग और मुआवजा व्यवस्था को लेकर ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपाध्यक्ष देवकी देवी, ब्लॉक प्रमुख केडी रूवाली, मंजू नेगी, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत महेश कुमार सहित सदस्य एवं अधिकारी मौजूद रहे।

सीएमओ और डीएफओ नहीं उठा रहे हैं फोन

हल्द्वानी : बैठक में अधिकारियों के फोन नहीं उठाने का मुद्दा उठा। सीडीओ पांडे ने तो सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत के सामने ही कहा कि आपका फोन रात को नहीं उठता है। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों को हर समय सजग रहना चाहिए। इधर रामड़ी आन सिंह मटियाली की जिला पंचायत सदस्य छवि कांडपाल ने कहा कि डीएफओ भी उनको फोन नहीं उठाते हैं। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को भी ठीक से नहीं सुना।

एक साल में छह गांवों की ही तार-बाड़ का बजट

हल्द्वानी : जिला पंचायत सदस्य डिकर सिंह मेवाड़ी ने कृषि विभाग का बजट बढ़ाए जाने की बात कही तो कृषि विभाग की तरफ से बताया गया कि बजट बहुत कम है। इसलिए एक साल में केवल छह गांवों का ही तार-बाड़ किया जा रहा है। तार-बाड़ करने का काम जिला योजना से किया जाता है। इस पर सदस्य खीम सिंह आर्या ने कार्बेट से सटे क्षेत्र में वन विभाग की निगरानी बढ़ाए जाने की बात कही। ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा केडी रुवाली ने कहा कि दिसंबर और जनवरी माह में बाघों के हमले बढ़ते हैं। इसलिए वन विभाग अगले साल के पहले से ही योजना बनाकर रखे। अनीता आर्या ने मालधन में स्वास्थ्य सेवाओं को ठीक करने के लिए कहा। बैठक में 108 एंबुलेंस की लचर सेवाओं की बात भी उठी। सीएमओ डॉ. पंत ने कहा कि नई कंपनी के साथ 108 सेवा का टेंडर किया जा रहा है। इसके अलावा रोटेशन में दुर्गम क्षेत्रों जैसे रामगढ़, ओखलकांडा, बेतालघाट और धारी ब्लॉक में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड सेवा की मोबाइल संचालित किए जाने के निर्देश सीडीओ ने सीएमओ को दिए। प्रमोद कोटलिया ने कहा कि उनके क्षेत्र में संचालित होने वाला पीएससी अपने मानकों को पूरा नहीं करता है। उनको एक सवाल के जबाव में वन विभाग की ओर से यह भी बताया गया कि जो बाघ पकड़े गए हैं वे आदमखोर हैं या नहीं इसका पता अभी नहीं चला है।

ये रहे प्रमुख बिंदु

- 2026-27 की विकास योजनाओं पर सदस्यों से सुझाव
- मालधनचौड़ में नई गौशाला के लिए डीपीआर तैयार
- ग्राम गोसेवक योजना से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान
- पर्वतीय क्षेत्रों में मासिक स्वास्थ्य कैंप लगाने के निर्देश
- जंगली जानवरों से सुरक्षा के लिए फेंसिंग व पेट्रोलिंग
- क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से गड्ढामुक्त करने के निर्देश
- जल जीवन मिशन के तहत पेयजल समस्याओं के शीघ्र समाधान के आदेश

गांवों में शीघ्र करा लें खुली बैठकें

हल्द्वानी : सभी ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा की खुली बैठकें नहीं हुई हैं। इस वजह से पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है। सीडीओ ने निर्देश दिए कि शीघ्र ही सभी ग्राम सभाओं में खुली बैठकें करा ली जाएं। सीडीओ ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने, पर्वतीय क्षेत्रों में आंतरिक मार्गों पर झाड़ियों की सफाई, तथा क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से गड्ढामुक्त करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत पर जल संस्थान एवं जल निगम को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

सम्मान न मिलने पर आक्रोशित हुए सदस्य

हल्द्वानी : जिला पंचायत सदस्यों ने स्वयं को सम्मान न दिए जाने का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम में उनके बैठने के लिए कुर्सी तक का इंतजाम नहीं होता है। साथ ही सरकारी योजनाओं के उद्घाटन तक में उनका नाम नहीं होता है। एक जिला पंचायत सदस्य ने यह भी कहा कि स्थानीय विधायक के कहने पर उनको सरकारी कार्यक्रमों में नहीं बुलाया जाता है।

सिटी ब्रीफ

12 फरवरी तक हो जाएं मेले की सभी व्यवस्थाएं : कैड़ा

हल्द्वानी : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी को छोटे कैलाश मंदिर में होने वाले मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं। विधायक कैड़ा ने कहा कि छोटा कैलाश मंदिर में दूर-दूर से लाखों श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते हैं। इस मेले का संचालन जिला पंचायत करती है। छोटा कैलाश मंदिर में लगने वाला मेला क्षेत्र के लोगों की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने लोनिवि अधिकारियों को मोटर मार्गों को सही करने के निर्देश दिए हैं। विधायक ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था में नजर रखने को कहा है क्योंकि पिछली वर्ष अमृतपुर से कैलाश द्वार तक जाम लग गया था। अधिकारियों को 12फरवरी तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

पटेल चौक में खिचड़ी भोज का आयोजन

हल्द्वानी : माघ माह के मौके पर बाजार क्षेत्र के पार्षद प्रेम बेलवाल ने पटेल चौक पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता और साध्वी हरिप्रिया माई ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश महामंत्री नवीन वर्मा, तनुज गुप्ता, विवेक कश्यप, सुधांशु श्रोत्रिय आदि मौजूद रहे।

अनदेखी: विद्यालय भवन जर्जर होने से खतरे में नौनिहालों की जान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों के हालात सुधरे नहीं हैं। अभी भी शहर के कई स्कूलों में भवनों को मरम्मत का इंतजार है। इस कारण बच्चे डर के साए में पढ़ने को मजबूर हैं। नौबत यहां तक आ गई कि रेलवे बाजार स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल को पूरा शिफ्ट कर बनभूलपुरा के ललित आर्या इंटर कॉलेज में चलाया जा रहा है।

स्कूल का भवन लगभग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इसके जीर्णोद्धार के लिए प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं किया गया है। जिले में कई सरकारी स्कूलों के भवन बदहाली की मार झेल रहे हैं। पुराने हो चुके इन भवनों की दीवारों से प्लास्टर उखड़ चुका है। बरसात में इनकी छत से पानी टपकता है और विद्यार्थियों को दूसरे कमरों में शिफ्ट करना पड़ता है। जगह के अभाव के कारण पढ़ाई भी बाधित होती है। हल्द्वानी ब्लॉक में पूर्व में 18 स्कूलों के 77 क्षतिग्रस्त कक्ष चिह्नित किए गए थे। इनमें से कई क्षतिग्रस्त कक्षों का मरम्मतीकरण अभी तक नहीं किया गया है। जिले में 184 स्कूल पिछली बार चिह्नित

चौक बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय का जर्जर भवन। ● अमृत विचार

हल्द्वानी क्षेत्र के सभी जर्जर स्कूलों के प्रस्ताव पहले ही मंगाए जा चुके हैं और खनन न्यास निधि से मरम्मत कराई जानी है। कुछ स्कूलों के लिए धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। जिन स्कूलों में मरम्मत शुरू नहीं हुई है, उनमें मरम्मत या नवीनीकरण जल्द शुरू किया जाएगा। - **गोविंद राम जायसवाल,** मुख्य शिक्षाधिकारी, नैनीताल

किए गए थे, जिनके भवन क्षतिग्रस्त थे। इनमें अभी भी कई स्कूलों को मरम्मतीकरण का इंतजार है। उल्लेखनीय है कि चौक बाजार स्थित प्राइमरी स्कूल की दीवार से बीते शनिवार को अचानक प्लास्टर और पत्थर सड़क पर गिरने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। घटना के समय बाजार में ठेले वाले और राहगीर मौजूद थे, जिससे जान बचाने के लिए लोग इधर-उधर भागते नजर आए। गनीमत रही कि छुट्टी होने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

चौक बाजार स्थित यह तिमंजिला भवन प्राथमिक स्कूल के रूप में संचालित है। भवन का सबसे ऊपरी मंजिल जर्जर था, जिसकी मरम्मत की जा रही है। स्कूल में 76 विद्यार्थी हैं, जिन्हें एक ही भवन में पढ़ाया जा रहा है। प्रधानाचार्य सुहालेहा खातून ने बताया कि स्कूल के जर्जर भवन की सबसे ऊपरी मंजिल का मरम्मतीकरण किया जा रहा है।

राजकीय प्राथमिक स्कूल कालाढूंगी रोड भी कर रहा मरम्मत का इंतजार

कालाढूंगी रोड जेल रोड चौराहे पर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का भवन भी जर्जर है। भवन के कक्षों में लंबे समय से ताले लगे हुए हैं। भवन जीर्ण-शीर्ण होने के कारण सामने स्थित दूसरे भवन में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है, लेकिन इसकी छत का प्लास्टर भी उखड़ रहा है। जिससे बरसात में छत से पानी टपकता है। स्कूल के पिलर का सीमेंट पूरी तरह उखड़ चुका है और इसके सरिया दिखने लगे हैं। इनके गिरने से कभी भी घटना हो सकती है। कक्ष में जगह के अभाव में शिक्षण कार्य भी प्रभावित होता है। स्कूल की प्रधानाचार्या हेमा पंत ने बताया कि प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति नहीं होने के कारण मरम्मत शुरू नहीं हो सकी है।

निहाल, अंकित और नितेश का गाला अवॉर्ड्स में जलवा

संवाददाता, हल्द्वानी

- **एसोसिएशन को मिला बेस्ट इवेंट ऑर्गनाइजर का पुरस्कार**
- **इंडिया ताइक्वांडो गाला अवॉर्ड्स 2025-2026 में मिले पुरस्कार**

अमृत विचार: उत्तराखंड ताइक्वांडो एवं पैरा ताइक्वांडो एसोसिएशन को इंडिया ताइक्वांडो गाला अवॉर्ड्स 2025-2026 में राज्य के खिलाड़ियों का भी जलवा रहा और साथ ही एसोसिएशन को बेस्ट इवेंट ऑर्गनाइजर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला।

यह सम्मान वर्ल्ड ताइक्वांडो के महासचिव जियोंगकांग सियो और इंडिया ताइक्वांडो के अध्यक्ष नामदेव शिरगांवकर ने दिया। खिलाड़ियों में राज्य के जूनियर एथलीट ऑफ द ईयर (पुरुष) में निहाल देवली, सीनियर एथलीट ऑफ द ईयर में अंकित मेर और बेस्ट फाइटर ऑफ द ईयर (पुरुष) में नितेश सिंह को चुना गया। खिलाड़ियों ने दिखाया किस इस खेल प्रतिस्पर्धा में राज्य के खिलाड़ियों के पास भी प्रतिभा है। इसके अलावा उत्तराखंड ताइक्वांडो एवं पैरा ताइक्वांडो एसोसिएशन को बेस्ट इवेंट ऑर्गनाइजर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला ये पुरस्कार उत्तराखंड में ताइक्वांडो एवं पैरा ताइक्वांडो खेल के सफल आयोजनों, उत्कृष्ट प्रबंधन का प्रतीक है। इस अवसर पर एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र सिंह, महासचिव रवि शंकर सिंह फर्स्वाण, उपाध्यक्ष आनंद बोरा, कोषाध्यक्ष रेनू रावत, कोऑर्डिनेटर और सदस्य प्रदीप जोशी ने आभार व्यक्त किया। इंडिया ताइक्वांडो गाला अवॉर्ड्स में राज्य के खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला।

सीबीएसई की कार्यशाला में स्कूली शिक्षा में स्किल बढ़ाने पर दिया जोर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में सीबीएसई ने कौशल शिक्षा के लिए एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें प्रतिभागियों के लिए आइस-ब्रेकिंग गतिविधियां की गईं।

इसके बाद नीति अवलोकन सत्र में एनईपी 2020 और स्कूल शिक्षा 2023 के अंतर्गत कौशल शिक्षा की आवश्यकता, अवधारणा, उद्देश्यों, चुनौतियों और स्कूल स्तर पर उसको लागू करने पर चर्चा की गई। डीपीएस स्कूल रुद्रपुर के प्रधानाचार्य चेतन चौहान ने कौशल शिक्षा में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण और स्किल एक्टिविटीज आधारित पुस्तकों की उपयोगिता पर विचार रखे। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय

बिड़ला स्कूल में सीबीएसआई कार्यशाला के दौरान ग्रुप फोटो सेशन में वरिष्ठ शिक्षक।

पाठ्यचर्या रूपरेखा- स्कूल शिक्षा 2023 के अनुरूप विद्यालयी स्तर पर कौशल शिक्षा को मुख्यधारा से जोड़ने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 64 शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान स्कूलों की समय-सारणी में कौशल शिक्षा के एकीकरण, संसाधनों की उपलब्धता और शिक्षकों की भूमिका पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने कहा कि कौशल शिक्षा विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी दक्षताओं से सशक्त बनाती है और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई दिशा देते हैं। इस दौरान समन्वयक गिरीश चंद्र कड़ाकोटी, वरिष्ठ संकाय प्रमुख अनिता भट्ट, उप प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार, धर्मेश पांडे रहे।

महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने बुधवार को शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा एमबी इंटर कॉलेज के मैदान से शुरू होकर कुल्यालपुरा चौराहा, अटल रोड, अटल तिराहा और जेल रोड तिराहा से होते हुए दोबारा एमबी इंटर कॉलेज मैदान में संपन्न हुई।

शोभायात्रा गुरुवार से शुरू हो रही शिव कथा के उपलक्ष्य में निकाली गई। शिव कथा का आयोजन 4 फरवरी तक दोपहर एक बजे से एमबी इंटर कॉलेज के मैदान में किया जाएगा। कलश यात्रा का उद्घाटन मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने किया। यात्रा में 551 कलश

कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

शामिल रहे। पारंपरिक वस्त्रों में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा को आकर्षक बनाया। भगवान गणेश, हनुमान, भगवान शिव, गणों और शिव परिवार की मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शिव कथा के दौरान आईआईटी दिल्ली के गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. सर्वेश्वर का संबोधन रहेगा। यहां गोपाल पाल, राजेश अग्रवाल, अंकित शर्मा, भगवान सहाय गर्ग आदि मौजूद रहे।

भीमताल में रास्ते में बहते सीवर की रोकथाम पर जोर

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल के पर्यावरणविद् एवं बटरफ्लाई रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक पीटर स्मैटाचेक ने भीमताल से जॉन्स स्टेट को जाने वाले मार्ग पर बरसात के दिनों में बहने वाले सीवर को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है।

पीटर स्मैटाचेक।

उन्होंने बताया कि जॉन्स स्टेट मार्ग पर बेतहाशा होमस्टे और होटल-रिसॉर्ट बन गए हैं, जिनके द्वारा समय-समय पर अपना सीवर सीसी मार्ग पर बहा दिया जाता है। इसके चलते यह गंदा पानी सीसी मार्ग से होते हुए सीधे भीमताल झील में पहुंच रहा है। पीटर स्मैटाचेक ने भविष्य में झील के अस्तित्व पर खतरा बताते हुए कहा कि प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने झील को प्रदूषित करने वाले होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने तथा उन्हें आजीवन (लाइफटाइम) के लिए सीज किए जाने की मांग की है।

उदासीनता

जमीनों के सर्किल रेट में हुई वृद्धि और महंगाई का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है

सर्किल रेट बढ़े तो इस वर्ष कम हुईं 1,093 रजिस्ट्रियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जमीनों के सर्किल रेट में हुई वृद्धि और महंगाई का असर दिखने लगा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जमीन/भवनों की खरीद फरोख्त में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अगर आंकड़ों की बात करें, इस साल में पिछले साल से 1,093 रजिस्ट्रियां कम हुई हैं। यह बात दीगर है कि राजस्व में वृद्धि हुई है।

उपनिबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने पिछले वर्ष अक्टूबर में जमीनों के सर्किल रेट में वृद्धि की थी। इसका प्रापर्टी डीलर्स खासा विरोध किया था हालांकि बाद में यह विरोध ठंडे बस्ते में चला गया था। अब सर्किल रेट में वृद्धि का असर जमीनों की खरीद फरोख्त पर भी दिखाई देने लगा है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो 1 अप्रैल 2025 से 23 जनवरी 2026 तक 22,628 रजिस्ट्रियां हुईं जिनसे 2.02 अरब रुपये का राजस्व प्राप्त हो गया है। वहीं, 1 अप्रैल 2024 से 23 जनवरी 2025 तक 23,721 रजिस्ट्रियां हुई थीं हालांकि इनसे महज 1.87 अरब रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

रजिस्ट्रियों की संख्या का कार्यालयवार तुलनात्मक ब्योरा सूची

रजिस्ट्री ऑफिस का नाम	वर्ष 2024-25	वर्ष 2025-26
हल्द्वानी प्रथम	8,250	7,598
हल्द्वानी द्वितीय	6,195	6,589
नैनीताल	4,654	4,072
रामनगर	3,701	3,501
धारी	921	868
कुल	23,721	22,628

पिछले वर्ष की अपेक्षाकृत इस वर्ष रजिस्ट्रियों की संख्या कम रही है हालांकि इस वर्ष राजस्व में वृद्धि हुई है। -**महेश द्विवेदी,** सहायक महानिरीक्षक स्टांप

ये बताए जा रहे हैं कारण

1.भूकानून को लेकर संशय : अधिकारियों की मानें तो पिछले वर्ष राज्य सरकार ने भूकानून लागू किया था। जिसके बाद खरीदारों में विशेषकर राज्य के बाहर से यहां निवेश करने वालों में संशय पैदा हुआ। अभी तक भूकानून को लेकर वस्तुस्थिति स्पष्ट नहीं है जिसका भी असर रजिस्ट्रियों पर पड़ा है।

2.नौकरीपेशा को नहीं मिल रहा लोन :- कुमाऊं के सबसे बड़े शहर में जमीनों, मकानों के दामों में तेजी से जबरदस्त उछाल आया है इस वजह से घर बनाना अत्यधिक महंगा हो गया है। ऐसे में नौकरीशुदा को उतना लोन नहीं मिल पा रहा है, इसका भी असर हुआ है।

3.ईडब्ल्यूएस की पहुंच से बाहर – हल्द्वानी में घर बनाना या जमीन खरीदना अब आर्थिक कमजोर वर्ग की पहुंच के बाहर हो गया है। ऐसे में किराए पर तो हल्द्वानी में रह रहे हैं लेकिन वे घर बनाने के लिए तराई में रुख कर रहे हैं। इस वजह से प्रॉपर्टी कारोबार पर असर पड़ा।

4.जमीनों के दामों में बेतहाशा वृद्धि – विशेषज्ञों का दावा है कि जमीनों के सर्किल रेट में वृद्धि से स्टांप ड्यूटी महंगी जरूर हुई है लेकिन यहां दाम इतने बढ़ चुके हैं कि अब लोग हल्द्वानी के बजाय अन्य जिलों में कमजोर व मध्यम वर्ग की आय के अनुसार जमीन देख रहे हैं।

सस्ता गल्ला दुकानों में पहुंचा दो माह का गेहूं और एक महीने का चावल

संवाददाता, हल्द्वानी

- **दुकानों पर मिलने लगा सरकारी सस्ता गल्ला, अगले माह पूरा चावल पहुंचने की उम्मीद**

अमृत विचार : सरकारी सस्ता गल्ला की दुकानों पर दो माह का गेहूं और एक माह का चावल पहुंच गया है। दुकान स्वामियों ने गोदाम से माल उठा लिया और अब उपभोक्तों को राशन उपलब्ध होने लगा है।

दिसंबर माह में सरकारी सस्ता गल्ला दुकानों पर राशन नहीं पहुंचा था। जिस वजह से उपभोक्ताओं को निराश होना पड़ा था। इधर राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी का काम जारी रहा। जनवरी माह में पहले एक माह का रुका हुआ गेहूं पहुंचा था लेकिन चावल नहीं पहुंचा था। अब दुकानों पर जनवरी माह का भी गेहूं पहुंच गया है और साथ ही दिसंबर माह का रुका हुआ चावल भी पहुंच गया है। जिन उपभोक्ताओं ने दिसंबर माह का गेहूं नहीं लिया है, उनको एक साथ दोनों माह का गेहूं मिल रहा है। साथ ही उम्मीद जताई जा रह है कि फरवरी माह में जनवरी और फरवरी दोनों ही महीनों का चावल मिल जाएगा।

पूर्ति विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के अनुसार जिन लोगों ने राशन नहीं लिया है वह दुकानों पर जाकर राशन ले लें और साथ ही अपनी ई केवाईसी भी करा लें। पूर्ति निरीक्षक राहुल सिंह डांगी ने बताया कि ई-केवाईसी कराना बहुत जरूरी है। साथ ही नियमित समय पर अपना राशन भी दुकानों से लेते रहें।

नए राशन कार्ड के लिए आय प्रमाण जरूरी

अब नए राशन कार्ड के लिए आय प्रमाण का उल्लेख करना जरूरी है। पात्र की वार्षिक आय पांच लाख रुपये से ज्यादा नहीं होने चाहिए। इसके साथ ही घर के सदस्यों के आधार कार्ड के अलावा बिजली और पानी का बिल होना जरूरी है। साथ ही परिवार के मुखिया का बैंक में खाता होना अनिवार्य है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

आज और कल घने कोहरे की चेतावनी

पंतनगर : जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले के आगामी पांच दिनों के पूर्वानुमान में हल्की बारिश (0-15 मिमी.) का अनुमान है। जबकि 29 और 30 जनवरी के लिए घने कोहरे के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है। विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ. अजित सिंह नैन ने बताया कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान जहां 22-25 डिग्री सेल्सियस, वहीं न्यूनतम तापमान 3-7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस दौरान हवा की गति दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण, पश्चिम-दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम-पश्चिम और पूर्व दिशा से 7-9 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। बताया कि बारिश के दौरान रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग और सिंचाई जैसी नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। इसलिए रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग बिना हवा के दिनों में किया जाना चाहिए और सिंचाई आवश्यकतानुसार ही की जानी चाहिए।

राप्रावि बांसखेड़ा काशीपुर में शिविर आज

रुद्रपुर : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत गुरुवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय बांसखेड़ा काशीपुर में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित होगा। शिविर नोडल अधिकारी व एआरटीओ संदीप वर्मा ने बताया कि शिविर में क्षेत्रीय जनता को केंद्र एवं राज्य सरकार की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

अपनी मां की खातिर मीना शर्मा से मांगता हूं माफी: ठुकराल

पूर्व विधायक ठुकराल ने ऑडियो प्रकरण को लेकर रखी अपनी बात, सब मिलकर करवाना चाहते हैं हत्या

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पूर्व पालिकाध्यक्ष एवं कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा के खिलाफ ऑडियो प्रकरण में अपना पक्ष रखते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि वह अपनी मां की खातिर माफी मांगते हैं। यदि उनको ऐसा लगता है कि ऑडियो में आवाज उनकी है तो पुलिस जांच करें। वह शिकायतकर्ता मीना के मंतव्य के अनुसार सार्वजनिक माफी मांग सकते हैं। वहीं ठुकराल ने यह भी इशारा किया कि उनका राजनीतिक रथ रोकने के लिए कुछ लोग पर्दे के पीछे रहकर सारा खेल रच रहे हैं और उनकी हत्या भी करवा सकते हैं। जिसकी कोई परवाह नहीं है।

बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि डेढ़ साल पहले कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मीना शर्मा के खिलाफ एक ऑडियो वायरल हुई थी। जिसमें अशोभनीय टिप्पणी का मामला था। उस वक्त भी यह मुद्दा उठाया गया। उन्होंने खुद पुलिस से जांच करने का पत्राचार किया। अब विधानसभा का चुनाव नजदीक आया तो मंगलवार को पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा ने कोतवाली में धरना दिया और पुलिस ने भी बिना जांच किए तहरीर के आधार पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया।

जिसके बाद से उनकी बुजुर्ग माता की हालत नाजुक हो गई और बुधवार सुबह प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपनी मां की खातिर वह दुनिया भर से माफी मांग सकते हैं और जिस प्रकार पूर्व पालिकाध्यक्ष ने सार्वजनिक माफी मांगने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने मीडिया के सामने मां की खातिर हाथ जोड़कर माफी मांगने का निर्णय लिया। कहा कि वह खुद चाहते हैं कि डेढ़ साल पुरानी ऑडियो की पुलिस जांच करे और पारदर्शी तरीके से न्याय दिलाए। वह पुलिस का सहयोग करेंगे।

पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि यदि पुलिस ने षड्यंत्रकारी नेताओं के कहने पर फंसाने की कोशिश की तो भारी जनसैलाब के साथ संघर्ष को भी तैयार हैं। व्यक्तिगत रूप से वह कांग्रेस नेत्री से माफी मांग रहे हैं। ठुकराल ने यह भी संकेत दिया कि जल्द ही पर्दे के पीछे के किरदारों को बेनकाब करेंगे और यह बताएंगे कि कांग्रेस नेत्री को उकसा कर कौन साजिश रच रहा है।

मीडिया के सामने माफी मांगते पूर्व विधायक ठुकराल। ● अमृत विचार

शिकायतकर्ता एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा। ● अमृत विचार

किसके इशारे पर गए एसडीएम व सीओ

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि पूर्व पालिकाध्यक्ष को एक बार फिर सामने लाकर पर्दे के पीछे वाले किरदार राजनीति के साथ-साथ मुकदमेबाजी कर घेरने की साजिश रच चुके हैं। यही कारण है कि महज धरना प्रदर्शन की सूचना मिलते ही फौरन एसडीएम मनीष बिष्ट और सीओ प्रशांत कुमार पहुंच गए। जबकि वार्ड की जनता इंसाफ के लिए थाना-चौकी और प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर काट रही है। सुसाइड की धमकी देने के बाद भी कोई अधिकारी नहीं पहुंचता है। ऐसे में एसडीएम का पहुंचना कई सवाल खड़े कर रहा है।

गोवंशीय कांड की होनी चाहिए सीबीआई जांच

रुद्रपुर : पूर्व विधायक ने कहा कि अभी तो उनके खिलाफ लोक लज्जा हनन का मुकदमा दर्ज हुआ है। हो सकता है कि षड्यंत्रकारी वर्ष 2021 में हुए गोवंशीय पशुओं की हत्या में भी फंसाने का प्रयास करें। इसलिए गोवंशीय हत्याकांड की सीबीआई जांच होनी चाहिए। कारण उनके खिलाफ 302 के अलावा 26 मुकदमे दर्ज हुए। सभी मामलों में बरी हुआ। कारण सत्य प्रताड़ित हो सकता है, पराजित नहीं। वह हर संघर्ष के लिए तैयार है।

कमेंट में जनता ने दे दिया अपना संदेश

रुद्रपुर : जिस प्रकार पूर्व पालिकाध्यक्ष का सहारा लेकर साजिशकर्ताओं ने मुकदमा दर्ज करवाया और धरना प्रदर्शन की वीडियो सोशल मीडिया में वायरल की। उसके नीचे आने वाले कमेंट जनता का संदेश है। हर व्यक्ति जानता है कि विधायक रहते कभी बेईमानी का पैसा नहीं लिया। हर व्यक्ति के सुख दुख का साथी रहा। यही कारण है कि उनकी राजनीति को समाप्त करने की साजिश चल रही है। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के खिलाफ चंद घंटे के अंदर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। वहीं बुधवार की सुबह गनर वापसी का भी फरमान आ गया। ठुकराल ने कहा कि बुधवार को गनर के पास कॉल आई कि ठुकराल की सुरक्षा हटा ली गई है। इससे साफ होता है कि गरीब व्यक्ति सुरक्षा के लिए भटकता रहता है और उनके मामले में तत्काल गनर हटाने का आदेश हो गया। फिर वह अकेले ही 2027 विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। चाहे परिणाम अब कुछ भी हो।

मीना शर्मा ने ठुकराल की माफी को ठुकराया

रुद्रपुर : पूर्व विधायक ठुकराल द्वारा सार्वजनिक माफी मांगने के बाद पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा ने माफी को ठुकरा दिया है। कहा कि अब मामला पुलिस जांच का है। ऑडियो में आवाज किसकी है। इसकी पुष्टि होते ही माफी पर विचार होगा। यदि ठुकराल की आवाज नहीं होती है तो वह खुद ठुकराल से माफी मागेंगी। अब वह कानूनी लड़ाई के साथ ही संघर्ष के लिए तैयार है। ऐसी माफी से कोई सरोकार नहीं।

बेटे पर मुकदमे की खबर देख मां हुई बेहाल, भर्ती

● पूर्व विधायक के भाई संजय ठुकराल ने सौंपी तहरीर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जहां एक ओर पूर्व पालिकाध्यक्ष और पूर्व विधायक के बीच तनातनी की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं अपने बेटे के खिलाफ मुकदमा की खबर सुनकर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की बुजुर्ग मां की हालत बिगड़ गई और आनन-फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अलावा ऑडियो प्रकरण को लेकर पूर्व विधायक के भाई संजय ठुकराल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर पारदर्शी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाया।

मंगलवार की शाम को जब पूर्व विधायक की मां दर्शना ठुकराल को यह पता चला कि ऑडियो प्रकरण में बेटे राजकुमार ठुकराल के खिलाफ कई संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत हो गया है तो उनकी हालत बिगड़ने लगी और बुधवार की सुबह आनन फानन में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि बुजुर्ग का शुगर बहुत ज्यादा बढ़ा हुआ है और ब्लड प्रेशर 400 के पार था। जिस कारण हालत नाजुक थी। फिलहाल स्थिति स्थिर बनी हुई है।

उधर, पूर्व विधायक के भाई संजय ठुकराल ने कोतवाली जाकर एसएसआई केपी आर्य को तहरीर देते हुए बताया कि जिस प्रकार कुछ लोग ऑडियो वायरल कर पूर्व विधायक और पूर्व पालिकाध्यक्ष की छवि को धूमिल कर रहे हैं। अभी पुलिस जांच भी कर रही है। ऐसे में दोनों नेताओं की छवि को धूमिल करना भी अपराध है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल में भर्ती पूर्व विधायक की मां दर्शना ठुकराल। ● अमृत विचार

दुष्कर्म कांड का दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

● लिफ्ट देकर युवती को दिया था धोखा, एसओजी-पुलिस ने की कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कार से कंपनी छोड़ने का झांसा देकर युवती के साथ बलात्कार कांड की घिनौनी वारदात को अंजाम देने के दूसरे आरोपी फुरकान को भी एसओजी और पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दुष्कर्म कांड के दौरान अभियुक्त तेज रफ्तार से कार चला रहा था, जबकि उसका दोस्त दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

बताते चलें कि आवास विकास की रहने वाली एक युवती सिडकुल की कंपनी में काम करती है। रोजमर्रा की भांति युवती 25 जनवरी की सुबह टेंपो का इंतजार कर रही थी और जैसे ही थोड़ा पैदल चली थी कि मुख्य चौराहे पर अचानक कार रुकी। कार सवार दो युवकों ने युवती को कंपनी छोड़ने के बहाने लिफ्ट दी। तभी एक युवक सामान लेने का बहाना बनाकर पिछली सीट पर बैठ गया। अभियुक्त फुरकान ने कार की रफ्तार बढ़ा दी और धमकाया कि यदि हल्ला मचाया तो गला दबाकर हत्या कर दी जाएगी। जिसके बाद आदर्श कॉलोनी निवासी राहुल दास ने युवती के साथ दुष्कर्म कर दिया और सिडकुल चौक पर छोड़कर फरार हो गए थे। थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते ही 24 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी राहुल दास को गिरफ्तार कर लिया, जबकि फुरकान निवासी भोट रामपुर यूपी फरार हो गया था।

पद्मश्री मिलने पर पूर्व कुलपति को शुभकामनाएं दीं

पंतनगर: जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रेम लाल गौतम को भारत सरकार की ओर से पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया है। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. गौतम आईसीएआर के उप महानिदेशक एवं एनबीपीजीआर के निदेशक सहित अनेक दायित्वों का निर्वाहन कर चुके हैं। बुधवार को पंतनगर प्रेस क्लब ने बैठक आयोजित कर डॉ. गौतम को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं। यहां क्लब के अध्यक्ष कमल श्रीवास्तव, सुरेंद्र वर्मा, योगेश पंत, त्रिलोकी शंकर मिश्रा, सुनील श्रीवास्तव, आनंद पांडेय, मनोज कुमार व उपेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

बड़े बकायदारों से कड़ाई से की जाए राजस्व वसूली : डीएम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने उप जिलाधिकारियों को नियमित कोर्ट लगाकर लंबित वादों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने वादों को प्राथमिकता से निस्तारण करने को कहा। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से शत-प्रतिशत राजस्व वसूली के करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बड़े बकायदारों से कड़ाई से राजस्व वसूली की जाय।

बुधवार को जिला सभागार में मासिक स्टाफ बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जो संग्रह अमीन राजस्व वसूली में लापरवाही करता है उसके खिलाफ कार्रवाई करें। जिन संग्रह अमीनों द्वारा राजस्व वसूली के लिए अच्छा कार्य किया जा रहा है उनको सम्मानित भी किया जाए। उन्होंने बिना उच्चाधिकारियों को बताए लम्बे समय से अनुपस्थित रहने व कम राजस्व वसूली पर संग्रह अमीन गदरपुर सूरज सिंह बिष्ट को निलंबित करते हुए तहसील काशीपुर से संबद्ध किया। साथ ही संग्रह अमीन गदरपुर कमला जोशी को कम राजस्व वसूली में उदासीनता बरतने पर विभागीय कार्यवाही करने की संस्तुति की। जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जनपद में गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

13 पॉक्सो मामलों में पैरवीकर्ताओं के स्पष्टीकरण लेने के निर्देश

रुद्रपुर : जिलाधिकारी ने 13 पॉक्सो मामलों में से 12 मामलों में बरी होने को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अभियोजन पक्ष के पैरवीकर्ताओं के स्पष्टीकरण लेने के निर्देश अपर जिलाधिकारी को दिए। अपर जिलाधिकारी प्रशासन को पॉक्सो के बरी हुए 12 मामलों की अभियोजन विभाग से पूरी डिटेल लेकर समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विवेचना में जो कमियां रही हो उसकी चेक लिस्ट बनाकर अन्य पॉक्सो मामलों में विवेचना की जाए। पुलिस व अभियोजन विभाग की कमी के कारण कोई अपराधी कोर्ट से दोषमुक्त न हो इसका ध्यान रखें।

मजिस्ट्रियल जांच समय पर पूर्ण करने के निर्देश

रुद्रपुर : जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को मजिस्ट्रियल जांच समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अभियोजन व पुलिस आपस में समन्वय बनाते हुए कार्य करें। कहीं कोई कठिनायी आती है तो व्हाट्सप ग्रुप साझा कर त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

ये अधिकारी रहे मौजूद

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ .उत्तम सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, डॉ .अमृता शर्मा, ऋचा सिंह, तुषार सैनी, रविंद्र जुआठा, गौरव पांडेय, संयुक्त निदेशक अभियोजन पीएस जंगपांगी, डीजीसी मनोज कुमार तिवारी, बरीत सिंह, एआरटीओ मोहित कोठारी, पूजा नयाल, जिला पूर्ति अधिकारी विनोद चंद्र तिवारी सहित तहसीलदार व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सिख-खत्री समाज के सामने पेश हुए राधेश

गठित कमेटी के साथ वार्तालाप कर अपना पक्ष रखते भाजपा नेता। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भाजपा नेता द्वारा सिख-खत्री समाज के खिलाफ दिए गए अमर्यादित बयानबाजी का आखिरकार पटाक्षेप हो गया है। जिसको लेकर खुद भाजपा नेता गठित 11 सदस्यीय कमेटी के सामने पहुंचे और दिए गए बयान पर माफी मांगी। उनका कहना था कि आवेश में आकर बयान दिया गया था। वह चाहते हैं कि शहर की कौमी एकता बरकरार रहे, भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

बताते चलें कि पिछले दिन पहले भाजपा नेता राधेश शर्मा ने सोशल मीडिया के सामने आकर सिख व खत्री समाज के कुछ नेताओं के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी। टिप्पणी के खिलाफ मंगलवार को समुदाय की एक बैठक हुई थी। निर्णय लिया गया था कि गठित 11 सदस्यीय कमेटी प्रकरण का संज्ञान लेगी और मंथन के बाद ही आगे की रणनीति तय होगी। बुधवार की दोपहर को खुद भाजपा नेता गठित कमेटी के सामने आते हैं और अपने द्वारा दिए गए बयान पर खेद जताते हुए कहा कि आवेश में आकर बयानबाजी की थी।

जिसका बेहद खेद है और उनका उद्देश्य है कि शहर की कौमी एकता बरकरार रहे ताकि आपसी भाईचारा कायम रखा जा सके। जिसके बाद कमेटी ने प्रकरण का पटाक्षेप करने का निर्णय लिया। इस मौके पर हरीश जल्होत्रा, सुरमुख सिंह विर्क, डॉ. प्रदीप अदलखा, जोगिंदर सिंह, राजकुमार फुटेला, महेश बब्बर, अजय चड्ढा, विजय जग्गा, सुरेंद्र सिंह रज्जी, रमेश मिड्ढा आदि मौजूद रहे।

मध्यस्थता से होगा वादों का समाधान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव योगेंद्र कुमार सागर ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर प्राधिकरण की ओर से जनपद में मेडिएशन फॉर द नेशन ड्राइव 2.0 के तहत मध्यस्थता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत मामलों की पहचान 31 जनवरी तक की जाएगी। जिसके माध्यम से दोनों पक्षों की सहमति से लंबित और पूर्व वाद मामलों का समाधान मध्यस्थता के जरिए किया जाएगा। बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने बताया कि इस अभियान के तहत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक अनादरण (चेक बाउंस), वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधित मामले, ऋण वसूली, उपभोक्ता विवाद, बेदखली, विभाजन, भूमि अर्जन सहित अन्य उपयुक्त दीवानी प्रकरणों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों पर बढ़ते वादों के भार को कम करना, पक्षकारों को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराना है।

घायल बुजुर्ग की हालत नाजुक

रुद्रपुर: कैंटर की टक्कर से साइकिल सवार एक बुजुर्ग की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार वार्ड-14 भदईपुरा निवासी अमित पाठक ने बताया कि 18 जनवरी की रात्रि साढ़े 8 बजे बुजुर्ग पिता गुड्डू पाठक साइकिल से मुख्य बाजार जा रहे थे। इस बीच किच्छा हाईवे पर तेज रफ्तार कैंटर ने साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे पिता लहूलुहान होकर नीचे गिर गए और नाजुक हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां बुजुर्ग को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

बदला लेने निकला युवक तमंचे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सूचना मिली कि एक युवक तमंचा लेकर बदला लेने की फिराक में है। पुलिस ने युवक को दबोच कर 32 बोर का तमंचा बरामद किया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसका एक युवक से झगड़ा हुआ है। जिसके बाद वह बदला लेना चाहता था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर दिया है।

27 जनवरी को कोतवाली दरोगा धीरज टम्टा गश्त कर रहे थे। इस बीच सूचना मिली कि रंपुरा चौकी इलाके में एक युवक तमंचा लेकर घूम रहा है और किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है। जिस पर पुलिस ने ब्लॉक रोड के अंदर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग की तो युवक पुलिस को देखकर भागने लगा।

पुलिस ने घेराबंदी कर सतीश कोली निवासी वार्ड-24 को 32 बोर के तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में युवक ने बताया कि उसका एक युवक से झगड़ा हो गया था और वह बदला लेने की फिराक में था।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण)
33/11 केवी उपसंस्थान परिसर, कमलुवागांजा हल्द्वानी (नैनीताल)
E-mail: erddh@yahoo.co.in फोन : (05946) 292040 फैक्स : (05946) 298318

पत्रांक : 386/वि०वि०ख० ग्रा० (ह०)/ दिनांक : 28/01/2026

ई निविदा समय विस्तार सूचना

विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), हल्द्वानी से प्रकाशित ई निविदा संख्या 65/2025-26, जो दिनांक 28.01.2026 को खोली जानी थी, अपरिहार्य कारणवश निविदा के खुलने की तिथि 03.02.2026 की जाती है, निविदा प्रपत्र दिनांक 04.02.2026 तक कार्यालय अवधि में प्राप्त किये जा सकते हैं।
निविदा की अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।

"राष्ट्रहित में बिजली बचायें"

(ई० एस०के० गुप्ता)
अधिशासी अभियन्ता

अपील

पंत विवि में शोध निदेशालय की ओर से 66वीं शोध सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

गुणवत्तायुक्त व लोगों की वास्तविक समस्याओं पर करें शोध

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार : विवि में शोध निदेशालय की ओर से 66वीं शोध सलाहकार समिति की दो दिवसीय बैठक प्रौद्योगिक महाविद्यालय में आयोजित की गई। कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का उद्देश्य वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं में किए जा रहे शोध कार्यों की समीक्षा और उत्तराखंड में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में लाभ के लिए भविष्य की योजना विकसित करना था।

बैठक में कुल नौ सत्रों में 59 शोध परियोजनाओं का कार्य विवरण अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत करने सहित भविष्य के शोध कार्यों के लिए सुझाव रखे गए। इस दौरान 150 से अधिक परियोजना समन्वयकों/अधिकारियों ने पिछले एक वर्ष में हुए शोध की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। निदेशक एवं कुलपति एनडीआरआई करनाल डॉ. धीर सिंह ने सुझाव दिया कि विवि को कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में शोध के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का प्रयास करना चाहिए। निदेशक एवं कुलपति आईवीआरआई बरेली डॉ. त्रिवेणी दत्त ने विकसित भारत 2047 के लिए नेक्स्ट जनरेशन एग्रीकल्चर पर जोर दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शोध बाजार की मांग से संबंधित होना चाहिए। निदेशक भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून डॉ. एम. मधु ने कम बजट में अच्छा शोध करने सहित सभी विभागों की उपलब्धियों का वार्षिक विवरण तैयार करने और विभाग स्तर पर समीक्षा का सुझाव दिया। निदेशक विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा डॉ. लक्ष्मीकांत ने शोध की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए बहुमूल्य सुझावों के साथ अगले पांच वर्ष की योजना बनाकर शोध करने का सुझाव दिया। अधिष्ठाता भरसार विवि डॉ. अरविंद बिजलवान ने उच्च गुणवत्तायुक्त शोध पत्रों के प्रकाशन और इकोसिस्टम सर्विस आधारित कार्य करने पर बल दिया। कुलपति डॉ. चौहान ने वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों को प्रसार केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी जोर दिया कि पर्वतीय कृषि एवं कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु शोध किए जाएं। इससे पूर्व निदेशक शोध डॉ. एसके वर्मा ने विगत एक वर्ष के शोध कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए अगले एक वर्ष का रोडमैप प्रस्तुत किया। इस दौरान अधिष्ठाता, निदेशक, नियंत्रक, सीपीओ व कुलसचिव सहित सभी अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। समापन पर संयुक्त निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह व डॉ. मंजुल कांडपाल ने आभार जताया।

बैठक को संबोधित करते कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

राज्य स्तरीय कराटे में शामिल होंगे नोजगे के तीन बच्चे

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल के तीन छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो तीन फरवरी से देहरादून में आयोजित प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे। कराटे प्रतियोगिता के लिए चयनित बच्चों में आठवीं के शशांक भंडारी, अमीषा बंसल और नवीं की छात्रा पलक राना का चयन रुद्रपुर में आयोजित ट्रायल के बाद हुआ है। जो देहरादून में आयोजित कराटे प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। प्रबंधिका ट्विंकल दत्ता ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कंजाबाग तिराहे पर स्थापित राष्ट्रीय ध्वज क्षतिग्रस्त

खटीमा : उपनेता प्रतिपक्ष विधायक खटीमा भुवन कापड़ी ने कंजाबाग तिराहे पर स्थापित राष्ट्रीय ध्वज का संज्ञान लेते हुए उसकी जर्जर स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया है। विधायक कापड़ी ने तिरंगे झंडे का तत्काल संज्ञान लेकर क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज को बदलने की मांग की है। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया से दूरभाष पर हुई वार्ता में उप नेता प्रतिपक्ष विधायक कापड़ी ने कहा कि कुछ माह पूर्व कंजाबाग तिराहे पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया था। जो वर्तमान में जर्जर हालत में पहुंच चुक है। उन्होंने तत्काल राष्ट्रीय ध्वज को ससम्मान नया तिरंगा स्थापित कराने का अनुरोध किया है।

दस साल बाद सरकारी अस्पताल में फिजिशियन तैनात

काशीपुर : करीब दस साल से रिक्त पड़े फिजिशियन की कमी अब दूर हो गई है। मंगलवार को चंपावत से स्थानांतरित होकर आई डॉ. कीर्ति मेहता ने चार्ज संभाल लिया। इससे मरीजों को अब प्राइवेट अस्पतालों के महंगे खर्च से राहत मिलेगी। राजकीय चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. संदीप दीक्षित ने बताया कि डॉ. कीर्ति ज्वाइन करने के बाद पच्चीस दिन के आकस्मिक अवकाश पर हैं। लौटने पर वह विधिवत चार्ज संभाल लेंगी।

भाजपा जिला प्रकोष्ठ संयोजक बने चावला

काशीपुर : भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी काशीपुर जिले के जिला प्रकोष्ठों के संयोजक व सह-संयोजक की घोषणा की गई है। इसमें जिला प्रकोष्ठ संयोजक मुकेश चावला और जिला प्रकोष्ठ सह-संयोजक पंकज कुमार मोनू को नियुक्त किया गया है। उन्होंने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

बारिश से रामनगर हाईवे पर गिरा पेड़

काशीपुर : मंगलवार की देर रात करीब 11 बजे तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। इससे काशीपुर-रामनगर हाईवे पर एक पेड़ गिर गया। रात में गिरे पेड़ की वजह से काफी देर तक यातायात बाधित रहा। इसके बाद सुबह के समय फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात सुचारू हो पाया। हालांकि पेड़ गिरने से कोई नुकसान नहीं हुआ था।

तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

काशीपुर : एनआई एक्ट, आबकारी अधिनियम में फरार चल रहे तीन वारंटियों को पुलिस ने पकड़ा। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने आबकारी अधिनियम में फरार चल रहे अजमेर सिंह निवासी दोहरी, राजा निवासी जगतपुर और एनआई एक्ट में फरार चल रहे गुरुदेव सिंह निवासी ग्राम ढकिया को पकड़ा। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

पंतनगर विवि को इस्पात मंत्रालय से मिली परियोजना के तहत शोध में जुटे वैज्ञानिक, सीमेंट व सड़क उद्योग में किया जा रहा उपयोग

अब कृषि की उर्वरता बढ़ाएगा इस्पात उद्योगों से निकला अपशिष्ट

मृगांक मौली, पंतनगर

अमृत विचार : खदानों से निकलने वाले लौह अयस्क को इस्पात उद्योगों में स्मेल्टिंग कर लोहा निकालने के बाद बाय प्रोडक्ट के रूप में अपशिष्ट पदार्थ रह जाते हैं। इन अपशिष्टों का भंडारण/निस्तारण इस्पात उद्योगों के लिए तो चिंता का कारण है ही, पर्यावरण के लिए भी चुनौती साबित हो रहे हैं।

जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ. एएस नैन ने बताया कि इस्पात उद्योग के बाय प्रोडक्ट में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स, एलिमेंट्स, टॉक्सिक एलिमेंट्स मौजूद रहते हैं, जो इन उद्योगों में किसी काम के नहीं होते हैं। इसलिए उनके यहां यह अपशिष्ट डंप पड़ा रहता है। इस अपशिष्ट का उपयोग अन्य क्षेत्रों जैसे सीमेंट व सड़क उद्योग में किया जा रहा है। कृषि में भी अम्लीय मृदा में इसका उपयोग किया जा रहा है। परंतु अन्य मृदाओं में इसका उपयोग वर्जित है। इस परियोजना के माध्यम से अन्य मृदाओं में भी इसके उपयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। बताया कि देश-विदेश में इस्पात के उत्पादन और खपत में तेजी से वृद्धि हो रही है। जिसके तहत बीते दिनों वैज्ञानिकों ने प्रक्षेत्र का भ्रमण किया।

शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण करते वैज्ञानिक। ● अमृत विचार

12 मिलियन टन अपशिष्ट हो रहा उत्पादित

पंतनगर : मौजूदा समय देश में 10-12 मिलियन टन अपशिष्ट का उत्पादन हो रहा है। जिसे उद्योगों को बैकयार्ड में स्टोर करने के लिए स्पेस का खर्चीला प्रबंध करना पड़ता है। इस अपशिष्ट की प्रवृत्ति क्षारीय होती है। इसकी भूमि में अधिकता होने पर भूमि बंजर हो जाती है। साथ ही इसमें भारी तत्व होते हैं, जो पानी के साथ भूमि में जाने पर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (मानव, जानवर, कृषि आदि) के लिए खतरनाक साबित होते हैं। लेकिन जो भूमि अम्लीय (देश में 35 प्रतिशत, लगभग 49 मिलियन हैक्टेयर) होती है उसके लिए यह अपशिष्ट संजीवनी का काम करता है। इस अपशिष्ट का अम्लीय भूमि में सीधे प्रयोग करने पर इसमें मौजूद टॉक्सिक एलिमेंट्स भूमि को बहुत नुकसान पहुचाएंगे।

पौधों की वृद्धि में सहायक होगा अपशिष्ट

पंतनगर : वैज्ञानिक इस प्रकार का फार्मुलेशन (खाद) तैयार कर रहे हैं, कि इसमें मौजूद माइक्रो न्यूट्रिएंट्स पौधे को मिलते रहें और शेष पदार्थ से अम्लीय भूमि में सुधार हो। इसको ऐसे समझा जा सकता है कि इस अपशिष्ट को जहां भंडारण किया जाएगा, वहां का पर्यावरण तो दूषित होगा ही, उद्योगों को इसके प्रबंधन में भी भारी खर्च वहन करना होगा। वहीं शोध के बाद इस अपशिष्ट से तैयार खाद अम्लीय भूमि व पेड़ पौधों के लिए तो वरदान साबित होगी ही उद्योगों को इसके प्रबंधन में होने वाले खर्च से भी निजात मिलेगी।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में निर्भय को सिल्वर

खटीमा: हिंद पब्लिक स्कूल के छात्र निर्भय सागर ने देहरादून में आयोजित खेल महाकुंभ के स्टेट लेवल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया है। निर्भय की इस उपलब्धि पर एमडी नीरज कुमार ने छात्र और कोच रंजीत मेहरा को बधाई दी है। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या पूजा जोशी, नीमा कन्याल, उपासना बिष्ट, रेनू सिंह, रोली सक्सेना, पूजा पांडे, मनीषा उपाध्याय, पुष्पा धामी, रजत भटनागर, विष्णु भाष्कर त्रिपाठी, टी डी पचोली, योगेश गुप्ता, राधिका पोखरिया, कविता चंद मौजूद रहे।

अधिकारियों, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिलाई गई शपथ

सम्पूर्णता अभियान 2.0 का हुआ शुभारंभ, 14 अप्रैल तक संकेतांकों का पालन करने के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नीति आयोग भारत सरकार के दिशा निर्देश पर जिला सभागार में सम्पूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और आशा, एएनएम और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पूर्णता आच्छादित करने के लिए शपथ दिलायी।

बुधवार को जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कहा कि आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी विकास खंड के तहत नीति आयोग भारत सरकार ने विभिन्न संकेतांकों में से आकांक्षी जनपद के लिए 5 संकेतांक और आकांक्षी विकास खंड कार्यक्रम के लिए 6 संकेतांक को चयनित किया है। इसके तहत 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक संकेतांकों को पूर्ण रूप से पालन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि संकेतांकों में मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण विभाग के संकेतांकों को सम्मिलित किया गया है। गर्भवती महिलाओं को शत-प्रतिशत पोषण आहार वितरित, सभी विद्यालयों में महिला शौचालय निर्माण कराना, गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने व शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराने के निर्देश दिए।

शपथ दिलाते डीएम, साथ में विधायक और महापौर। ● अमृत विचार

जनपद को बनाना है देश-प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जनपद

रुद्रपुर : विधायक शिव अरोरा व महापौर विकास शर्मा ने कहा कि निति आयोग के संकेतांकों में पिछड़े जनपद व ब्लॉक को भारत सरकार की ओर से आकांक्षी जनपद व ब्लॉक चिन्हित किये गये हैं। जिसमें जनपद ऊधमसिंह नगर व विकास खंड गदरपुर शामिल हैं। उन्होंने कहा हम सभी को समन्वय बनाते हुए कार्य कर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास कर जनपद को देश-प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जनपद बनाना है।

ये अधिकारी रहे मौजूद

मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष जोशी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जीमल सहित बड़ी संख्या में आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

वन्देमातरम् में शामिल हुईं प्रियंका

खटीमा: भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर आयोजित परेड में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम् की शानदार प्रस्तुति ने पूरे देश को भाव विभोर कर दिया था। इस आयोजन में शामिल होने का गौरव खटीमा की बेटी प्रियंका को भी मिला।

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रीय गीत " वन्देमातरम् " की प्रस्तुति में पूरे भारत से ढाई हजार बच्चों ने इस कल्चरल प्रोग्राम में शामिल होने का गौरव हासिल किया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्तराखंड से भी टीम शामिल हुई। जिसमें खटीमा के पूर्ति निरीक्षक हयात सिंह बुंगला की पुत्री प्रियंका को भी यह गौरव हासिल हुआ। प्रियंका के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने पर पिता हयात सिंह बुंगला और माता सावित्री देवी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

कार्यक्रम की वेशभूषा में प्रियंका।

सहभागिता प्रशिक्षण का द्वितीय चक्र शुरू

खटीमा में सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

● प्रधानाध्यापक के साथ जुड़कर छात्र हित में योजना बनाने को कहा

अमृत विचार: राजकीय प्राथमिक विद्यालय भूड़ाकिशनी में समग्र शिक्षा के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण के द्वितीय चक्र का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर वंदना के साथ किया गया।

प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी महेंद्र प्रताप पांडे ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के उपरांत विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के साथ जुड़कर छात्र हित में योजना बनाने को कहा। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में नामांकन कराने की अपील करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालय पब्लिक विद्यालय की अपेक्षा कई गुना अच्छे हैं और शिक्षक योग्य हैं। इसलिए अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालय में ही कराएं। रमेश चंद्र तिवारी, बलवंत सिंह खाती, सीआरपी स्वाति भट्ट, पूर्व ब्लॉक समन्वयक करुणेश सिंह ने प्रधानाध्यापकों और प्रबंध समिति के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर सचिव आनंद रस्तोगी, छाया, मंजीत कौर, सुनील दत्त भट्ट, घनश्याम सिंह, हरिंद्र सिंह, बीना पांडे सहित नौ विद्यालयों के 54 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बिजली चोरी पर की सख्त कार्रवाई

● विजिलेंस टीम ने 12 से अधिक लोगों पर की कार्रवाई

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: विद्युत विभाग की सतर्कता टीम ने नगर व क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापामार अभियान चलाया। इस दौरान 12 से अधिक लोग बिजली चोरी करते पकड़े गए। विभाग की ओर से सभी के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बुधवार को विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता उमाकांत चतुर्वेदी के नेतृत्व में विद्युत विभाग की विजिलेंस देहरादून और हल्द्वानी की टीम ने नगर सहित क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी की। अभियान के दौरान नगर व क्षेत्र में हड़कंप मच गया। छापेमारी में नगर के कई वार्डों में नौ लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके अलावा गूलरभोज क्षेत्र में 10 लोगों को कटिया डालकर विद्युत चोरी करते पकड़ा गया है। विभाग ने सभी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर विद्युत चोरी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया है। अधिशासी अभियंता द्वितीय रुद्रपुर उमाकांत चतुर्वेदी ने बताया कि क्षेत्र में विद्युत चोरी की रोकथाम हेतु अभियान चलाया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर उपखंड अधिकारी प्रकाश शाह, फरमान जैदी, जेई मेहताब अली, अफसान सैफी, अमित कुमार , पुनीत कुमार, कृतिका तिवारी आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में कार्रवाई करती विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम।

नागरिक चिकित्सालय में सम्मानित हुए छह शिक्षक

खटीमा: किशोर स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह शिक्षकों को गणतंत्र दिवस पर नागरिक चिकित्सालय में सम्मानित किया गया।

समारोह में उप जिला चिकित्सालय प्रभारी डॉ. केसी पंत ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की नोडल अधिकारी विजेता पांडे, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कल्याण सिंह की उपस्थिति में छह शिक्षकों रत्नाकर पांडे, मनोज कुमार चन्याल, कीर्ति बल्लभ गहतोड़ी, कमला बिष्ट, लक्ष्मी पोखरिया व पूजा भट्ट को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किशोर-किशोरियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए सम्मानित किया। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बारिश से सितारगंज रोड पर जलभराव

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नगर के मुख्य चौराहे से सितारगंज रोड के पट्टी विहीन मार्ग के दोनों ओर बीती रात्रि हुई हल्की बारिश से जलभराव की स्थिति बन गई है। जिसके चलते आम आदमी को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर के मुख्य चौराहे से सितारगंज रोड ग्राम भूड़ तक मार्ग के दोनों ओर अत्याधुनिक व्यावसायिक केन्द्रों के अलावा लगभग 12 से अधिक वित्तीय स्थान कार्यरत हैं। अत्यधिक भीड़भाड़ एवं आवाजाही वाले इस मार्ग पर अत्यधिक जाम की स्थिति रहती है। सीजन की हल्की बारिश से मार्ग की ऊबड़-खाबड़ पटरी में पानी भर गया। मार्ग के दोनों ओर अघोषित पार्किंग के चलते जाम की स्थिति रहती है। बारिश के बंद होने के एक दिन बाद भी निकासी के अभाव में मार्ग चलने वाली आम जनता के लिए परेशानी का कारण बना है। इस संबंध में पूछने पर लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता पीपी तिवारी ने बताया कि मार्ग के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का 25 करोड़ का स्टीमेट शासन को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि नगर के मुख्य चौराहे से थारु विकास भवन तक 15 करोड़ और लोहिया पुल के आगे तक 10 करोड़ का स्टीमेट शामिल है। एई तिवारी ने बताया कि धनराशि स्वीकृति होने के साथ ही जीर्णोद्धार का कार्य शुरू होगा।

खटीमा में सितारगंज मार्ग पर भरे पानी में आते जाते लोग। ● अमृत विचार

किच्छा में आयोजित रक्तदान शिविर में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

शिविर में 40 युवाओं ने किया रक्तदान

किच्छा : धरा सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित शिविर में करीब 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया तथा दर्जनों लोगों ने अपने नेत्रों की निशुल्क जांच कराई। धरा सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में रुद्रपुर चैरिटेबल ब्लड बैंक एवं प्रभु नेत्रालय के सहयोग से बाईपास स्थित कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी संजीव सिंह ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया और युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर के सफल आयोजन में रुद्रपुर चैरिटेबल ब्लड सेंटर के दिव्यांशु विश्वकर्मा, सत्यम शर्मा, अमित गंगवार, अलका एवं प्रभु नेत्रालय से डॉ. नगमा, रेनू सागर आदि का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर फाउंडेशन की अध्यक्ष विभा तिवारी, पल्लवी पांडे, संजय यादव, प्रदीप सिंह खालसा, डॉ राहुल गंगवार, चेतन गंगवार, ज्ञानेश मिश्रा, नाजिम जैदी, धनंजय सिंह आदि मौजूद रहे।

प्लॉट के नाम पर विधवा से धोखाधड़ी

खटीमा: ग्राम कंचनपुरी निवासी एक विधवा महिला से प्लॉट के नाम पर 4 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है।

पीड़िता नशरीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पति की मौत के बाद बीमा से मिले पैसों से उन्होंने अगस्त 2020 में ग्राम भैंसहा में एक प्लॉट खरीदा था। भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से किया गया, लेकिन विक्रेता ओमप्रकाश ने रजिस्ट्री प्रक्रिया बंद होने का बहाना बनाकर केवल नोटरी करा दी। पीड़िता का आरोप है कि जब उन्होंने प्लॉट पर निर्माण शुरू किया, तो आरोपी ने बुनियाद उखाड़ दी और विवाद की बात कहकर टालमटोल करने लगा। अब आरोपी न तो पैसे लौटा रहा है और न ही कब्जा दे रहा है।

दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से पदक प्राप्त करते प्रिंस सिंह राणा। ● अमृत विचार

एनसीसी कैडेट प्रिंस राणा को रक्षामंत्री पदक सम्मान

खटीमा : रतनपुर निवासी एनसीसी कैडेट प्रिंस सिंह राणा को नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा रक्षा मंत्री पदक से सम्मानित किया गया। कैडेट प्रिंस सिंह राणा ने अखिल भारतीय वायु सेना एनसीसी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फायरिंग प्रतियोगिता में प्रथम और ड्रोन फ्लाइंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रिंस की असाधारण प्रतिभा, अनुशासन एवं तकनीकी दक्षता को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। प्रिंस विपिन सिंह राणा का पुत्र है। वह वर्तमान में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से बीएससी एग्रीकल्चर का छात्र है इस अवसर पर 1-यूके एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, पंतनगर के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक रावत, एनसीसी अधिकारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट अजीत सिंह, फर्स्ट ऑफिसर नरेंद्र सिंह रौतेला ने प्रिंस को बधाई प्रेषित की है।

घर का ताला तोड़ कर चुराया सामान

सितारगंज: घर का ताला तोड़ कपड़े, जेवरात, बर्तन और अनाज चोरी करने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव साधुनगर निवासी जयंती रानी ने बताया कि 22 दिसंबर 2025 को वह खटीमा (ससुराल) से वापस अपने घर आई तो देखा कि घर के दरवाजें का ताला टूटा है। अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखा दो पीतल की परात, 30 तांबे के लोटे, 30 तांबे की थाली, एक जोड़ी चांदी की पायल, तीन सोने की लौंग, चांदी की 8 अंगूठी, 5 जोड़ी बिछिया, चार चांदी की माला सहित 6 क्विंटल गेहूं, 2 क्विंटल चावल और आधा क्विंटल धान गायब है। आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ की। लेकिन, कुछ पता नहीं चला।

उपखंड अधिकारी को मिला उत्कृष्ट सेवा सम्मान

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर स्थित विद्युत कार्यालय में उपखंड अधिकारी पद पर तैनात दिनेश चंद्र गुरुरानी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। एसडीओ गुरुरानी को विभाग ने उनकी बेहतर सेवाओं के लिए लगातार 14 वीं बार सम्मानित किया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर देहरादून में आयोजित समारोह में ऊर्जा निगम के एमडी अनिल यादव ने दिनेश गुरुरानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। किच्छा के विद्युत वितरण उपखंड में एसडीओ के पद पर कार्यरत दिनेश चंद्र गुरुरानी चार वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और उनकी उपलब्धियों में मुख्य रुप से बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाना रहा है। इसके अंतर्गत उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में बिजली चोरी को रोकने में अपना अहम योगदान दिया है।

एसडीओ दिनेश चंद्र गुरुरानी को सम्मानित करते एमडी अनिल यादव।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार,29 जनवरी 2026

सिटी ब्रीफ

भीम आर्मी ने किया जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन

काशीपुर : भीम आर्मी की ओर से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। दढियाल रोड स्थित एक रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष अमरीश कपिल पहुंचे। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ परिचय कर कार्यों की समीक्षा की है। उन्होंने पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने, नए सदस्य जोड़ने, संगठन को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती से काम करने का आह्वान किया। वहां पर जिलाध्यक्ष सौरभ कुमार एडवोकेट, उपाध्यक्ष जयविंदर सिंह, साहिल शाह, विजय सागर, मुलांशु शर्मा, प्रदीप जाटव आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

बाजपुर : रामराज रोड पर फौजी कालोनी के समीप मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। हादसा सड़क पर बने ब्रेकर के पास हुआ, जहां बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। बेरिया निवासी 35 वर्षीय पवन मंगलवार दोपहर लगभग एक बजे बाइक से कहीं जा रहा था। जैसे ही वह फौजी कालोनी के पास स्थित एक स्कूल के नजदीक बने ब्रेकर पर पहुंचा, उसकी बाइक असंतुलित होकर फिसल गई। हादसे में युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। लोगों की मदद से घायल युवक को उपजिला चिकित्सालय बाजपुर में भर्ती कराया गया है।

जसपुर में आज होगी भाकियू की मासिक पंचायत

जसपुर : भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत गुरुवार को अनाज मंडी सभागार में आयोजित होगी। भाकियू के युवा ब्लॉक अध्यक्ष अमनप्रीत सिंह ने बताया कि 28 तारीख को होने वाली मासिक पंचायत अब 29 जनवरी को 11 बजे अनाज मंडी सभागार में होगी। बैठक में धान के भुगतान को लेकर चर्चा की जायेगी।

किसान नेता के 90 हजार रुपये डकारे

बाजपुर : भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा ने एक युवक पर 90 हजार रुपये की उधारी न चुकाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। पीड़ित के अनुसार, करीब डेढ़ वर्ष पूर्व ग्राम नमूना निवासी एक युवक ने पपीते के पेड़ और दवाइयां खरीदने के नाम पर उनसे यह रकम उधार ली थी। आरोपी ने एक-दो माह में पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन समय बीतने के बाद भी टालमटोल करता रहा। अब आरोपी ने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया है, जिससे उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। पीड़ित किसान नेता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई कर अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग

काशीपुर : आदर्श जाटव कल्याण समिति ने निगम परिसर में फव्वारे के ऊपर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग की है। आदर्श जाटव कल्याण समिति ने बुधवार को सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल सुमन को ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने कहा कि नगर निगम परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की योजना प्रस्तावित है। बीते दिनों में वर्तमान मेयर और पूर्व मेयर से भी इस विषय पर विचार विमर्श हो चुका है। संगठन पदाधिकारियों ने एसएनए से निगम परिसर में फव्वारे के ऊपर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग की है। इस मौके पर संगठन अध्यक्ष धन सिंह, कृपाल सिंह, नवल सिंह आजाद, जगपाल सिंह, शेर सिंह, किशोर कुमार, राधेश्याम आदि मौजूद रहे।

जसपुर के ठाकुर मंदिर में 8 को होगी शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

कई राज्यों के संत एवं महात्मा होंगे शामिल, 8 दिन यज्ञ और पूजा होगी, 9 को भंडारा

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: क्षेत्र के विख्यात ठाकुर मंदिर में नवनिर्मित शिव मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अब आगामी 8 फरवरी को तीन फीट ऊंचे शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा होगी। बीते कई महीनों से इसके लिए मंदिर में तैयारियां की जा रही हैं। शिवलिंग स्थापना से पहले 8 दिन तक लगातार नित्य यज्ञ, पूजा एवं कथा का आयोजन होगा। मन्दिर के महंत बाबा भगवत दास ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 फरवरी की सुबह नगर में मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 2 फरवरी से 9 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह से दोपहर तक यज्ञ, पूजन एवं शाम के समय कथा होगी। 8 फरवरी को नगर भ्रमण के बाद देहरादून के आचार्य खीमानन्द भट्ट द्वारा विधि विधान के साथ मंत्रोच्चारण कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी तथा 9 फरवरी को पूर्णाहुति कर विशाल भंडारे का आयोजन होगा। बताया कि अफजलगढ़ रोड स्थित स्वागत मंडप में विशाल भंडारे की व्यवस्था की गयी है। विशाल भंडारे के बाद आगामी 10 फरवरी को विदाई भंडारे का आयोजन किया जायेगा। महंत ने बताया कि शिवलिंग स्थापना के साथ मंदिर में शिव परिवार, नन्दी, भगवान गणेश, गोल्ज्यू देवता, मां गायत्री, मां सरस्वती, मां जगदम्बा समेत 15 देवी देवताओं की स्थापना होगी। बताया कि प्राण प्रतिष्ठा में उत्तराखंड के अलावा हिमाचल प्रदेश, यूपी, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि प्रदेशों के संत एवं महात्मा शामिल होंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं को यज्ञ एवं प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर स्थानीय कारसेवक व्यवस्थाओं में जुटे हैं। वहीं इस बार महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर पवित्र गंगा जल लेकर आने वाले शिव भक्त भी नवनिर्मित विशाल शिव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे।

जसपुर में बना शिव मंदिर। ● अमृत विचार

12 वर्ष लगे 127 फीट ऊंचे नवनिर्मित शिव मंदिर के निर्माण में

जसपुर : ठाकुर मंदिर में स्थित 127 फीट ऊंचे शिव मन्दिर के निर्माण में करीब 12 वर्ष लग गये। मन्दिर के महंत बाबा भगवत दास जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 दिसंबर 2013 को गुरुजनों के आशीर्वाद एवं ईश्वर की कृपा से शिव मंदिर निर्माण की नींव रखी गयी थी। स्थानीय कारीगरों के अलावा यूपी के जिला रामपुर से आये कारीगरों ने मंदिर निर्माण में नक्काशी कर अद्भुत रूप दिया। मन्दिर के अन्दर बने विशाल शेषनाग, नीचे से शिखर तक स्थापित 108 कलश तथा शिखरों पर बने सर्प एवं मयूर देखते ही बनते हैं। पूर्णत: टाईल्स द्वारा ही मन्दिर को रंग दिया गया है। मन्दिर को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। बताते हैं कि इतना ऊंचा मंदिर दूर-दूर तक नहीं है। बताया कि मंदिर में स्थापना के लिए आयी मूर्तियां कई कुंतल वजनी हैं जो हरिद्वार से मंगायी गयी हैं।

नायरा इंटरनेशनल स्केटिंग बेलारूस में करेंगी प्रतिभाग

नायरा अलीना।

खटीमा: महाराष्ट्र मुंबई में आयोजित नेशनल स्केटिंग कंपटीशन में कादरी कॉलोनी की नायरा अलीना ने हरियाणा स्टेट की तरफ से खेलते हुए स्केटिंग कंपटीशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब वे जून में यूरोप के बेलारूस में होने वाले इंटरनेशनल स्केटिंग कंपटीशन में प्रतिभाग करेंगी। नौ वर्षीय नायरा अलीना जीडी इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम हरियाणा में तीसरी कक्षा की छात्रा हैं। नायरा की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बधाई दी है। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने अलीना के पिता शमशुल हसन को सम्मानित किया। इस अवसर मनोज वाधवा, अनवर मलिक क्षेत्र पंचायत सदस्य, कमलेश सिंह, ठाकुर जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, सभासद नफीस अहमद, विजय कुमार, शुभम पटवा, अर्पित कॉलोनी आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के निर्णय का किया पूर्ण समर्थन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने यूजीसी के दूरदर्शी निर्णय का पूर्ण समर्थन किया है और सभी उच्च शिक्षा संस्थानों से यूजीसी समता के संवर्धन विनियम-2026 का पालन करने का आह्वान किया है।

बुधवार को गौतम नगर स्थित जिलाध्यक्ष हरिओम सिंह के आवास पर अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी समता के संवर्धन विनियम-2026 उच्च शिक्षा में सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अधिसूचित यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन संबंधी) विनियम-2026 उच्च शिक्षा में सामाजिक न्याय, समान अवसर एवं समावेशन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं सराहनीय पहल है। कहा कि इन विनियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में लंबे समय से व्याप्त जाति-आधारित भेदभाव को समाप्त कर सभी वर्गों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए भयमुक्त, सम्मानजनक एवं समान वातावरण का निर्माण करना है। पहली बार इन विनियमों में अनुसूचित जाति, जनजाति के साथ साथ अन्य पिछड़ा वर्ग को भी स्पष्ट रूप से कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है, जो सामाजिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार है। एसोसिएशन यूजीसी के इस दूरदर्शी निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और सभी उच्च शिक्षा संस्थानों से यूजीसी समता के संवर्धन विनियम-2026 का पालन करने का आह्वान किया है।

मालवाहक वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए

काशीपुर: 36वां सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत यातायात ट्रैफिक पुलिस की ओर से मालवाहक वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। यातायात निरीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस क्षेत्र भर में भारी वाहन ट्रैक्टर-ट्रॉली, ट्रक, माल वाहनों और अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगा रही है। वहीं टांडा तिराहे पर टेंपो, मैजिक, ई-रिक्शा चालकों और राहगीरों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर टीएसआई रमेश कुमार, होमगार्ड विशाल, नसीम, विजेंदर आदि मौजूद रहे।

जसपुर में भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

जसपुर के कटारमल मंदिर में हुआ भंडारा

जसपुर : ग्राम मंडुवाखेड़ा स्थित कटारमल मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। काशीपुर निवासी कपिल चौधरी एवं सविता सिंह ने बुधवार को मंदिर में विधि विधान से मंत्रोच्चारण के साथ पूजा पाठ कर हवन किया। इस दौरान हजारों संख्या में मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाया एवं मन्नते मांगी। पूजा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कतार में बैठ कर प्रसाद ग्रहण किया। कटारमल मंदिर क्षेत्र में दूर-दूर तक विख्यात है। स्थानीय लोगों के अलावा यूपी के जिला मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर से भी श्रद्धालु मंदिर में पूजा करने आते हैं। इस मौके पर चौधरी रामपाल सिंह पधान, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, जगत सिंह, चंद्रपाल सिंह, शरद चौधरी, कुलदीप सिंह, शोभा देवी, सरिता, प्रीति, रानी, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर पर हुक्का मांगने को लेकर विवाद

बाजपुर: मुख्यमार्ग स्थित एक मेडिकल स्टोर पर हुक्का मांगने के विवाद में युवक ने संचालक के साथ मारपीट कर दी। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम भोना कॉलोनी निवासी एक व्यापारी के मेडिकल स्टोर पर एक युवक अपने दोस्त का हुक्का लेने पहुंचा था। संचालक द्वारा हुक्का उसके मालिक को ही देने की बात कहने पर युवक भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा।विवाद बढ़ने पर युवक ने मेडिकल संचालक के साथ हाथापाई की, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के व्यापारियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के बाद पीड़ित संचालक ने कोतवाली में आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉक्टर आपके द्वार के तहत नगरा तराई पहुंचा चिकित्सकीय वाहन

● चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित कीं

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: " डॉक्टर आपके द्वार " कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य वाहन सीमावर्ती गांव नगरा तराई पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाएं वितरित कीं और लोगों को बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के संबंध में जानकारी दी।

सीएमसी जिला प्रबंधक भूपेश रावत के नेतृत्व में नगरा तराई पहुंचे स्वास्थ्य वाहन की टीम द्वारा दो दर्जन से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्रबंधक रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मई 2025 में यह योजना दुरस्त के गांवों के लिए शुरू की गई थी जहां मरीजों को स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल पाती है। उन्होंने कहा कि इस योजना को सीएमसी, आरईसी और डिजिटल इंडिया के माध्यम से चलाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

खटीमा के नगरा तराई में पहुंचा डॉक्टर आपके द्वार चिकित्सा वाहन। ● अमृत विचार

कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

काशीपुर: कुंडेश्वरी चौकी क्षेत्र के तहत ग्राम शिवलालपुर डल्लू में पुलिस ने महिला को कच्ची शराब के पाउच के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बीते दिन सुबह लगभग 10:25 बजे, डायल 112 पर एक व्यक्ति ने सूचना दी कि शिवलालपुर डल्लू क्षेत्र में एक महिला अवैध रूप से शराब बेच रही है। सूचना मिलते ही कुंडेश्वरी चौकी से उप निरीक्षक कंचन कुमार पडलिया के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने कुंडेश्वरी रोड स्थित प्रभजोत ब्यूटी पार्लर वाले रास्ते से होते हुए ग्राम शिवलालपुर डल्लू में दबिश दी। वहां एक कच्चे-पक्के मकान के बाहर सीढ़ियों के पास खड़ी महिला की तलाशी ली गई। उसके पास से 43 पाउच अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। महिला ने अपना नाम अमर कौर बताया।

तुर्कागौरी में किया बेहड़ का स्वागत

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: विधानसभा अंतर्गत ग्राम तुर्कागौरी में एक किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर ग्रामीणों द्वारा विधायक तिलक राज बेहड़ का फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। करीब 78 लाख रुपए की लागत से ग्राम तुर्कागौरी में सड़क निर्माण की क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों से स्वीकृति मिलने पर ग्राम वासियों ने विधायक बेहड़ का आभार जताया। इस दौरान ग्राम स्थित मंदिर में दर्शन पूजन कर विधायक बेहड़ ने प्रदेशवासियों एवं ग्राम वासियों के सुख - समृद्धि, शांति एवं लोक कल्याण की कामना की। ग्राम तुर्कागौरी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक बेहड़ ने कहा कि उनके द्वारा लगातार ग्राम स्थित एक किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा था और अब राज्य योजना के तहत सड़क निर्माण को स्वीकृति प्राप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी क्योंकि क्षतिग्रस्त सड़क के कारण ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों को आवाजाही में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मौके पर जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्य, राजेश प्रताप सिंह, मेजर सिंह, दिलीप सिंह बिष्ट, गुलशन सिंधी, राजेंद्र वर्मा, विशन सिंह कोरंगा, लियाकत अली, महेश यादव, अशरफ अली, नसीब अंसारी, रणजीत सिंह, रामवृक्ष यादव, देवी प्रसाद शर्मा, शिशुपाल यादव, दिव्यांशु यादव, उमेश कुमार, गौरव आर्य आदि मौजूद रहे।

किच्छा में सम्मान के दौरान मौजूद विधायक बेहड़। ● अमृत विचार

गन्ने की बुवाई की जानकारी दी गई

काशीपुर: गन्ना किसान संस्थान एवं प्रशिक्षण केंद्र काशीपुर की ओर से गन्ना विकास परिषद नादेही परिक्षेत्र के ग्राम महुआखेड़ा गंज में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए गन्ना विभाग के प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने आगामी बसंत कालीन गन्ने की बुवाई जैसे विषय में किसानों को अवगत कराया। बताया कि गन्ने की कृषि में गहराई तथा दूरी का बहुत महत्व है। गहराई में गुल खोलकर गन्ने की बुवाई करे तथा दूरी बनाए रखें, जिससे कि गन्ने को फैलाव में मदद मिलेगी। कहा कि प्रत्येक गन्ना कृषक अपनी खेत का निरीक्षण करें तथा जो भी बीमारी के लक्षण उसमें पाए जाए उसका फोटो लेकर गन्ना शोध केंद्र के वैज्ञानिकों को प्रेषित करें।

मानसिक दक्षता का परिचय दिया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सीआरसी चकरपुर में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय अबेकस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बाजपुर विकासखंड के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के चयनित एवं होनहार छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। तीन चरणों में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी तेज गणना क्षमता और मानसिक दक्षता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामनगर के छात्र सचित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान राजकीय प्राथमिक विद्यालय टांडा अमीचंद के छात्र रूप सिंह को मिला, जबकि तृतीय स्थान राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरलालपुर के छात्र दीपक ने हासिल किया। अबेकस प्रतियोगिता का सफल आयोजन अबेकस समन्वयक मोहन लाल साह, बीआरसी समन्वयक पंकज रस्तौगी एवं शिवानी अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता के दौरान पारदर्शिता एवं निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर विवेक चौहान, दीपक सागर, डोरी लाल, दीवान सिंह बिष्ट, सुंदर राम आर्या, पवन कुमार, नरेश कुमार, नरेश चौहान, आशीष दीक्षित, अंकित कुमार, मौ. असलम, इरफान अहमद, फतेह खां, गुरवचन सिंह, शिवांकित लोचक, नेहा रानी मौजूद रहे।

अबेकस प्रतियोगिता में प्रथम रहे छात्र सचिन को सम्मानित करते बीआरसी समन्वयक।

पहल | "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" के अंतर्गत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

1448 लोगों ने उठाया सरकारी योजनाओं का लाभ

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजना "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" के अंतर्गत न्याय पंचायत सरकड़ी (विकास खंड बाजपुर) के पंचायत भवन बरवाला में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाया।

शिविर में कुल 1500 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें से 1448 लाभार्थियों को मौके पर ही विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान 24 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शिविर में कुल 34 विभागों के स्टाल लगाए गए थे। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 461 सामान्य प्रमाण पत्र जारी किए गए जिसमें एक दिव्यांग प्रमाण पत्र, छह आयुष्मान कार्ड, सात मनरेगा जाब कार्ड, नौ परिवार रजिस्टर नकल, सात जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आठ राशन कार्ड निरस्तीकरण, 292 यूसीसी प्रमाण पत्र, 47 जाति, स्थायी एवं आय प्रमाण पत्र, दो उत्तरजीवी प्रमाण पत्र, दो हैसियत प्रमाण पत्र, तीन यूडीआईडी, 15 नए राशन कार्ड, सात श्रम कार्ड, तीन दिव्यांग बस पास तथा पांच मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए। इसके अलावा 24 आधार अपडेट/करेक्शन और 23 नए आधार कार्ड बनाए गए। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय, जबकि विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष शशि प्रीत सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर कौस्तुभ मिश्र ने की। शिविर के नोडल अधिकारी अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड काशीपुर अमित कुमार गुप्ता रहे। इस मौके पर उपजिलाधिकारी बाजपुर डा.अमृता शर्मा, बीडीओ शेखर जोशी आदि मौजूद रहे।

केलाखेड़ा में आयोजित शिविर में लाभार्थी को योजना का चेक देते विधायक अरविंद पांडेय।

शिविर में 52 समस्याओं का मौके पर निस्तारण

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत निकटवर्ती ग्राम नारायणपुर स्थित न्याय पंचायत में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित हुआ। अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने शिविर में आई समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक, महालक्ष्मी किट, टूल किट, कंबल, प्रमाण पत्र आदि वितरित किए गए। इस मौके पर 24 विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर क्षेत्र वासियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए शिविर में 670 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण/टीकाकरण व दवा वितरित की गई। जबकि 38 लोगों के एक्स-रे, होम्योपैथिक विभाग द्वारा 168 एवं आयुर्वेद यूनानी विभाग द्वारा 182 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवा बांटी गई। शिविर में 97 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 52 शिकायत एवं समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस दौरान 10 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, 10 महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, 11 कुपोषित बच्चों की जांच, 6 पात्रों को पीएम मातृ वंदन योजना, दो दिव्यांग प्रमाण पत्र, 31 विभिन्न पेंशन, आधा दर्जन छात्राओं को शिक्षा विभाग द्वारा साइकिल खरीदने के लिए धनराशि का चेक, 12 लाभार्थियों को टूल किट, छाता एवं कंबल वितरण किए गए। मौके पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडे, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश आर्य, तहसीलदार दिनेश कुटोला, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, दर्जा राज्यमंत्री खतीब अहमद, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, क्षेत्र पंचायत सदस्य नेहा, जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्य, ग्राम प्रधान वीरेंद्र यादव, दीपिका देवी, गुरमीत सिंह, राजेश तिवारी, लघु सिंचाई विभाग अधिशासी अभियंता सुशील कुमार, मत्स्य विभाग सहायक निदेशक संजय छीमवाल, खंड विकास अधिकारी असित आनंद आदि मौजूद रहे।

किच्छा में आयोजित शिविर में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करते अतिथि।

ब्रीफ न्यूज

पंडित बद्रीदत्त पांडे परिसर में हुए कार्यक्रम

बागेश्वर : पंडित बद्रीदत्त पांडे परिसर में स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परिसर की स्थापना 27 जनवरी 2021 को हुई थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि किशन सिंह मलड़ा तथा विशिष्ट अतिथि व्यापारी नरेंद्र सिंह उपस्थित रहे, जिनका परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पदम् पौधे के पौधारोपण के साथ हुआ, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया। विशिष्ट अतिथि ने शिक्षा के साथ संस्कारों और कानून के सम्मान पर बल दिया। अंत में परिसर निदेशक डॉ. कमल किशोर जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ग्राम थापला में खेलकूद कार्यक्रम आयोजित

रानीखेत : विकासखंड के ग्राम थापला में गणतंत्र दिवस पर ग्राम प्रधान आकांक्षा रावत की पहल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। निर्णय लिया गया कि अब ग्राम पंचायत में प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। ध्वजारोहण के बाद विभिन्न वर्गों की खेलकूद प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिसमें बच्चों की जलेबी दौड़ विशेष आकर्षण रही। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की सचिव विमला रावत ने ग्राम स्तर पर ऐसे आयोजनों को नई पीढ़ी में देशभक्ति व राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने वाला बताया। कार्यक्रम में रेंजर तापस मिश्रा आदि रहे।

क्वारब के पास ट्रक फंसने से घंटों लगा रहा जाम, यात्री रहे परेशान

क्वारब के पास लगातार मलबा आने से मुसीबत का सबब बनता जा रहा अल्मोड़ा हाईवे

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब के पास बदहाल सड़क से आवगमन को लेकर दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार रात मार्ग में ट्रक के फंसने से हाइवे में घंटों यातायात बाधित रहा। इससे यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दरअसल, क्वारब की दरकती पहाड़ी और बदहाल सड़क की समस्या से निजात को लेकर इन दिनों ट्रीटमेंट का कार्य चल रहा है। इससे आए दिन लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मंगलवार रात भारी बारिश के बीच मार्ग किचड़ में तब्दील हो गया। इस दौरान मार्ग में एक ट्रक फंस गया। जिससे हाइवे में बुधवार सुबह तक जाम लगा रहा। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची प्रशासन की जेसीबी ने सड़क में फंसे ट्रक को कड़ी मशक्कत के बाद निकाला। जिसके बाद घंटो की मशक्कत के बाद किसी तरह यातायात सुचारू हो सका।

लंबे समय से बदहाल सड़क का स्थानीय समाधान नहीं होने से लोगों ने नाराजगी जताई। कहा कि क्वारब मार्ग से यात्रा करना मुसीबत बनते जा रहा है। आरोप लगाए की अब तक मार्ग को दुरस्थ नहीं किया जा सका है। जिसका खामियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

हल्द्वानी हाइवे के क्वारब के पास जाम में घंटों फंसे रहे वाहन। ● अमृत विचार

दिन भर रुक-रुक कर लगता रहा जाम

क्वारब सड़क की बदहाली के कारण लोग परेशान हैं। सड़क से सुचारू रूप से वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। समय-समय पर जाम लगने से दिन भर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। बुधवार को भी रुक-रुक कर क्वारब पर जाम लगता रहा। काफी देर तक लोग पहाड़ी के अगले छोर तक पहुंचने का इंतजार करते रहे। क्वारब का छोटा सा हिस्सा पार करने में लोगों को घंटों का समय लग गया। कई लोगों ने एनएच छोड़कर वैकल्पिक मार्गों का सहारा लिया।

अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे के क्वारब के पास सड़क में किचड़ की वजह से एक ट्रक फंस गया था। जानकारी मिलते ही जेसीबी के माध्यम से फंसे ट्रक को हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया था।

-अशोक चौधरी, ईई एनएच।

मजदूर को कार ने मारी टक्कर हालत गंभीर

अल्मोड़ा : नगर के कर्नाटक खोला के पास सड़क किनारे काम कर रहे मजदूर को एक कार ने टक्कर मार दी। जिससे मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। बेस अस्पताल में उपचार के बाद घायल की गंभीर हालत को देख उसे हॉयर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, तहरीर के बाद पुलिस ने आरोपी कार चालक पर मुकदमा दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार जैतियां पश्चिमी चंपारण बिहार निवासी रूपेश शाह अल्मोड़ा के गंगोला मोहल्ला में रहकर अपने साथियों के साथ मजदूरी का काम करता है। उसका कहना है कि 26 जनवरी को उसका साथी राम चंद्र साह नगर के लोअर माल रोड में कर्नाटखोला के पास सड़क किनारे निर्माण कार्य में जुटा था। इसी दौरान बागेश्वर नंबर की तेज रफ्तार कार ने राम चंद्र को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में साथी मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मजूदर को बेस अस्पताल ले गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को गंभीर बताते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इधर, कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

पदोन्नत वेतनमान की मांग को गरजे कर्मचारी

धौलादेवी ब्लॉक मुख्यालय में बुधवार को प्रदर्शन करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- कर्मचारियों ने धौलादेवी ब्लाक मुख्यालय के प्रागंण पर प्रदर्शन कर जताया विरोध

अमृत विचार: केंद्र की भांति मकान किराए भत्ता दिए जाने समेत 18 सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं होने से कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ते जा रहा है। आक्रोशित कर्मचारियों ने चरणबद्ध आंदोलन के तहत बुधवार को धौलादेवी ब्लाक मुख्यालय के प्रागंण पर प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जल्द समस्याओं का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन का ऐलान किया।

मौके पर कर्मचारियों ने कहा कि कार्मिक सेवाकाल में तीन पदोन्नति प्राप्त न कर सकने पर 10, 16, एवं 26 वर्ष की सेवा के बाद एसीपी के अंतर्गत पदोन्नत वेतनमान देने, गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को दूर करने, पुरानी पेंशन बहाल करने समेत 18 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। कहा कि पूर्व में विभिन्न माध्यमों से शासन प्रशासन से समस्याओं के समाधान की गुहार लगा चुके हैं। लेकिन अब तक कर्मचारियों की समस्याओं पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। कहा कि समस्याओं के समाधान को सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर कार्मिकों का आक्रोश बढ़ते जा रहा है। यहां राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष उमापति पांडेय, कमलेश बृजवाल रोहित तिवारी, मुकेश पुनेठा, नीरज कुमार, तरुण पांडे, सुशील कुमार, नारायण राम आदि मौजूद रहे।

छात्राओं के भावनात्मक विकास पर चर्चा

- एनसीआरटी द्वारा शिक्षकों एवं वार्डन्स के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी) द्वारा शिक्षकों एवं वार्डन्स के लिए गाइडेंस एंड काउंसलिंग विषय पर केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों व छात्रावासों में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक विकास को सशक्त बनाना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान किशोरावस्था की समस्याएं, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण, करियर मार्गदर्शन, व्यवहारिक परामर्श, भावनात्मक संतुलन एवं जीवन कौशल विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। देश के विभिन्न राज्यों से चयनित शिक्षकों एवं वार्डन्स ने इसमें सहभागिता की। उत्तराखंड से चार वार्डन्स का चयन किया गया, जिनमें कस्तूरबा गांधी विद्यालय टनकपुर की वार्डन प्रेमा ठाकुर का चयन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट एवं खंड शिक्षा अधिकारी भारत जोशी ने प्रशंसा करते हुए बधाई दी और इसे छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

टनकपुर कस्तूरबा गांधी विद्यालय की वार्डन प्रेमा ठाकुर को सम्मानित करते अतिथि।

मुख्य व बैक परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

रानीखेत: स्वर्गीय जयदत्त बेला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा की स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषम सेमेस्टर की मुख्य व बैक परीक्षाएं शांतिपूर्ण, संपन्न हुईं। परीक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया।

परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए परीक्षा कक्षों का समय-समय पर निरीक्षण किया गया तथा उड़नदस्ते की तैनाती भी की गई। परीक्षा नियंत्रक एवं पर्यवेक्षकों द्वारा भी परीक्षा केंद्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि अथवा अव्यवस्था की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।

हर्षोल्लास से मना 77वां गणतंत्र दिवस

- जिले भर में प्रभात फेरियां निकाली गईं व कार्यक्रम आयोजित हुए

टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार: 77वां गणतंत्र दिवस जनपद चम्पावत में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, धर्मनिरपेक्षता एवं सांप्रदायिक सौहार्द की भावना के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। मैदानी क्षेत्र टनकपुर व बनबसा सहित जिले भर में प्रभात फेरियां निकाली गईं और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

चम्पावत में कलेक्ट्रेट परिसर एवं पुलिस लाइन में जिलाधिकारी मनीष कुमार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में पुलिस जवानों ने बैंड के साथ आकर्षक परेड प्रस्तुत कर सलामी दी। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समां बांधा। परेड में आईटीबीपी, एसएसबी, नागरिक व महिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, अग्निशमन, डायल-112, एसडीआरएफ सहित विभिन्न दल शामिल रहे। परेड में प्रथम स्थान आईटीबीपी, द्वितीय एसएसबी व तृतीय एनसीसी को मिला। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। एसपी अजय गणपति ने भी सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

चम्पावत में ध्वजारोहण कार्यक्रम में डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी।

टैक्सी यूनियन ने किया एटीएस का विरोध

टनकपुर : टनकपुर में टैक्सी यूनियन महासंघ कुमाऊं मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें चम्पावत के अलावा सभी टैक्सी यूनियनों ने प्रतिभाग किया। बैठक में एटीएस (आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) को लेकर गंभीर नाराज़गी जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि जिन जनपदों में एटीएस कार्यालय नहीं हैं, वहां के टैक्सी व अन्य व्यावसायिक वाहनों को दो से चार सौ किलोमीटर दूर जाकर वाहनों की फिटनेस करानी पड़ रही है। इससे न केवल समय और धन की भारी बर्बादी हो रही है, बल्कि रोज़गार पर भी सीधा असर पड़ रहा है। कहा कि कुमाऊं मंडल में करीब 35 हजार टैक्सी वाहन संचालित हैं, और लगभग एक लाख लोग प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से परिवहन कारोबार से जुड़े हुए हैं। सरकार की इस नीति के विरोध में महासंघ ने बंद और चक्का जाम का ऐलान किया। बैठक में कुमाऊं टैक्सी यूनियन अध्यक्ष ठाकुर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज कुमार भट्ट, टनकपुर अध्यक्ष मदन कुमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं टैक्सी चालक मौजूद रहे।

सिद्धेश्वरी मंदिर में खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण करते लोग। ● अमृत विचार

सिद्धेश्वरी और हनुमान गढ़ी में माघी खिचड़ी का आयोजन

अल्मोड़ा : विकासखंड हवालबाग के सिद्धेश्वरी मंदिर और क्वारब स्थित हनुमान गढ़ी में धर्मजागरण समन्वय कुमाऊ मंच की ओर से माघी खिचड़ी का आयोजन किया गया। इस दौरान सड़कों की संख्या में भक्तों ने भंडारे में पहुंच प्रसाद ग्रहण किया। पूजा अर्चना के बाद दोपहर खिचड़ी का भंडारा शुरू हुआ। भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए नगर के महिला, पुरुष, बच्चे, व्यापारी, कर्मचारी सहित सभी वर्गों के लोग उमड़े। भंडारे में मेयर अजय वर्मा, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, कुंदन लटवाल, अंकित पांडे, नरेंद्र बगड़वाल, गोविंद सिंह पिलख्वाल, पवन नगरकोटी, मोहित अधिकारी, दीपू तिवारी, बिट्टू थापा, अरविंद जोशी, रवि रौतेला, मनीष तिवारी समेत कई लोगों ने सहयोग दिया।

गौरव सेनानी कल्याण समिति की नई कार्यकारिणी गठित

कैप्टन भानी चंद।

बनबसा : गौरव सेनानी कल्याण समिति, पूर्व सैनिक संगठन बनबसा-टनकपुर की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से कैप्टन मोहन चंद्र त्रिपाठी को मुख्य चुनाव अधिकारी तथा सूबेदार बुद्धि बल्लभ पांडे को उपचुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। पूर्व अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद को पुन: अध्यक्ष पद पर बनाए रखने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी पूर्व सैनिकों ने ध्वनि मत से से पारित किया। कैप्टन गोविंद बल्लभ भट्ट को सचिव, कैप्टन चंद्रशेखर गहतोड़ी को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह अधिकारी को उपकोषाध्यक्ष तथा हरिश्चंद्र कपड़ी को उपाध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद ने सभी पूर्व सैनिकों का आभार व्यक्त करते हुए समिति को और अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाने का भरोसा दिलाया।

यूजीसी के नए नियम समानता के खिलाफ

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचार: 13 जनवरी से लागू यूजीसी के नए नियमों को लेकर लगातार विरोध बढ़ रहा है। टनकपुर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रहे दीप चंद्र पाठक ने नए नियमों को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं।

दीप चंद्र पाठक।

कहा कि इससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, बल्कि सामाजिक संतुलन भी बिगड़ने का खतरा है। ये नियम ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'' की भावना के भी खिलाफ है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र भेज नए विवादित नियमों को वापस लेने की मांग की है। दीप पाठक ने कहा है कि नई पीढ़ी जातिवाद से ऊपर उठकर समान शिक्षा चाहती है। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, न कि विभाजन पैदा करना। लेकिन ये नियम न सिर्फ अविश्वास पैदा करेंगे, बल्कि शिक्षा में समानता और योग्यता आधारित व्यवस्था के भी विपरीत हैं। कानून को समावेशी होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी को समान रूप से संरक्षण मिले।

नैना तिवारी को पुरस्कार प्रदान करतीं जिलाधिकारी।

समाजसेवा के लिए नैना लोहुमी सम्मानित

बागेश्वर : समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर जौलकांडे की पूर्व उपप्रधान नैना लोहुमी तिवारी सहित अन्य पांच लोगों को सम्मानित किया गया। नुमाइश मैदान में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या और विधायक पार्वती दास ने संयुक्त रूप से सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नैना तिवारी लोहुमी और रेखा गोस्वामी को सम्मानित किया गया। उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दलीप सिंह खेतवाल तथा मेला आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल और जयंत सिंह भाकुनी को सम्मान प्रदान किया गया। नैना तिवारी लोहुमी महिला, बच्चों और गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। इससे पूर्व भी उन्हें बाल हित और महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने पर तत्कालीन जिलाधिकारी अनुराधा पाल और पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. डीपी जोशी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

वयोवृद्ध हस्तशिल्पी टीकाराम भट्ट का निधन

चम्पावत: स्वाला निवासी प्रमुख हस्तशिल्पी टीकाराम भट्ट का 88 वर्ष की उम्र में मंगलवार देर शाम आकस्मिक निधन हो गया। वे लकड़ी में कलाकारी कर शानदार आकृतियां तैयार करते थे। डीएम ने उनकी काष्ठ कला की काफी प्रशंसा भी की थी। उनके निधन पर जिलाधिकारी ने भी उनके निधन पर दुख जताया है। जिला पंचायत प्रतिनिधि सुंदर सिंह बोहरा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हेम चंद्र भट्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य कलावती देवी, जगदीश भट्ट, गुणा नन्द थ्वाल, नवीन भट्ट, ईश्वरी दत्त भट्ट सहित आदि ने शोक जताया है।

टीकाराम (फाइल)।

खेती-किसानी

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने की कर्मी क्षेत्र में औषधीय कार्ययोजना की समीक्षा

औषधीय पादप उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए करें काम

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने जनपद में औषधीय पादप उत्पादन को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। विशेष रूप से कुटकी जैसी मूल्यवान औषधीय फसल के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह फसल काश्तकारों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन सकती है। कर्मी क्षेत्र में औषधीय प्लांटेशन की कार्ययोजना को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बागेश्वर में औषधीय कार्ययोजना की समीक्षा करतीं जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे।

बैठक में जिलाधिकारी ने भेषज समन्वयक को काश्तकारों की मांग के अनुरूप लगभग 11 लाख कुटकी पौधों की आवश्यकता के संबंध में भेषज सचिव को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुटकी प्लांटेशन के क्षेत्रफल में वृद्धि करने, प्लांटेशन से पूर्व एवं पश्चात की फोटोग्राफी तथा ड्रोन वीडियो तैयार कराने के निर्देश भी दिए, ताकि कार्यों की पारदर्शी निगरानी हो सके। डीएम ने कहा कि औषधीय पादप उत्पादन को सशक्त बनाने के लिए कम से कम 15 मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएं, जो किसानों को वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षण दे सकें।

जिलाधिकारी ने भेषज विभाग को कृषि, उद्यान एवं खंड विकास अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर औषधीय पादप उत्पादन हेतु चिन्हित काश्तकारों की सूची उपलब्ध कराने तथा तीन दिवस के भीतर सर्वे कर यह आकलन करने को कहा कि काश्तकारों को कंपोस्ट किट की आवश्यकता है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 फरवरी तक कंपोस्ट किट से संबंधित सभी कार्य प्रारंभ कर दिए जाएं। इसके अलावा डीएम ने अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर काश्तकारों से सीधा संवाद स्थापित करने, खाद, पानी, कीटनाशक, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंचाई व्यवस्था को लेकर कृषि, सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग को 20 फरवरी तक संयुक्त सर्वे करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में कुटकी की बाजार में अत्यधिक मांग है तथा यह फसल जंगली जानवरों से भी सुरक्षित रहती है। उन्होंने कहा कि जनपद में 150 नए काश्तकारों को कुटकी उत्पादन के लिए चिन्हित किया जा चुका है, जिससे आने वाले समय में किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, भेषज समन्वयक ताहिर हुसैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने की योजनाओं की समीक्षा

संवाददाता, टनकपुर/ चम्पावत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में जनपद चम्पावत के समग्र एवं सतत विकास के लिए संचालित "आदर्श चम्पावत 2030" विजन डॉक्यूमेंट की प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में की गई।

डीएम ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विजन डॉक्यूमेंट में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण के साथ पूर्ण किए जाएँ, ताकि आमजन को योजनाओं का सीधा एवं प्रभावी लाभ मिल सके। डीएम ने योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड निरीक्षण तथा प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विभागवार समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी गतिमान परियोजनाओं में तेजी लाने, कार्य गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, उनकी निविदा प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जाए। साथ ही, पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों को शीघ्र संबंधित विभागों को हस्तांतरित करें। बैठक में विकास कार्यों के दौरान स्थानीय परंपराओं, जैव विविधता तथा पारिस्थितिक संतुलन को प्राथमिकता देने पर भी विशेष जोर दिया गया। इस दौरान एसपी अजय गणपति, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट, मुख्य कृषि अधिकारी धनपत कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी दीप्तकीर्ति तिवारी रहे।

चम्पावत में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार, साथ में एसपी अजय गणपति व अन्य।

अमृत विचार

गुरुवार, 29 जनवरी 2026

मानव अस्तित्व का रहस्य केवल जीवित रहने में नहीं, बल्कि जीने का कोई उद्देश्य खोजने में निहित है।

-फ्योदोर दोस्तोव्स्की, रूसी लेखक

अवसरों का द्वार

जब दुनिया संरक्षणवाद, टैरिफ़ युद्ध और आपूर्ति श्रृंखलाओं की अनिश्चितता से जूझ रही हो, तब विश्व व्यापार के लगभग एक-तिहाई और वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का साथ आना स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। दो अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाली यह साझेदारी आर्थिक ही नहीं, भू-राजनीतिक समीकरणों पर भी असर करेगी। यह समझौता साफ संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों का टिकाऊ समाधान टकराव नहीं, सहयोग है। ऐसे समय में जब अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के तहत ऊंचे टैरिफ़ और 'अमेरिका फर्स्ट' की सोच ने पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को झकझोरा है, भारत-ईयू समझौता उस का संतुलित जवाब है। यह किसी के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि नियम-आधारित, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन में एक पहल है।

अमेरिका नाराज है, क्योंकि लंबे समय से अटका यह समझौता ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब वॉशिंगटन और ब्रुसेल्स के बीच व्यापारिक मतभेद उभरे, हालांकि इससे अमेरिका-यूरोप संबंध निर्णायक रूप से नहीं बिगड़ने वाले पर वॉशिंगटन का दबदबा कुछ कम होगा। यदि भारतीय निर्यात को यूरोप में व्यापक बाजार पहुंच मिलती है तो ट्रंप टैरिफ़ से हुए संभावित नुकसान की भरपाई इससे आंशिक रूप से संभव है। इस डील के बाद अब अमेरिका के साथ भी संतुलित और पारस्परिक हितों पर आधारित व्यापार समझौते की संभावना बढ़ती है। यूरोपीय संघ अमेरिकी बाजार का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता, पर वह विविधीकरण का एक मजबूत स्तंभ अवश्य बन सकता है। समझौता पंचवर्षीय परिवर्तनकारी एजेंडे के देखना ठीक है, क्योंकि यह केवल टैरिफ़ घटाने का मामला नहीं, बल्कि मानकों, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल व्यापार और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ढांचा है। यदि जीएसपी जैसी रियायतों की बहाली या समान प्रावधान शामिल होते हैं, तो वस्त्र, परिधान, चमड़ा, हस्तशिल्प, जूते और समुद्री उत्पादों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे परिधान उद्योग में चीन, बांग्लादेश और वियतनाम के साथ प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते हम गुणवत्ता और लागत दोनों में प्रतिस्पर्धी बनें। इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट और मशीनरी क्षेत्र को यूरोपीय तकनीक और मानकों से तालमेल का अवसर मिलेगा। सेवा क्षेत्र विशेषकर आईटी, फिनटेक और प्रोफेशनल सेवाएं को। यदि वीजा और मूवमेंट ऑफ प्रोफेशनल्स में लचीलापन मिलता है, तो भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। सेमीकंडक्टर तकनीक और हरित प्रौद्योगिकी में सहयोग भारत के औद्योगिक उन्नयन को गति दे सकता है।

रक्षा क्षेत्र में यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच और संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं निजी भारतीय कंपनियों के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों की कंपनियों द्वारा भारत में रक्षा कॉम्प्लेक्स स्थापित करने से 'मेक इन इंडिया' को बल मिल सकता है। साथ ही इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को भी गति मिलना स्वाभाविक है। इसके लागू होने में डेढ़ बरस लग सकते हैं, पर यह समझौता अवसरों का द्वार है।

प्रसंगवश

38 फीसद भारतीय वयस्क आयली स्नैक्स के आदी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN) और WHO के अनुसार, लगभग 38% भारतीय वयस्क नियमित रूप से तले हुए स्नैक्स का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग रोज़ाना फलों या सलाद जैसे स्वास्थ्यवर्धक आहार का सेवन करते हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अत्यधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन मोटापे को तेज़ी से बढ़ाता है। यही मोटापा आगे चलकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र, अवसाद और तनाव जैसी कई गंभीर बीमारियों की नींव बन जाता है। जंक फूड का अत्यधिक सेवन केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से एक गंभीर खतरा बन चुका है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हमारे समाज में तेज़ी से फैल रही है, वह है पॉलीसिस्टिक ओवरी डिज़ीज़ (PCOD)।

डॉ. सुहैल ख़ान

चिकित्सक

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, 38–88 प्रतिशत PCOD से पीड़ित महिलाएं अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होती हैं। यह स्पष्ट करता है कि जंक फूड, मोटापा और PCOD आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यह समस्या प्रजनन आयु (15–49 वर्ष) की महिलाओं में सबसे आम अंतःस्रावी विकारों में से एक बन चुकी है और इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना जा रहा है। अध्ययनों के अनुसार, विश्व-भर में प्रजनन आयु की 6–13 प्रतिशत महिलाएं PCOD से प्रभावित हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं PCOD से जूझ रही हैं। यानी हर पांच में से एक महिला इस समस्या से प्रभावित है।

PCOD में अंडाशय (ओवरी) में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं और हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। इसका मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान, विशेषकर जंक फूड का अधिक सेवन माना जाता है। जंक फूड में मौजूद अधिक शर्करा और अस्वस्थ वसा शरीर में इंसुलिन रेज़िस्टेंस पैदा करती हैं, जिससे हार्मोनल असंतुलन और पुरुष हार्मोन (एंड्रोजन) का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, मुंहासे, बालों का झड़ना और बांझपन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। PCOD से पीड़ित महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग का खतरा भी अधिक होता है।

पीसीओएस से पीड़ित रोगियों में थायरॉइड रोगों की घटना दर बढ़ जाती है। डेनमार्क में 2019 में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में थायरॉइड रोग होने का खतरा, पीसीओएस से मुक्त महिलाओं की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक होता है। PCOS से पीड़ित महिलाओं में सरल जीवनशैली में बदलाव करना, जैसे जंक फूड से बचाव, संतुलित आहार, खून में शुगर (ग्लूकोज़) का स्तर कम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना, उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और PCOS से जुड़ी जटिलताओं को कम कर सकता है।

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जबकि आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिज बहुत कम पाए जाते हैं। इनमें संतृप्त वसा ट्रांस फैट, अत्यधिक नमक, कोलेस्ट्रॉल और शर्करा (ग्लूकोज़) की अधिकता होती है। इनमें परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, अधिक सोडियम, कृत्रिम रंग और प्रिज़रवेटिव्स भी शामिल होते हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर, इंस्टेंट नूडल्स, बिस्कुट, कैंडी, आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज़, मीठे पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक्स), पैकेज्ड स्नैक्स, परिष्कृत अनाज और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं।

बजट: ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पहली फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी, यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी।

सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेंद्र बेबोरठा ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्ट्रियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे।

> ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं।

दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइंस और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पॉवर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेंद्र बेबोरठा मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव्स आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण बचता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम।

बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे।

एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, R&D पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स।

इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी, लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे, तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए एक टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे, तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब पहलू फरवरी पर टिकी हैं।

आमने सामने

पाकिस्तान, बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हट सकता है। हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी, वही किया जाएगा। सरकार वर्ल्ड कप में न जाने को कहती है, तो हम उसका पालन करेंगे।

-मोहसिन नकवी
चेयरमैन
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

भारतीय टीम जिस तरह की बल्लेबाजी कर रही है, उसे देखकर कई टीमें डर सकती हैं। पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 रन बनाए, अब 10 ओवर में 150 रन। पाकिस्तान से कहना चाहता हूं, मत आओ। तुम्हारे चेयरमैन खुद यही संकेत दे रहे हैं।

-श्रीकांत
पूर्व भारतीय क्रिकेटर

प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा

अमित शर्मा

हल्द्वानी

पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मानवीय गतिविधियों से उपज रही आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पर्यावरण के दृष्टिगत विकास के मानक तय नहीं हैं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है, जिसका भयानक खामियाजा बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने, बाढ़ और सूखे के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बीते वर्षों में आ चुकी कई बड़ी आपदाओं को हम समय बीतने के बाद भूल जाते हैं, लेकिन ये आपदाएं दोबारा सिर न उठाएं, इसके लिए निजी और सामूहिक तौर पर प्रयास नहीं होते। यही वजह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा मंडराता है।

पहाड़ों की तबाही के सिलसिलों का इतिहास बहुत पुराना भी नहीं है, बल्कि तभी से शुरू हुआ, जब विकास की गति में तेजी आई। पहाड़ों को काटना प्रकृति के साथ सबसे बड़ी भूल कही जा सकती है, जो पेड़ों को काटे बिना संभव नहीं। साथ ही, यह भूस्खलन को बढ़ावा देती है और यह किसी से छिपा भी नहीं है कि भूस्खलन की त्रासदियां हर वर्ष जानलेवा साबित होती हैं। वृक्षों की कमी से कार्बन जैसी घातक गैसों में वृद्धि स्वाभाविक है, जो वायु प्रदूषण को न्यौता देना है और प्रदूषण रोकने के प्रयास अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं।

> जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है।

फलस्वरूप पीएम 2.5 जैसी जहरीली गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास के चलते अंधाधुंध होटल और रिजॉर्ट की संख्या के कोई मानक नहीं हैं, जबकि इतना तो तय होना चाहिए कि किसी भी इलाके के क्षेत्रफल के हिसाब से विकास हो। साथ ही, वाहनों की आवाजाही की संख्या भी क्षेत्र की क्षमता के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए. मगर इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

इस वजह से कई तरह की दुश्वारियों से दो-चार होना पड़ता है। बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स, हाईवे और सुरंग खोदा जाना प्रकृति के साथ अन्याय ही है। बांधों का निर्माण क्षेत्रीय मौसम पर बड़ा असर डालता है, जो उस क्षेत्र के साथ नजदीकी क्षेत्रों की बारिश में अनिश्चितता पैदा करता है और कृषि, आर्थिकी और सामाजिक स्तर प्रभावित होता है। मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में एक बड़ा दुष्प्रभाव हिमालय भुगत रहा है, हालांकि इसके पीछे प्रमुख जिम्मेदार वैश्विक ताप में वृद्धि है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

पहाड़ों में नदियों के किनारे निर्माण, अत्यधिक वाहनों की आवाजाही, प्लास्टिक कचरा और बेहिसाब माइनिंग पर्यावरण पर हमले जैसा है। हिमालय से जुड़े राज्य लेह लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में अभी तक किया गया विकास आपदाओं का जन्मदाता रहा है, लिहाजा प्रदूषण बढ़ रहा है, तो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं। इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है। समय रहते इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए और बड़ी योजनाओं के साथ तैयार रहना होगा।

यहां यह भी गौरतलब है कि पर्यावरण विशेषज्ञों की रिपोर्ट भी मानवीय कृत्य को जिम्मेदार मानती हैं। आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि अनियोजित मानवीय विकास को लेकर कई रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो प्रकृति के साथ खिलवाड़ का विरोध करती हैं। विकास का आधार वैज्ञानिक होना चाहिए और पर्यावरण के अनुरूप होना चाहिए।

भारतीय मौसम विभाग, वाडिया इंस्टीट्यूट, हिमालयन जियोलॉजी और पर्यावरण मंत्रालय समेत कई अन्य रिपोर्ट आ चुकी हैं। एरीज भी हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय स्थिति पर कई शोध कर चुका है, जो बताता है कि विकास पर्यावरण संरक्षण के आधार पर होना चाहिए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण वैज्ञानिकों का शोध बताता है कि खनन से मीथेन गैस अधिक निकलती है, जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में अधिक जिम्मेदार मानी जाती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन 40 प्रतिशत अधिक वैश्विक ताप बढ़ाती है। इस दिशा में भी विचार किए जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि जब भी मौसम या ऋतुओं में खास परिवर्तन होता है, तो हिमालयी राज्यों में आपदा का खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। पहाड़ों पर मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हो रही है। हमें साल 2013 की केदारनाथ त्रासदी को याद रखना होगा, जब बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और लाखों लोगों को बेघर कर दिया था। हमें साल 2023 की जोशीमठ आपदा को भी नहीं भूलना चाहिए, जब जमीन धंसने से कई घरों को नुकसान पहुंचा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पलायन करना पड़ा।

सोशल फोरम

एक थीं अजीजन बाई

अजीज़न बाई मूलतः पेशेवर नर्तकी थीं, जो देशभक्ति की भावना से भरपूर थीं। गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए उन्होंने घुंघरू उतार दिए थे। रसिकों की महफिलें सजाने वाली अजीज़न बाई क्रांतिकारियों के साथ बैठकें कर रणनीतियां बनाने लगीं। कानपुर में नाना साहेब के आह्वान पर अजीज़नबाई ने फिरंगियों से टक्कर लेने के लिए स्त्रियों का सशस्त्र दल गठित किया एवं उसकी कमान संभाली थी।

संजोग वाल्टर

ब्लॉगर

इतिहासकारों के मुताबिक अजीज़न बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 को मालवा क्षेत्र के राजगढ़ में हुआ था। अजीज़न बाई बचपन से रानी लक्ष्मीबाई की तरह रहना पसंद करती थीं और पुरुषों के लिबास पहनती थीं। साथ ही अपने साथ हमेशा बंदूक रखतीं और सैनिकों के साथ घोड़े की सवारी भी करती थीं।

एक जून 1857 को क्रांतिकारियों ने कानपुर में बैठक की, इसमें नाना साहब, तात्या टोपे के साथ सूबेदार टीका सिंह, शमसुद्दीन खां और अजीमुल्ला खां के अलावा अजीज़न बाई ने भी हिस्सा लिया। यहां गंगाजल को साक्षी मानकर इन सबने अंग्रेजों की हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

जून 1857 में ही इन लोगों ने अंग्रेजों को जोरदार टक्कर देते हुए विजय प्राप्त की और नाना साहब को बिठूर का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई। 16 अगस्त 1857 को बिठूर में अंग्रेजों के साथ पुनः भीषण युद्ध हुआ, जिसमें क्रांतिकारी परास्त हो गए। इन दोनों ही युद्धों में अजीज़न बाई की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण थी। उन्होंने युवतियों की टोली बनाई, जो कि मर्दाना वेश में रहती थीं।

युद्ध के दौरान अजीज़न बाई ने सिद्ध कर दिया कि वह वारांगना नहीं, अपितु वीरांगना है। बिठूर में हुए युद्ध में पराजित होने के बाद नाना साहब और तात्या टोपे को भागना पड़ा, लेकिन अजीज़न बाई पकड़ी गईं। इतिहासकारों के अनुसार युद्ध बंदिनी के रूप में उसे जनरल हैवलाक के सामने पेश किया गया।

उनके अप्रतिम सौंदर्य पर अंग्रेज अफसर मुग्ध हो उठे। जनरल ने उसके समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि वह अपनी गलतियों को स्वीकार कर अंग्रेजों से क्षमा मांग ले तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा और वह पुनः रास-रंग की दुनिया सजा सकती हैं। अन्यथा कड़ी से कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हो जाए। अजीज़न बाई ने क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया। अंग्रेज सैनिकों ने उनके शरीर (20 सितंबर 1857) को गोलियों से छलनी कर दिया।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

इक्विटी नियम: आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आया है। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है, लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है।

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है, क्योंकि केवल सलाह या दिशा-निर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अमृत विचार

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे हुई पेन शब्द की उत्पत्ति

पेन शब्द की उत्पत्ति भाषा, इतिहास और लेखन परंपरा के आपसी संबंध को समझने का एक रोचक उदाहरण है। आज जिसे हम साधारण-सा लेखन उपकरण मानते हैं, उसका नाम सदियों पुराने सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

'पेन' शब्द अंग्रेजी भाषा का है, जिसकी जड़ें प्राचीन लैटिन भाषा में मिलती हैं। लैटिन में Penna शब्द का अर्थ होता है-पंख। प्राचीन काल में कागज पर लिखने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता था, वह वास्तव में पक्षियों के पंखों से बनाया जाता था। हंस, मोर या अन्य बड़े पक्षियों के पंखों की नोक को तेज कर स्याही में डुबोया जाता और फिर उससे लिखा जाता था। ऐसे लेखन उपकरण को अंग्रेजी में Quill Pen कहा जाता था।

मध्यकालीन यूरोप में विद्वान, लेखक और धार्मिक ग्रंथों के नकलनकर्ता इन्हीं पंखों से लिखते थे। उस समय लेखन एक श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण प्रक्रिया थी। पंख से लिखने के लिए हाथ की स्थिरता और अभ्यास की आवश्यकता होती थी, क्योंकि स्याही का प्रवाह पूरी तरह लेखक के नियंत्रण पर निर्भर करता था। यही कारण है कि उस दौर में सुलेख (Calligraphy) को एक कला के रूप में देखा जाता था। समय के साथ लेखन तकनीक में परिवर्तन आया। धातु की निब का आविष्कार हुआ, फिर फाउंटेन पेन और आगे चलकर बॉल पेन अस्तित्व में आए। हालांकि लेखन उपकरण का स्वरूप पूरी तरह बदल गया, लेकिन उसका नाम नहीं बदला। 'पेन' शब्द लेखन की उस पुरानी परंपरा की स्मृति के रूप में भाषा में बना रहा। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भाषा अपने भीतर अतीत की छाप सहेज कर रखती है, भले ही समय कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए।

महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के कैंपस में इस समय माहौल यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर चर्चा, बहस और पक्ष-विपक्ष के बीच बंटा हुआ नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि यूजीसी के नए विनियमों से उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी बनाम जनरल कैटेगरी के बीच भेदभाव और बढ़ेगा और इन विनियम का दुरुपयोग एडमिशन, नियुक्ति, प्रमोशन हर जगह होगा। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि छात्र-छात्रों के बीच जातीय संघर्ष बढ़ने से आपसी समरसता और खत्म हो जाएगी। इसके चलते इन विनियम की सार्थकता जितनी व्यावहारिक रूप से सहज दिख रही है, वास्तविकता से ये उतने ही दूर हैं। इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके UGC विनियम, 2026 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

समानता के लिए समाधान

टकराव नहीं, संतुलन में है

याचिका में कहा गया है कि नए नियम यूजीसी के समानता नियम के सेक्शन 3(C) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्तिगत आजादी जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और यूजीसी अधिनियम 1956 के भी विरुद्ध है। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के अवसर खत्म होंगे। सोशल मीडिया पर भी इस विनियम का भारी विरोध हो रहा है। इस सबके बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा न केवल प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का हथियार भी है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान अलगाववादी बने रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण का अपना मुख्य उद्देश्य कैसे पूरा कर पाएंगे। ऐसे में देश को 'शिक्षा के अधिकार' से 'समान शिक्षा के अधिकार' की तरफ आगे बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब कैंपस के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को हतोत्साहित करने के साथ दंडित करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

इन कारणों से अस्तित्व में आए नए नियम

यूजीसी के अनुसार नए नियमों की जरूरत उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजातियों के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव के मामले रोकने और उन पर निगरानी रखने के लिए बनाए गए हैं। 2020 से 2025 के बीच जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके अलावा इस नियम को बनाने के पीछे रोहित वेमुला और पायल ताडवी जैसे मामलों में की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। दरअसल जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल ताडवी की आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियम बनाने की मांग की थी। जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूजीसी को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था। इसी के बाद फरवरी 2025 में नए नियमों से संबंधित ड्राफ्ट जारी किया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि ये विनियम उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध कानूनी और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करते हैं तथा वर्ष 2019 में आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में उठाई गईं उन गंभीर चिंता को संबोधित करते हैं, जिनमें पाया गया था कि ऐतिहासिक रूप से वंचित जातियों के 75 फीसदी छात्र परिसर में भेदभाव का सामना करते हैं।

नए विनियम में यह हैं प्रावधान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम-2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है। ये विनियम साल 2012 से लागू भेदभाव-रोधी नियमों का अपडेटेड स्वरूप हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव का उन्मूलन करना है।

- नए विनियमों में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। जाति-आधारित भेदभाव को अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विरुद्ध किसी भी अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके साथ ही भेदभाव को किसी भी अनुचित, पक्षपाती या भिन्न व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष और यह जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या विकलांगता जैसे आधारों पर लागू होता है। इसमें ऐसे कृत्य भी शामिल हैं, जो शिक्षा में समानता के अधिकार को बाधित करें या मानव गरिमा का उल्लंघन करें।
- प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुंच को बढ़ावा देना तथा परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना है।
- प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और समावेशन सुनिश्चित करना है।
- समान अवसर केंद्र (EOC) के अंतर्गत संस्थान में एक समता कमेटी गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस कमेटी में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा, ताकि समावेशी निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। शिकायत मिलते ही समिति बैठक करेगी और रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को देगी।
- हर संस्थान को 24 घंटे की इक्विटी हेल्पलाइन चलानी होगी। शिकायतकर्ता की पहचान मांगने पर गोपनीय रखी जाएगी।
- समान अवसर केंद्र को अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जबकि समानता कमेटी को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होगी। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र की कार्यप्रणाली पर वार्षिक रिपोर्ट यूजीसी को प्रस्तुत करनी होगी।
- नए विनियमों में भेदभाव उन्मूलन और समानता संवर्द्धन की स्पष्ट जिम्मेदारी संस्थानों को निर्दिष्ट की गई है तथा संस्थान के प्रमुख को प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए सीधे उत्तरदायी बनाया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) राष्ट्रीय स्तर पर एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसमें वैधानिक पेशेवर परिषदों व आयोगों के प्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति कम से कम वर्ष में दो बार बैठक करके नियमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी, भेदभाव के मामलों की जांच करेगी और रोकथाम के उपाय सुझाएगी।
- नवीन नियमावली में संस्थानों को भेदभाव समाप्त करने, समानता को बढ़ावा देने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने के उत्तरदायित्व दिए गए हैं। संस्थान के प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी होगी कि नियमों का पालन हो।

नियमों का अनुपालन न होने पर क्या होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी की योजनाओं में भाग लेने से वंचित किया जा सकता है। उन्हें डिग्री कार्यक्रम, डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रम संचालित करने से रोका जा सकता है। अनुदान रोका जा सकता है, नए कोर्स बंद हो सकते हैं। संस्थान को उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची से हटाया जा सकता है। इससे ये नियम सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि प्रवर्तनीय बन गए हैं।

कौन से हैं वह मुख्य बिंदु, जिन पर जताई जा रही है आपत्ति

पिछले साल फरवरी माह में यूजीसी ने इन नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल कर लिया है। मसौदा नियमों में भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए कहा गया है कि जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार पर कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार, जो शिक्षा में समानता को लेकर बाधा डालता है या मानव की गरिमा का उल्लंघन करता है, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा। इसी तरह मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाएगा और इसके लिए जुर्माना या सस्पेंड करने का प्रावधान रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान हटा दिया है।

नोटिस बोर्ड

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) के बीएससी कृषि व एमएससी कृषि की परीक्षाएं दो फरवरी से शुरू होंगी। गौरतलब है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बरेली व मुरादाबाद मंडल में नौ जिलों में 22 कृषि कॉलेज हैं, जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जिले में ही 17 कॉलेज में ही सेंटर दिया गया है।

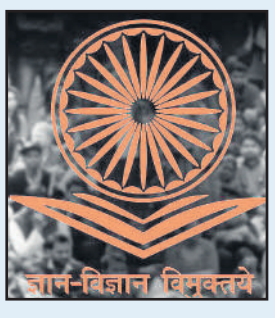

- बीएचयू में दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं फरवरी में शुरू होगी। सत्र को समय से शुरू कर 60 दिन से ज्यादा कक्षाएं चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले एनईपी के तहत चल रहीं सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं समाप्त कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि एक ही दिन 33 बहुविषयक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की 40 हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र में यूजी-पीजी स्तर के 25 नए प्रोग्राम भी शुरू किए जा रहे हैं। इस बार बीटेक की कुछ सीटें सीयूईटी से भी भरी जाएंगी। गौरतलब है कि अब तक जेईई स्कोर से ही दाखिले होते थे। तीन साल की एलएलबी को भी शुरू किया गया है। सभी प्रोग्राम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय के टेस्ट सीईटी को देना होगा। अप्रैल-मई में एंट्रेंस होगा।

कैंपस में पहला दिन

सीख और स्मृतियों की यात्रा

इंटर की परीक्षा पास करते ही जीवन ने मुझे पहली बार घर की सीमाओं से बाहर निकलने का अवसर दिया। फर्रुखाबाद की परिचित गलियों और अपनेपन भरे माहौल को पीछे छोड़कर मैं पढ़ाई के लिए कानपुर आया। यह केवल शहर बदलने की यात्रा नहीं थी, बल्कि बचपन से युवावस्था की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम भी था। नवाबगंज स्थित वीएसएसडी कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया और उसी के साथ एक बिल्कुल नई दुनिया मेरे सामने खुलने लगी।

कानपुर का माहौल मेरे लिए आकर्षक भी था और थोड़ा डरावना भी। नए चेहरे, नई भाषा, नए तौर-तरीके, सब कुछ अनजान था। नए दोस्तों से मिलना और उनके बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। कॉलेज को लेकर पहले से कई किस्से सुन रखे थे। यह भी पता चला था कि यहां को-एजुकेशन होती है, इसलिए मन में एक मासूम-सी उत्सुकता और खुशी भी थी। यह भ्रम जल्द ही टूट गया। बीकॉम की हमारी पूरी कक्षा में एक भी छात्रा नहीं थी। को-एजुकेशन की सारी कल्पनाएं पहले ही सेमेस्टर में दम तोड़ गईं। फिर भी कॉलेज जीवन निराशाजनक नहीं था। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक, कैंटीन की चर्चाएं और कभी-कभार इधर-उधर घूमने की योजनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन गईं। हालांकि पढ़ाई को लेकर माहौल काफी सख्त था। हमारे प्रोफेसर छात्रों की नीयत तुरंत भांप लेते थे। जरा-सी लापरवाही या बहानेबाजी उनके सामने नहीं चलती थी। अनुशासन यहां केवल नियम नहीं, बल्कि आदत बन चुका था। हमारे विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. ज्ञानचंद अग्रवाल एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। उनके व्यवहार में कठोरता नहीं, बल्कि अपनापन था। उनकी सरलता, स्नेह और अनुशासन ने हम सब पर गहरा प्रभाव डाला। वे हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन जीने की समझ भी देते थे। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो महसूस होता है कि कानपुर का वह कॉलेज और वहां बिताया गया समय मेरे व्यक्तित्व की नींव बन गया। जो भी आत्मविश्वास, समझ और अभिव्यक्ति मुझमें आज दिखाई देती है, उसके पीछे मेरे कॉलेज और मेरे गुरुओं का अमिट योगदान है। वे दिन स्मृतियों में आज भी जीवित हैं- एक सीख की तरह, एक संस्कार की तरह।

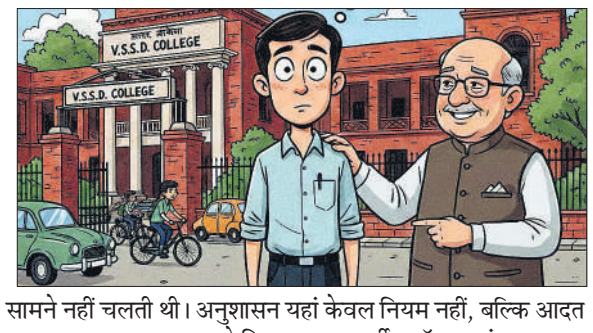

आरके सफ्फड़
उद्यमी एवं समाजसेवी

करेंट अफेयर्स

- हाल ही भारत की रक्षा आधुनिकीकरण की झलक 77 वें गणतंत्र दिवस परेड में उस समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जब एक उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित यह हथियार उच्च-गति और सटीक युद्ध क्षमताओं में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है तथा बदलते रणनीतिक वातावरण में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित करता है। हाइपरसोनिक हथियार अपनी असाधारण गति, अनिश्चित उड़ान पथ और उच्च सटीकता के कारण आधुनिक युद्ध में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में केवल कुछ ही देशों के पास परिचालन स्तर की हाइपरसोनिक क्षमताएं हैं। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति उसे उन्नत सैन्य शक्तियों के विशिष्ट समूह में स्थापित करती है और भविष्य-उन्मुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाल ही भारत और नामीबिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2026 में आयोजित उच्च-स्तरीय राजनयिक परामर्श के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल अवसंरचना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह चर्चा संसाधन सुरक्षा, सतत विकास और उभरती वैश्विक चुनौतियों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- हाल ही में भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों ने 2026 में एक नया चरण शुरू किया, जब यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत का उच्च-स्तरीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क से जुड़े व्यापक समझौते हुए, जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझेदारी को मजबूत करने की साझा दृष्टि को दर्शाते हैं।
- हाल ही उत्तराखंड राज्य ने अपने नागरिक कानून ढांचे में एक और महत्वपूर्ण सुधार करते हुए समान नागरिक संहिता (UCC) को नए संशोधनों के माध्यम से और सुदृढ़ किया है। इस कदम का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है, साथ ही राज्य में नागरिक मामलों में समानता और डिजिटल शासन को मजबूत करना है।

जॉब अलर्ट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI)

- पद का नाम-फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर (स्केल III) और मार्केटिंग ऑफिसर (स्केल I)
- कुल पद- 350
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में कहीं भी
- वेतन स्केल III : 85,920-1,05,280 और स्केल I : 48,480-85,920
- अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- परीक्षा की तिथि- फरवरी/मार्च 2026 (संभावित)
- वेबसाइट-centralbankofindia.bank.in

बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (BMC बैंक)

- पद का नाम- मैनेजिंग डायरेक्टर
- पदों की संख्या- उल्लेखित नहीं (मैनेजिंग डायरेक्टर का एक कार्यकारी पद)
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट, CAIIB, CA, MBA, बैंकिंग और फाइनेंस या कानून में योग्यता या PG डिग्री वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- आयु सीमा-उम्मीदवार की आयु 35 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- आवेदन की अंतिम तिथि-15-02-2026 (15 फरवरी 2026 से पहले)
- वेबसाइट-www.bmc.bank.in

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (CCRH)

- पद का नाम-विभिन्न पद (जूनियर रिसर्च फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, रिसर्च एसोसिएट, साइंटिस्ट C, प्रोजेक्ट एसोसिएट II, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, ऑफिस असिस्टेंट, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर/डिस्पेंसर, लैब टेक्नीशियन, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट)
- पदों की संख्या-40
- वेतन-रु. 16,000 से रु. 84,337 (एकमुश्त) + HRA (पदानुसार अलग-अलग, कुछ में वार्षिक वेतन वृद्धि)
- योग्यता-पद के अनुसार अलग-अलग
- आयु सीमा-30 से 64 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग, इंटरव्यू की तारीख के अनुसार)
- वेबसाइट- https://ccrhindia.ayush.gov.in/

कम्युनिकेशन स्किल: सफल करियर की कुंजी

कम्युनिकेशन स्किल आज के समय में कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं रह गई है, बल्कि यह हर छात्र के व्यक्तित्व और सफलता की बुनियाद बन चुकी है। कई शोध यह साबित कर चुके हैं कि जिन विद्यार्थियों में प्रभावी संचार क्षमता होती है, वे पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं। मजबूत कम्युनिकेशन स्किल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि आपको अपने विचारों को सही शब्दों में ढालने और दूसरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की ताकत भी देती है। कक्षा में सवाल पूछने से लेकर इंटरव्यू में खुद को प्रस्तुत करने तक- हर जगह संचार कौशल निर्णायक भूमिका निभाता है। कॉलेज का समय इन क्षमताओं को निखारने का सबसे सही दौर होता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सुनने की बनाएं आदत

अक्सर लोग संचार को केवल प्रभावशाली बोलने की कला मान लेते हैं, जबकि सच यह है कि संवाद की असली शुरुआत ध्यानपूर्वक सुनने से होती है। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं, बल्कि सामने वाले की भावना, विचार और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। जब हम पूरी एकाग्रता से किसी की बात सुनते हैं, तो यह उसके प्रति सम्मान और रुचि को दर्शाता है। सुनने की क्षमता ही सही और संतुलित प्रतिक्रिया का आधार बनती है। इस तरह सुनने की आदत संवाद को सार्थक और भरोसेमंद बनाती है।

शब्दों का चयन सोच-समझकर करें

बोलना आसान है, लेकिन सही समय पर सही शब्द कहना एक कला है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि शब्दों का असर गहरा होता है। कभी-कभी एक वाक्य किसी को प्रेरित कर सकता है और वही वाक्य किसी को आहत भी कर सकता है। इसलिए अपनी बात रखने से पहले थोड़ा ठहरें, सोचें और फिर बोलें। प्रत्येक छात्र को इस आदत को विकसित करना चाहिए, क्योंकि एक बार बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। आपके शब्द सराहना से भरे भी हो सकते हैं और आलोचनात्मक भी। उनमें सामने वाले को अच्छा या बुरा महसूस कराने की शक्ति होती है। इसलिए शब्दों के महत्व को समझें और बोलने से पहले सोचें।

वाद-विवाद से आत्मविश्वास को दें उड़ान

सार्वजनिक रूप से बोलने का डर छात्रों के आत्मविश्वास में सबसे बड़ी बाधा बनता है, जिसे दूर करने में कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। डिबेट में भाग लेने से विद्यार्थी विषय को गहराई से समझना सीखते हैं और अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करते हैं। बहस के दौरान अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं, जिससे सोच का दायरा व्यापक होता है और सहनशीलता भी बढ़ती है। जब छात्र पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी करते हैं, तो वे किसी भी परिस्थिति में संतुलित और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में पूर्णरूप से सक्षम होते हैं। साथ ही, प्रतिद्वंद्वी के तर्कों को समझकर उनका संयमित और तथ्यात्मक तरीक से खंडन करना भी सीखते हैं, जो प्रभावी संवाद के लिए आवश्यक कौशल है।

स्पष्ट सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति

अगर विचार उलझे होंगे, तो शब्द भी उलझे ही निकलेंगे। इसलिए जरूरी है कि बोलते समय आप मुद्दे पर टिके रहें। लेखन इस दिशा में एक बेहतरीन अभ्यास है। जब आप लिखते हैं और फिर अपने लिखे को पढ़ते हैं, तो सोचने का दायरा विस्तृत होता है और विचारों में स्पष्टता आती है। बोलते समय अपनी बात स्पष्ट और मुद्दे पर केंद्रित रखें। जब आपके विचार स्पष्ट होते हैं, तभी आपकी अभिव्यक्ति में विशिष्टता आती है।

एक हुनर है प्रश्न पूछना भी

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने सामने वाले के संदेश को सही ढंग से समझा है, प्रश्न पूछना एक आवश्यक कौशल है। यह न केवल किसी विषय को गहराई से समझने में मदद करता है, बल्कि बातचीत को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का भी प्रभावी तरीका है। अच्छे प्रश्न पूछने वाले लोग प्रायः अच्छे श्रोता भी माने जाते हैं, क्योंकि वे अपनी राय थोपने के बजाय दूसरों को समझने पर अधिक ध्यान देते हैं। अच्छा संवाद केवल जवाब देने से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से भी बनता है। सवाल पूछने से यह स्पष्ट होता है कि आप बातचीत में रुचि ले रहे हैं और सामने वाले को समझना चाहते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,344.68	25,342.75
बढ़त	487.20	167.35
प्रतिशत में	0.60	0.66

सोना 1,71,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

वर्ल्ड ब्रीफ

स्टार्टअप की परिभाषा के विस्तार की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार देश में उभरते उद्यमों के लिए परिवेश को और मजबूत करने के लिए स्टार्टअप की परिभाषा का विस्तार कर सकती है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि विस्तारित परिभाषा में ''डीप-टेक'' और सहकारी समितियां शामिल होंगी। साथ ही स्टार्टअप को डीप-टेक की ओर रुख करने की अनुमति मिलेगी। सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश में स्टार्टअप परिवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

ईरान की मुद्रा 16 लाख रियाल प्रति डॉलर

दुबई। आंतरिक अशांति से जूझ रहे ईरान की मुद्रा रियाल बुधवार को फिसलकर 16 लाख रियाल प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। इसके एक दिन पहले ही रियाल पहली बार 15 लाख प्रति डॉलर के स्तर तक फिसला था। रियाल में तेज गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर शुरू हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को एक महीना पूरा हो चुका है।

एसीसी सीमेंट को 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी ने बुधवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 720, बासमती- 5400, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8200-11000, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 150, उड़द साबुत- 3400, काबुली चना- 7700, अरहर दाल- 10400, लोबिया/करमानी- 1600

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत पूरी तरह सक्षम : हरदीप पुरी

भारत और कनाडा ने ऊर्जा सहयोग के संयुक्त वक्तव्य पर किए हस्ताक्षर. हाजसन ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक ऊर्जा संवाद की नई शुरुआत

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच विकासशील और विकसित राष्ट्रों ने सकारात्मक कदम उठाने की कवायद शुरू कर दी है। भारत में गोवा राज्य के ओएनजीसी परिसर में आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह, सम्मेलन इसी कड़ी का हिस्सा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस(एलएनजी),तरल पेट्रोलियम गैस(एलपीजी)कच्चे तेल तथा रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आपसी आयात-निर्यात को लेकर भारत-कनाडा में बुधवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

दोनों देश हरित हाइड्रोजन व सौर की उत्पादकता और वितरण के संदर्भ में भी मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। विश्व का दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले देश कनाडा और विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हुआ पहल उत्तरी अटलांटिक तथा पैसिफिक--एशिया के देशों को भी एक नई दिशा प्रदान करेंगे। समझौते के पश्चात भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हमारा देश एक उभरती शक्ति बन चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम है। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन और एलएनजी की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके विस्तार की स्रोतों पर भी मिलकर कार्य करेंगे। कनाडा और भारत ऊर्जा की विभिन्न आयामों को सही राह दिखाएंगे, भारी निवेश करते हुए उल्लेखनीय कार्य करेंगे। पुरी ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को लेकर भारत अपने सहयोगी देशों अर्थात ब्राजील,स्वीडन,पोलैंड,रूस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),ओमन तथा इंडोनेशिया के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाज़सन ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत बड़ी शक्ति बन चुका है। कनाडा अपने समुचित संसाधनों के साथ भारत सहयोग देगा और लेगा भी। हाजसन ने यह भी कहा कि करीब 140 करोड़ भारतीयों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बीड़ा उठाना कोई आसान काम नहीं। तेल शोधन और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में यूं ही अग्रणी नहीं हो गया है। दोनों देशों के मध्य मंत्रीस्तरीय ऊर्जा संवाद नई शुरुआत है। हम काफी कुछ बेहतर करेंगे। मंत्रियों ने दोनों देशों की सुरक्षा,बेहतरी,आर्थिक विकास हेतु ऊर्जा संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति की विविधता को भी रेखांकित किया। भारत व कनाडा के पेट्रोलियम मंत्रालयों ने ऊर्जा क्षेत्र के पूरक प्रकृति तथा ऊर्जा मामलों पर लगातार सहयोग से मिलने वाले पारस्परिक लाभ को भी मान्यता दी। दोनों देशों ने वैल्यू चेन में 'व्यापार से व्यापार' या 'व्यापार से सरकार' सहयोग को प्रोत्साहन देने और आपस में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत ऊर्जा सप्ताह में भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी तथा कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाजसन।

भारत-कनाडा में यह बनी सहमति

ट्रांस माउंटेन एक्सपेंशन(टीएमएक्स) पाइपलाइन के माध्यम से कनाडा भारत को कच्चा तेल देगा। भारत कनाडा से एलएनजी,एलपीजी के अलावा अन्य संदर्भित सामग्री आयात करेगा। इसके बदले भारत कनाडा को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को बहुतायत में निर्यात करेगा। पहली बार भारत आए कनाडा के पेट्रोलियम मंत्री टिओमी हाजसन ने बताया कि दोनों देश नवीनीकरण ऊर्जा अर्थात हाइड्रोजन,जैव तथा संपोषित विमानन ईंधन बैटरी भंडारण,महत्वपूर्ण खनिज उत्खनन,स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा विद्युत प्रणालियों के नवाचार को आपसी सहयोग से बढ़ावा देंगे। जान लें,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता,चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक तथा चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन क्षमता वाला देश है।

भारत-ईयू के समझौते से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : मुर्मू

राष्ट्रपति के दोनों सदनों में संयुक्त अभिभाषण से हुई बजट सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे ''सबसे बड़ा समझौता'' कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

खुशहाल किसान पहली प्राथमिकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार के लिए खुशहाल किसान विकसित भारत की पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखकर किसान सम्मान निधि के तहत कृषकों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ उन फसलों का भी उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है जिसमें अभी तक हमारा कृषि क्षेत्र पीछे था। मुर्मू ने कहा, कृषि का महत्व समझाते हुए संत तिरुवल्लुवर ने कहा था कि समाज के लोग चाहे जिस भी काम से जुड़े हों, हर व्यक्ति का जीवन एक मेहनती किसान के परिश्रम पर निर्भर होता है। इसीलिए मेरी सरकार खुशहाल किसान को विकसित भारत की पहली प्राथमिकता के रूप में देखती है।

सुधार एक्सप्रेस, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपये की बचत

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' के पथ पर आगे बढ़ रही है जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ हो रहा है। पिछले साल लागू किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ने नागरिकों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की है। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने आयकर कानून में संशोधन किया है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इन सुधारों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये पार

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत स्मार्टफोन उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले 11 वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और वैश्विक क्षमता केंद्रों में भी एक करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

खरगे ने केंद्र के विकसित भारत को बताया खोखला नारा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हमला बोलते हुए कहा है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है, जिसमें पुराने दावों और वादों को दोहराया जाता है लेकिन उनके क्रियान्वयन या जवाबदेही पर कोई चर्चा नहीं होती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा दिए गए 'विकसित भारत' के नारे पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह नारा स्पष्ट लक्ष्यों, समय-सीमा और परिणामों के बिना सिर्फ राजनीतिक जुमला है। उनका आरोप है कि बिना ठोस रोडमैप के विकास की बात करना जनता को गुमराह करने के बराबर है। खरगे ने मनरेगा को लेकर भी केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार की गारंटी देने वाले मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है, जिससे करोड़ों गरीब और असंगठित श्रमिकों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ काम करने का अधिकार था।

सेंसेक्स में 487 और निफ्टी में 167 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही।

- भारत-यूरोपीय संघ के एफटीए से लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी

चांदी 3.85 लाख, सोना 1.71 लाख रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खुलकर उतरे कलराज मिश्रा

कहा- ये नियम समाज को बांटने वाले, इनसे शिक्षा जगत में फैलेगा असंतोष

नोएडा/लखनऊ, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ देश भर में फैले असंतोष के बीच राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्रा भी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ये नियम समाज को बांटने वाले हैं और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा।

नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना का हनन करते हैं और यह एक जाति आधारित, एकतरफा कानून है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कलराज मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियम समाज को बांटने वाला है और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा। उन्होंने मांग की कि या तो इन नियमों में व्यापक बदलाव किए जाएं या फिर इन्हें तत्काल प्रभाव से पूरी तरह वापस लिया जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, ये नियमों में साफ नहीं है। बिना जवाबदेही तय किए ऐसे प्रावधान करना गंभीर चिंता का विषय है।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि शिकायत निवारण समिति में सभी वर्गों का समान और संतुलित प्रतिनिधित्व होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे और न्याय सुनिश्चित हो सके। कलराज मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक या सामाजिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए। नियम ऐसे हों जो सभी के लिए समान हों और संविधान के अनुरूप हों।

मायावती ने कहा- विरोध उचित नहीं

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।

नई दिल्ली

रायबरेली में वकीलों का प्रदर्शन, नहीं किया काम

रायबरेली में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया, न्यायिक कार्य से विरत रहे और पैदल मार्च कर अपना विरोध दर्ज कराया, साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की ओर से प्रस्ताव पारित कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कौशांबी में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, मार्च निकाला

कौशांबी में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन डीएम को दिया। उन्होंने नए नियमों को सवर्णों के हित के खिलाफ काला कानून बताया। कहा- ये नियम आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप साबित होंगे।

देवरिया में उमड़ा जनसैलाब, जमकर नारेबाजी

देवरिया में बुधवार को हजारों लोगों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और कचहरी के पास रोड पर धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोग सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। कुछ देर के लिए

केजीएमयू में डॉक्टरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बुधवार को यूजीसी के नए नियम के विरोध में शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कुलपति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि यह नीति कैंपस में समानता बढ़ाने के बजाय जाति आधारित असमानता को बढ़ावा दे सकती है। प्रदर्शन में शामिल डॉ. समीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल से यह संदेश जाता है कि सामान्य वर्ग का व्यक्ति अत्याचार करेगा ही करेगा। इसमें सभी वर्गों के लिए समान न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों को साथ लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा कि यह कानून पूर्व प्रस्तावित कम्युनल वायलेंस बिल जैसा प्रतीत होता है, जिसमें सामान्य वर्ग के व्यक्ति को नैसर्गिक न्याय का अधिकार नहीं मिलता। डॉ. नवनीत चौहान ने इसे विधि और तर्क के विपरीत बताते हुए कहा कि इसमें सामान्य वर्ग को ही दोषी मान लिया गया है, इसलिए यह कानून वापस होना चाहिए।

अखिल भारतीय संत समिति ने जताया विरोध, काशी में प्रदर्शन जारी

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी की नियमावली पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह हिंदू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। अखिल भारतीय संत समिति इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने कहा, जिस समानता के अधिकार की बात की जा रही है, उसे यूजीसी खुद नहीं फॉलो कर रही। छात्र जीवन में ही छात्रों के मन में जातिगत भावना इस कदर भर दी जाएगी, तो न्याय की आशा कैसे की जा सकती है, झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में उच्च जाति में जन्मे छात्रों में अपराधबोध पैदा किया जा रहा है।

आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

कहा- लोग यहां आध्यात्मिक शांति के लिए आते हैं, हम रिक्तता ले लौट रहे

प्रयागराज/लखनऊ, एजेंसी

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन की ओर से स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हुए। माघ मेले से प्रस्थान से पहले उन्होंने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी।

शंकराचार्य ने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना, अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। भीड़ का हवाला देते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अखिलेश ने कहा- ये बेहद अनिष्टकारी घटना

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए सत्तारूढ़ दल पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को अत्यंत अनिष्टकारी घटना बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो विमान हादसे की जांच

ममता, खरगे और अखिलेश के साथ केंद्रीय मंत्री आठवले ने भी की जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी मांग की कि यह जांच सुप्रीम कोर्टच की निगरानी में होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

ममता बनर्जी ने कहा, हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने घटना पर यह संकेत देते हुए भी सवाल उठाए कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे। ममता ने कहा, सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर वह सचमुच स्तब्ध रह गईं। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा, आज सत्तारूढ़ वर्ग का हिस्सा रहे लोग भी सुरक्षित नहीं दिखते।

ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में कहा, जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है। सभी नेता विमान से जाते हैं, कॉरपोरेट के लोग भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा, अजित पवार बड़े नेता थे, कई बार उप मुख्यमंत्री रहे, महाराष्ट्र में लोकप्रिय नेता रहे। आज के समय में हम इतना जागरूक हैं, प्रौद्योगिकी समझते हैं। ममता बनर्जी ने ठीक ही मांग की है। वीआईपी के साथ ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। पहले भी कई वीआईपी की जान इसी तरह गई है। ऐसी जांच हो जिसमें निष्पक्ष तरीके से पता चले कि यह घटना कैसे हुई।

- ममता ने कहा- चाचा की पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे पवार

दांव पर लगा राकांपा का भविष्य

मुंबई। अजित पवार की मौत से न सिर्फ राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में खालीपन पैदा हो गया है, बल्कि राकांपा के भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। पार्टी के अस्तित्व और संस्थापक शरद पवार के साथ उसके भविष्य के समीकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार के निधन के बाद राकांपा में नेतृत्व का संकट गहरा सकता है, क्योंकि पार्टी में दूसरे नंबर का कोई स्पष्ट चेहरा नहीं है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शरद पवार का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राकांपा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के साथ फिर एकजुट हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल के महीनों में दोनों गुटों के बीच संबंधों में नरमी देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार की ओर वापस न चले जाएं। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय रही हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। राकांपा के पास एक लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे और दो राज्यसभा सदस्य-प्रफुल्ल पटेल तथा सुनेत्रा पवार हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में राकांपा (एसपी) के संभावित विलय को लेकर अटकलें तेज थीं।

- महाराष्ट्र में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा के पास 132, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 57 और राकांपा के पास 41 विधायक हैं।
- वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने बताया कि राकांपा के दोनों गुट पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव में 'घड़ी' चिह्न पर एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अनौपचारिक विलय का संकेत है।

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए शुरू किया नया शोध केंद्र

लंदन, एजेंसी

- स्नातक छात्रों को मिलेंगे विवि में प्रवेश के अतिरिक्त मौके

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा कि कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति, शुल्क,अन्य खर्चों के लिए धन दे सकेंगे।

प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विवि कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

सवालों के घेरे में उड़ते महल

महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुणे के बारामती हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान निजी विमान लियरजेट 45 दुर्घटनाग्रस्त होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमानन क्षेत्र में तकनीक और सुरक्षा के उच्चतम मानकों के बावजूद ऐसी घटनाएं हवाई सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ी करती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, खराब दृश्यता और तकनीकी खराबी हादसे के संभावित कारण हो सकते हैं। इस हादसे से विमान के रखरखाव पर भी अंगुली उठ रही है। वीआईपी उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा को भी अनिवार्य बना दिया है।

विमान दुर्घटना

हादसे में खोईं हस्तियां

- विजय रूपाणी (12 जून 2025) : अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी मृत्यु हुई थी।
- जनरल बिपिन रावत (8 दिसंबर 2021) : तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, जिसमें सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों की मृत्यु हुई।
- दोर्जी खांडू (30 अप्रैल 2011) : अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुर्गम पहाड़ियों में क्रैश हो गया था। • वाईएस राजशेखर रेड्डी (2 सितंबर 2009) : हेलीकॉप्टर हादसे में आंध्र के सीएम की मृत्यु हुई थी।

हादसों के प्रमुख कारण

- मानवीय भूल : लगभग 50% से अधिक हादसों का कारण पायलट की गलती होती है। इसमें गलत निर्णय लेना, थकावट या आपातकालीन स्थिति में सही प्रतिक्रिया न दे पाना शामिल है।
- तकनीकी खराबी : विमान के इंजन में खराबी, हाइड्रोलिक सिस्टम का फेल होना या लैंडिंग गियर का न खुलना गंभीर हादसों की वजह बनता है।
- खराब मौसम : घना कोहरा, तेज हवाएं या अचानक बिजली गिरना पायलट के लिए दृश्यता और नियंत्रण की चुनौती पैदा करता है।
- एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती : एटीसी द्वारा गलत निर्देश देना या दो विमानों के बीच सुरक्षित दूरी न रख पाना हवाई टक्करों का कारण बन सकता है।
- रखरखाव में कमी : विमान के पुराने पुर्जों को समय पर न बदलना या सुरक्षा जांच में ढिलाई बरतना जानलेवा साबित होता है।

सुरक्षा के कड़े पहरेदार

- उड़ान समय सीमा : पायलटों की थकान कम करने के लिए काम के घंटों, आराम की अवधि का सख्त निर्धारण।
- सुरक्षा ऑडिट : सभी एयरलाइन और निजी चार्टर विमानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।
- मौसम प्रोटोकॉल : खराब दृश्यता के दौरान विमानों को टेक-ऑफ या लैंडिंग की अनुमति नहीं देना।
- विमान की स्थिति : एक निश्चित सीमा से पुराने या बार-बार तकनीकी खराबी वाले विमानों के संचालन पर प्रतिबंध।

खराब रिकॉर्ड

बारामती में हादसाग्रस्त विमान वीएसआर वेंचर्स प्रालि का था, कंपनी का सेफ्टी रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। यह तीन साल से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा है। इससे पहले, 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर इसी कंपनी का एक और विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी दूतावास फिर खोलने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संसद को बताया है कि वह वेनेजुएला में बंद अमेरिकी दूतावास को दोबारा खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है। इसके तहत कर्मचारियों की एक टीम वहां भेजी जाएगी, जो सीमित राजनयिक कामकाज संभालेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कर्मचारी एक अस्थायी परिसर में रहकर काम करेंगे। इस दौरान मार्च 2019 में बंद किए गए मौजूदा दूतावास परिसर को आवश्यक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 20 महीने की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्वत लेने के आरोप में 20 महीने जेल की सज़ा सुनाई गई है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ वॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की ज़ब्ती के साथ जेल की सज़ा सुनाई। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो बिहारी गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने हिमालयी देश के रौताहट जिले में बिहार के दो लोगों को नकली भारतीय मुद्रा नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी 30 वर्षीय बिक्रम कुमार पासवान और 42 वर्षीय राहेश कुमार साह को मंगलवार रात दक्षिणी नेपाल में 2500 रुपये मूल्य की नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास 500 और 200 रुपये के नकली नोट थे।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग बंद हो गया है।

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले-व्यापार समझौते के बाद यूरोपियन देशों में दे सकेंगे अपनी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक अब यूरोपियन संघ के देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल अस्पताल के शताब्दी समारोह में मोदी ने कहा कि आयुष चिकित्सक भारत में हासिल की गई व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे, जिससे आयुर्वेद और योग से जुड़े युवाओं को बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईयू के साथ हाल में घोषित ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और उसके चिकित्सकों को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोप में आयुष आरोग्य केंद्र बनाने में भी मदद करेगा और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने आयुर्वेद तथा आयुष से जुड़े सभी आगंतुकों को बधाई दी।

समझौते से भारत को ज्यादा लाभ : अमेरिका

न्यूयॉर्क। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत आगे रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर ने मंगलवार को कहा कि मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि भारत को इससे काफी फायदा होगा।

आयुर्वेद एक इलाके तक सीमित नहीं रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद को बचाने, सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसके संस्थापक वैद्यरत्नम पी एस वारियर के योगदान को भी याद किया। मोदी ने कहा भारत में आयुर्वेद कभी किसी एक ज़माने या इलाके तक सीमित नहीं रहा है और हर ज़माने में, इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने ज़िंदगी को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला 600 से ज़्यादा आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके अस्पताल आयुर्वेदिक तरीकों से रोगियों का उपचार करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत सदियों से आयुर्वेद के जरिए लोगों का इलाज कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के अंदर और बड़े पैमाने पर विदेशों में इसकी अहमियत समझाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण साक्ष्य आधारित अनुसंधान और शोधपत्रों की कमी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आयुर्वेदिक पद्धतियों को विज्ञान के सिद्धांतों पर परखा जाता है, तो लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को लगातार विज्ञान और अनुसंधान की कसौटी पर परखा है। मोदी ने कहा कि संस्थान ने दवा अनुसंधान, क्लिनिकल शोध और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा

- ट्रंप ने सैन्य चेतावनी देने के साथ कूटनीतिक कदम भी बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अमेरिका के आयोवा राज्य के क्लाइव में एक चुनाव-प्रचार जैसे आयोजन में कहा, वैसे इस समय एक और अरमाडा बड़ी खूबसूरती से तैरते हुए ईरान की ओर बढ़ रहा है। हम देखेंगे। उम्मीद है कि वे हमसे समझौता कर लें। उन्हें हमसे पहले ही समझौता कर लेना चाहिए था। कम से कम देश तो बचेगा।

ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वाली दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति परिवर्तनशील है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के और करीब तैनात किया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शर्तें बतायीं, जिनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक, संवर्धित यूरेनियम हटाना, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पर सीमायें और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन का अंत शामिल है। ईरान ने इन शर्तों को सिरे से खारिज किया है, हालांकि बातचीत की इच्छा भी जतायी है। ट्रंप ने जून में किए गए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि तीन प्रमुख ठिकानों पर वार कर ईरान की परमाणु क्षमताओं को 'नष्ट' कर दिया गया। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में तैनात किया गया है, जिससे वह अमेरिकी केंद्रीय कमान के परिचालन क्षेत्र और ईरान के संभावित लक्ष्य क्षेत्रों के और करीब आ गया है।

ईरान ने पश्चिमी एशिया के देशों से संपर्क साधा

दुबई। ईरान के अधिकारियों ने देश पर अमेरिकी हमले के खतरे को लेकर बुधवार को पश्चिमी एशिया के कई देशों से संपर्क साधा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। मिस्र के शीर्ष राजनयिक बदर अब्देलट्टी ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पश्चिमी एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बातचीत की ताकि क्षेत्र को अस्थिरता के नए दौर में जाने से बचाने के लिए शांति स्थापित करने की दिशा में काम किया जा सके। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से फोन पर बात कर उन्हें अपनी ओर से भरोसा दिलाया।

स्पेन में करीब पांच लाख अवैध प्रवासी होंगे वैध

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आव्रजन मंत्री एलमा सैज़ ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किए जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सैज़ ने कहा, यह केवल अनुमान हैं, लेकिन आंकड़ा लगभग पांच लाख के आसपास हो सकता है। यह योजना उनपर लागू होगी जो पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान जासूसी मामले में सुनाई 5 साल की सजा

नई दिल्ली,एजेंसी

- एनआईए अदालत के समक्ष आरोपी ने कबूला जुर्म

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी अल्ताफहुसैन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान जुर्म कबूल कर लिया था।

इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 37 गवाहों से पूछताछ की थी। आंध्र प्रदेश के विशा खापत्तनम स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को सिम कार्ड, ओटीपी और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी पाए गए अल्ताफहुसैन को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच साल और छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दो साल और छह महीने के साधारण कैद की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

रूस ने यूक्रेनी ट्रेन पर किया हमला पांच लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसेंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को आतंकवाद की करतूत बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज़्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन में से एक ने हमला किया था।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

कोच्चि, एजेंसी

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 20 स्थानों पर की छानबीन

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कुल 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में पीएफआई कार्यकर्ताओं और उसके सहयोगी संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। एसडीपीआई को प्रतिबंधित पीएफआई का सहयोगी संगठन माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चावक्काड में पूर्व पीएफआई जिला नेता और वर्तमान एसडीपीआई कार्यकर्ता फामिस अबूबक्कर के आवास की भी गहन तलाशी ली गई, जहां एनआईए की टीम ने दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। यह अभियान मुख्य रूप से एर्नाकुलम, त्रिशूर और पालक्काड जिलों में केंद्रित रहा, जहां कई टीमों ने एक साथ उन ठिकानों पर तलाशी ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संगठन को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बावजूद उसके नेटवर्क राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम को मजबूत करेगा उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए हथियार के परीक्षण का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के आगामी सम्मेलन में उनकी सरकार अपने परमाणु कार्यक्रम को और मजबूत करने की योजना की घोषणा करेगी। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान ने कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को किम जोंग उन की मौजूदगी में बड़े और उन्नत रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 13.55 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

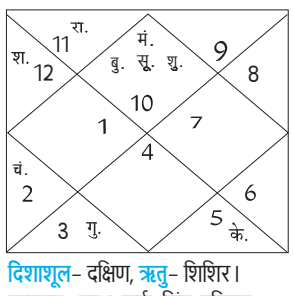

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 07.31 तक तत्पश्चात मृगशिरा 30 जनवरी 05.29 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। नए विषयों के अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृष — आज का दिन कारोबार में विस्तार करने के लिए अनुकूल है। उत्तम भोजन का आनंद लेंगे। कुछ नजदीकी लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन — आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कानूनी मामलों को लेकर जल्दबाजी न करें। किसी को धन उधार न दें। पुराने मामले को लेकर परेशानी हो सकती है। विद्यार्थियों की शिक्षा में थोड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कर्क — आज नई संपत्ति खरीद सकते हैं। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक लाभ हो सकता है। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। अपने खानपान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

सिंह — आज नकारात्मक विचारों से दूर रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दुविधा की स्थिति में फंस सकते हैं।

कन्या — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। नौकरी में अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। व्यापार को लेकर कोई बड़ा सौदा हो सकता है। कारोबारी यात्राओं के दौरान आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी अत्यधिक चर्चा होगी।

तुला — आज अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं। अनावश्यक खर्च अचानक से बढ़ सकते हैं। इसके कारण आपके निजी जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। व्यवसाय को लेकर कुछ अदूरदर्शी निर्णय लेने से बचें। थोड़ा सोच-विचार कर ही काम करें।

वृश्चिक — आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने काम में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके कष्टों का निवारण होगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में अधिक परिवर्तन न करें। भौतिक सुख-साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बच्चों के व्यवहार से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज कुछ पारिवारिक शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। परिवार के किसी सदस्य को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण सिरदर्द हो सकता है। अपनी जीवनशैली को अनुशासित रखें।

मीन — आज अपने संपर्क क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करेंगे। लोगों से आपको अत्यधिक प्रेम व सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। कड़ी मेहनत के द्वारा आपके कार्य सफल होंगे।

सुडोकू-45

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2				8		
		1	5					7
	3			8		9		4
		5	2			7		8
	8						9	
2		9			6	1		
7		3		9			8	
					1	5		
		6				3		

सुडोकू - 44 का हल

5	8	9	1	4	3	6	2	7
4	2	1	9	7	6	3	8	5
6	3	7	2	5	8	1	9	4
8	6	2	4	3	7	9	5	1
7	9	4	5	8	1	2	6	3
3	1	5	6	9	2	4	7	8
2	4	3	7	6	5	8	1	9
1	7	8	3	2	9	5	4	6
9	5	6	8	1	4	7	3	2

जो भारतीय बल्लेबाज तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, उन्हें अपने लाल गेंद की स्किल को निखारने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और यही हाल के वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में उनकी कमजोरियों की एक बड़ी वजह है।
–राहुल द्रविड़

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन के सामने कमजोर पड़ना आश्चर्यजनक

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान स्मिथ अब भी 2024 के आखिर में भारत में न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में 3-0 की ऐतिहासिक जीत को लेकर हैरान हैं और उनका मानना है कि हाल के दिनों में लाल गेंद की क्रिकेट में घरेलू मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष की बड़ी वजह स्पिन के खिलाफ घटती क्षमता रही है। खब्बू स्पिनर एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर भारत में उस यादगार टेस्ट सीरीज की जीत के मुख्य सूत्रधार थे। इससे परिणाम से मेजबान टीम का 12 वर्षों से चला आ रहा अजेय क्रम टूट गया।

मोईन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस लिया

लाहौर। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास का अपना फैसला वापस ले लिया है और वह आगामी टी-20 ब्लास्ट में यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे। क्लब ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मोईन अली ने 2026 सीजन के लिए केवल ब्लास्ट के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है। इसे 2027 तक भी बढ़ाया जा सकता है।

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ जीती सीरीज

कोलंबो। हैरी ब्रूक (नाबाद 136) और जो रूट (नाबाद 111) की आतिशी शतकीय पारियों और इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 53 रन से जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। यह तीन साल में पहली बार है जब इंग्लैंड ने विदेश में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 357 का कुल स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 304 रनों पर आलआउट हो गई।

महिला सीनियर कबड्डी शुरू

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के पहले दिन हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बालायोगी स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुई चैंपियनशिप में पहले दिन कई निर्णायक नतीजे देखने को मिले। भारत के महिला कबड्डी विश्व कप जीत के तुरंत बाद हो रही इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन टीम के कई सदस्य अब अपने-अपने राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी तक चलेगी।

सहजा को डब्ल्यूटीए के लिए वाइल्ड कार्ड

मुंबई। भारत की नंबर एक महिला एकल टेनिस खिलाड़ी सहजा यमलापल्ली को दो फरवरी से शुरू हो रहे मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया है। पुणे में बिली जीन किंग कप के एशिया ओशियाना ग्रुप वन चरण में भारत के दूसरे स्थान पर रहने में सहजा की अहम भूमिका थी। वह बेंगलुरू में हुए प्लेआफ में भी टीम का हिस्सा थी।

न्यूजीलैंड चौथा टी-20 मुकाबला जीता टीम इंडिया 165 रनों पर ऑलआउट

मेहमान टीम के 216 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय पारी लड़खड़ाई

विशाखापत्तनम, एजेंसी

टिम साइफर्ट (64), डेवन कॉन्वे (44) और डैरिल मिचेल (नाबाद 39) की आतिशी पारियों के बाद कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को चौथे टी-20 मुकाबले में भारत को 50 रनों से हरा दिया।

216 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। अभिषेक शर्मा (शून्य) और सूर्यकुमार यादव (आठ) रन बना कर आउट हुये। इसके बाद संजू सैमसन ने रिंकू सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 46रन जोड़े। सातवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने संजू सैमसन 16 गेंदों में 24 रन को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। हार्दिक पंड्या (दो) को भी सैंटनर ने आउट किया। रिंकू सिंह 30 गेंदों में 39 रन बनाकर पांचवें विकेट के रुप में आउट हुये। इसके बाद शिवम दुबे ने हर्षित राणा के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन जोड़कर कुछ उम्मीद जगाई थी कि इसी दौरान 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर मैट हेनरी ने शिवम दुबे को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। शिवम दुबे ने 23 गेंदों में सात छक्के और तीन चौके लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारत की ओर से तीसरा सबसे तेज टी-20 अर्धशतक लगाया। अगले ही ओवर में हर्षित राणा नौ रन बनाकर आउट हुये। अर्शदीप सिंह (शून्य) और जसप्रीत बुमराह चार रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर जैकब डफी ने कुलदीप यादव (एक) को आउटकर 165 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर अपनी टीम को 50 रनों से जीत दिला दी। न्यूजीलैंड के लिये मिचेल सैंटनर ने तीन विकेट लिये। जैकब डफी और ईश सोढी को दो-दो विकेट मिले। मैट हेनरी और जैकरी फॉक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम साइफर्ट और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े। नौवें ओवर में कुलदीप यादव ने डेवन कॉन्वे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। डेवन कॉन्वे ने 23 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 44 रन बनाये। अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने रचिन रविंद्र (दो) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। 13वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने टिम साइफर्ट को आउटकर न्यूजीलैंड के रनों की रफ्तार पर लगाम लगाने का प्रयास किया। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 62 रनों की पारी खेली। अगले ओवर में कुलदीप ने ग्लेन फिलिप्स (24) को अपना शिकार बना लिया। मार्क चैपमैन (नौ) को रवि बिश्नोई ने आउट किया। मिचेल सैंटनर (11) और जैकरी फॉक्स 13 रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 215 रनों का विशाल स्कोर बनाया। डैरिल मिचेल ने 18 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 39 रनों की पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जीत का जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

न्यूजीलैंड

215/7 (20 ओवर)

डेवोन कॉनवे का रिंकू बो कुलदीप	44
टिम सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप	62
रचिन रवींद्र का एवं बो बुमराह	02
फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप	24
मार्क चैपमैन का राणा बो बिश्नोई	09
डेरिल मिचेल नाबाद	39
मिचेल सैंटेनर रन आउट	11
जैक फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप	13
मैट हेनरी नाबाद	06

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-33-2, राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2

भारत

165/10 (18.4 ओवर)

अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी	00
संजू सैमसन बो सैंटेनर	24
सूर्यकुमार यादव का एवं बो डफी	08
रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स	39
पंड्या का फोक्स बो सैंटेनर	02
शिवम दूबे रन आउट	65
हर्षित राणा का रवींद्र बो सोढ़ी	09
रवि बिश्नोई नाबाद	10
अर्शदीप का सैंटेनर बो सोढ़ी	00
बुमराह का सोढ़ी बो सैंटेनर	04
कुलदीप का सिफर्ट बो डफी	01

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-1, फोक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटेनर 4-0-26-3, फिलिप्स 1-0-7-0

महिला प्रीमियर लीग

फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है लेकिन वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड (243 रन) की चोट से बड़ा झटका लगा है।

लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, लेकिन उसके बाद मिली दो हार ने निश्चित रूप से उसके अभियान को झटका लगा है। आरसीबी को दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा जब बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसने सात विकेट से हार झेली। इसके बाद आरसीबी को मुंबई इंडियंस के हाथों भी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में एक समय उसका स्कोर पांच विकेट पर 35 रन था लेकिन ऋचा घोष की पारी ने हार के अंतर को काफी कम कर दिया।

अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित

टी-20 विश्व कप

9 दिन शेष

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है।

उन्होंने कहा वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल

काफी अहम है। वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई। उन्होंने कहा वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली।

हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होता है तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है। टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है। हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है। रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें। दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है। वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।

टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स

गुकेश हारे प्रज्ञानानंद की पहली जीत

विज आन ली (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में के नौवें दौर में बुधवार को यहां जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

डी. गुकेश।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंद ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। सिंदारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

खेल संघों को राष्ट्रीय प्रतीक और लोगो के अनाधिकृत उपयोग को बंद करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- **खेल मंत्रालय ने निर्देशों का उल्लंघन करने पर मान्यता निलंबित करने की चेतावनी दी**

खेल मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे अपनी स्टेशनरी और डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों तथा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लोगो के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में मान्यता निलंबित की जा सकती है। राष्ट्रीय महासंघों की वेबसाइटों पर, खासकर होम पेज के निचले हिस्से में, संबद्धता दर्शाने के लिए साइ और मंत्रालय के लोगो दिखाई देना आम बात है। उनकी स्टेशनरी पर भी ये लोगो अंकित रहते हैं और मंत्रालय के प्रतीक में राज्य प्रतीक शामिल होता है।

मंत्रालय ने कहा यह पाया गया है कि कुछ एनएसएफ अपने लेटरहेड, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्रियों पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा इस प्रकार का उपयोग अनधिकृत है और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशानिर्देशों तथा कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा इसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता की रोक भी शामिल है।

भारत का राज्य प्रतीक मौर्य सम्राट अशोक के सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ से लिया गया है, जो वर्तमान में सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित है। सिंह स्तंभ की आकृति में एक आधार पर स्थापित तीन सिंह दर्शाए गए हैं, जिनके मध्य में धर्मचक्र, दाईं ओर बैल और बाईं ओर दौड़ता हुआ घोड़ा अंकित है, जबकि दोनों छोरों पर धर्मचक्र की आकृतियां हैं।इसके उपयोग से संबंधित मौजूदा कानून के अनुसार, केवल केंद्र सरकार ही उन मामलों में इसके उपयोग की अनुमति दे सकती है, जहां आधिकारिक संबद्धता का संकेत मिलता हो। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भले ही एनएसएफ को सरकार से मान्यता प्राप्त हो और वे वित्तीय सहायता के पात्र हों, लेकिन इससे उन्हें भारत सरकार, मंत्रालय या साई के नाम, प्रतीक या लोगो के उपयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकार ने कहा, "एनएसएफ केवल मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता का पाठ्य रूप में उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन किसी भी आधिकारिक लोगो या प्रतीक का उपयोग नहीं कर सकते। एनएसएफ को जारी निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साइ के लोगो का उपयोग केवल प्रतियोगिता या आयोजन विशेष प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनज या स्मृति चिन्ह" तक सीमित रहेगा। यह अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां आयोजन को वित्तीय सहायता दी गई हो या औपचारिक मान्यता प्रदान की गई हो। निर्देश दिया गया है कि वे हर जगह से अनधिकृत लोगो तत्काल हटाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनकी संबद्धता किसी भी रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत न की जाए।

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन जोकोविच भाग्य के सहारे आगे बढ़े, महिला वर्ग में एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

यानिक सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले

एलिना रिबाकिना।

जेसिका पेगुला।

खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रिबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, पर फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी। उनका कहना है इस बार वे भाग्यशाली रहे।

अत्यधिक कैमरों पर स्वियातेक भी झल्लाईं

मेलबर्न। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है।